शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, रविवार 18 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 130 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

▪ दो अक्तूबर से पहले राज्य सरकार करेगी बीमा योजना की शुरुआत ▪ राज्य के साढ़े तीन लाख सरकारी कर्मियों को मिलेगा बीमा योजना का लाभ

सरकारी कर्मियों के स्वास्थ्य बीमा के लिए टाटा एआईजी के साथ 20 को होगा एमओयू

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के सरकारी कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ दो अक्टूबर से पहले मिलने लगेगा. इसके लिए टाटा एआइजी जेनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ 20 अगस्त को एमओयू होगा. राज्य के लगभग साढ़े तीन लाख कर्मियों को इस बीमा योजना का लाभ मिलेगा. इसमें लगभग एक लाख पेंशनधारी भी शामिल हैं. स्वास्थ्य बीमा के तहत सरकारी कर्मियों और पेंशनधारियों को पांच लाख रुपए का मुफ्त इलाज होगा. इसमें आयुष्मान भारत योजना के तहत चिन्हित किए गए अस्पताल भी शामिल होंगे.

अब कर्मियों को 500 रुपये मिलेगा चिकित्सा भत्ता : स्वास्थ्य बीमा योजना लागू होने सरकारी कर्मियों को 1000 रुपये की जगह 500 रुपये चिकित्सा भत्ता मिलेगा. इस हिसाब कर्मियों को सालाना 12 हजार रुपये की जगह 6000 रुपये ही चिकित्सा भत्ता मिलेगा. शेष राशि बीमा योजना के प्रीमियम में एडजस्ट की जाएगी. बताते चलें कि इस योजना के लिए 25 अक्तूबर 2014 में ही संकल्प जारी किया गया था, लेकिन पिछले 10 सालों से यह योजना लंबित रही थी.

10 साल बाद रास्ता हुआ साफ

राज्य के कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने में 10 साल से अधिक का वक्त लग गया. 2014 में कार्यरत कर्मियों और पेंशनधारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ देने की पहल की गई थी. इसका संकल्प 25 अक्तूबर 2014 को जारी किया गया. फिर संशोधन के साथ 31 जुलाई 2023 को दूसरा संकल्प जारी किया गया.

इस योजना को लेकर अब तक क्या-क्या हुआ

- विधानसभा की प्रत्युक्ता समिति के हस्तक्षेप के बाद 2023 में इस योजना को लागू करने की प्रक्रिया तेज हुई
- 25 जुलाई 2023 में स्वास्थ्य बीमा योजना का प्रस्ताव पास हुआ
- स्वास्थ्य विभाग ने 31 जुलाई 2023 को संशोधन के साथ दूसरा संकल्प जारी किया
- पहले ऑनलाइन टेंडर डालने की तिथि 28 दिसंबर 2023 से तीन जनवरी 2024 निर्धारित की गयी
- टेक्निकल बिड खोलने की तिथि में भी बदलाव किया गया
- 31 जनवरी 2024 को टेक्निकल बिड खोला गया
- आचार सहिंता लगने के कारण प्रक्रिया लंबित रही
- इस टेंडर प्रक्रिया में टाटा एआइजी, नेशनल इंश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस, बजाज एलियांज और आइसीआइसी लोंबार्ड ने हिस्सा लिया था
- वित्तीय बिड के निपटारे के बाद टाटा एआइजी जेनरल इंश्योरेंस कंपनी को जिम्मेवारी सौंपी गई

सरकार की ओर से आश्रित परिजनों को मिलेंगे एक करोड़ 29 लाख रुपये

चौहान हेंब्रम के परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा

- मुख्यमंत्री ने परिजनों को दिलाया भरोसा – दोषी को जल्द किया जाएगा गिरफ्तार
- परिजनों से कहा – राज्य सरकार सदैव आपके साथ खड़ी रहेगी

प्रमुख संवाददाता। रांची

सीएम आवासीय कार्यालय में चौहान हेंब्रम के परिजनों से मिलते सीएम हेमंत और कल्पना सोरेन.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हजारीबाग जिला बल के हवलदार स्वर्गीय चौहान हेंब्रम के परिजनों ने मुलाकात की. मुख्यमंत्री ने हवलदार स्वर्गीय चौहान हेंब्रम की पत्नी जोमोती देवी, पुत्र महेश हेंब्रम तथा पुत्री स्वाति हेंब्रम सहित अन्य परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की. मुख्यमंत्री ने परिजनों को विश्वास दिलाया कि उन्हें हर हाल में न्याय मिलेगा.

कहा कि राज्य सरकार की ओर से डीजीपी सहित वरीय पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि दोषी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो. कहा कि दुःख की इस घड़ी में राज्य सरकार सदैव आपके साथ खड़ी है.

परिजनों को राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद दिए जाने का आश्वासन दिया. विधायक कल्पना सोरेन ने भी हवलदार स्वर्गीय चौहान हेम्ब्रम के परिजनों को प्रति संवेदना जतायी तथा उनका ढांढस बंधाया.

हवलदार के आश्रित को अनुकंपा के आधार पर मिलेगी नौकरी

सीएम हेमंत सोरेन ने हवलदार स्वर्गीय चौहान हेंब्रम के परिवार में एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की. मुख्यमंत्री ने परिजनों से कहा कि जल्द ही अनुकंपा के आधार पर वर्ग 3 अथवा 4 में नियुक्ति हेतु सभी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी. इस निमित्त अधिकारियों के निर्देश दिया जा चुका है. आश्रित परिवार को राज्य सरकार की ओर से लगभग एक करोड़ 29 लाख रुपये प्रदान की जाएगी.

इन मदों के तहत मिलेगी राशि

हजारीबाग जिला बल के हवलदार स्वर्गीय हेंब्रम के कर्तव्य के दौरान मृत्यु होने के उपरांत राज्य सरकार द्वारा इनके आश्रित परिजनों को लगभग 1 करोड़ 29 लाख रुपए प्रदान की जाएगी. देय राशि इस प्रकार हैं – गृह,कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के संकल्प के आलोक में 60 लाख रुपए क्षतिपूर्ति भुगतान, एसबीआइ के माध्यम से किए गए पुलिस सैलरी पैकेज का लाभ 50 लाख रुपये, उपादान की राशि 11 लाख 25 हजार रुपये, उपार्जित अवकाश वेतन 5 लाख 62 हजार 500 रुपये, भविष्य निधि की राशि एक लाख रुपये , ग्रुप बीमा की राशि 37 हजार रुपये, परोपकारी कोष से आवश्यक वित्तीय सहायता 30 हजार रुपये एवं पारिवारिक पेंशन 9 हजार रुपये. बताते चलें कि गिरिडीह जिला के ग्राम-पिंडाटाड़ निवासी चौहान हेंब्रम हजारीबाग जिलाबल में हवलदार के पद पर कार्यरत थे. ड्यूटी के दौरान बीते 12 अगस्त को एक अपराधी द्वारा उनकी निर्मम हत्या कर दी गई थी.

राज्य के हर प्रखंड में तैयार करें जैविक गांव: कर्मवीर सिंह

रांची। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने शनिवार को किसान मोरचा के कार्यकर्ताओं में जोश भरा. कहा कि राज्य के प्रत्येक प्रखंड में एक जैविक गांव तैयार करें, जिसमें जैविक कृषि के माध्यम से खेती की जा सके. गो पालन को बढ़ावा देने में भी अपनी भूमिका सुनिश्चित करें. वे शनिवार को किसान मोरचा की संगठनात्म बैठक में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि राज्य की जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए प्रदेश के किसानों के बीच मोरचा जन आंदोलन चलाएगी. किसान मोरचा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने कहा कि मोरचा के कार्यकर्ता राज्य सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ हमेशा संघर्ष के लिए तैयार रहे हैं. उन्होंने 23 अगस्त को राजधानी में आहूत विशाल युवा आक्रोश रैली में राज्य भर के युवा किसानों से हज़ारों की संख्या मे शामिल होने का आग्रह किया.

अमन साहू गिरोह से निकाला गया चंदन

संवाददाता। रांची

रांची जेल में बंद शूटर चंदन साव

खास बातें

- अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने जारी की प्रेस विज्ञप्ति
- फिलहाल बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल,रांची में बंद है शूटर चंदन

रांची जेल में बंद शूटर चंदन साव को अमन साहू गिरोह से निकाल दिया गया है. गिरोह के मयंक सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस बात की जानकारी दी. मंयक सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि रांची जेल में बंद पतरातू थाना के सांकुल निवासी चंदन साव को गैंग से निकाला जा चुका है. आज के बाद उसका गैंग से कोई लेना-देना नहीं है. चंदन के बारे में मार्केट के छोटे-छोटे व्यापारी और जो सही तरीके से अपना व्यापार कर रहे हैं, उनसे गलत तरीके एवं जबरन वसूली की शिकायत मिल रही थी. चंदन को बार-बार समझाया गया कि ऐसा रोड छाप काम ना करे. इसके बावजूद चंदन के आचरण में सुधार नहीं हुआ, जिसके चलते मुझे मजबूरन छोटे व्यापारी और अन्य के हित में यह निर्णय लेना पड़ा. मंयक सिंह ने व्यापारियों को आगाह किया कि अगर अमन साहू और मयंक सिंह के नाम से चंदन किसी भी व्यापारी को फोन कॉल या मैसेज करता है तो उसे नजरअंदाज करें. अगर वह किसी तरह की घटना, धमकी या अन्य कुछ भी करता है तो उसका जिम्मेवार वह खुद होगा.

अपना गैंग बनाने की सोच रहा था चंदन साव

अमन साहू के सबसे खास और शार्प शूटर चंदन साव को एटीएस ने बीते 19 जुलाई 2023 को रांची के ओरमांझी से गिरफ्तार किया था. एटीएस की पूछताछ में चंदन ने चौंकाने वाले खुलासे किये थे. चंदन अमन को बॉस बोलता था. जब से अमन जेल गया था, तब से जेल के बाहर गैंग की कमान चंदन ही संभाल रहा था. हजारीबाग में रित्विक कंपनी के जीएम शरद बाबू की हत्या के साथ-साथ रंगदारी के लिए लगभग एक दर्जन स्थानों पर हुई गोलीबारी और धमकी जैसी घटनाओं को चंदन अंजाम देता था. अमन ही चंदन को जेल से संदेश पहुंचाता था. इसके बाद चंदन उस पर अमल करते हुए आगे का काम करता था. चंदन के कहने पर ही रांची के अरगोड़ा में रहने वाले कोयला कारोबारी रंजीत गुप्ता पर साव गिरोह के शूटर वारिश अंसारी ने फायरिंग की थी. इस गोलीबारी को सिर्फ इसलिए अंजाम दिया गया था, ताकि रंजीत गुप्ता से रंगदारी वसूली जा सके.

हिमंता-बाबूलाल के बेंगाबाद दौरे के बाद सीएम की खुली नींदः अमर

घड़ियाली आंसू बहाने लगे : बाउरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि शनिवार की सुबह तक चौहान हेंब्रम के परिजनों की सुध नहीं लेने वाले मुख्यमंत्री विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंत विश्व सरमा और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के बेंगाबाद दौरे के बाद घड़ियाली आंसू बहाने लग गए. साथ देने में स्थानीय विधायक कल्पना सोरेन भी शामिल हो गई। अच्छा होता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन उस लाचार वृद्ध मां,अबला पत्नी, अनाथ बच्चे की पीड़ा उसी दिन समझ लेते जिस दिन चौहान हेंब्रम की एक अपराधी ने हत्या कर दी. मुख्यमंत्री जी के ऊपर वोट बैंक का इतना कर्जा हो गया है कि उनका ध्यान किसी गरीब आदिवासी,दलित महिला की पीड़ा, दुख दर्द की ओर जाता ही नहीं. मुख्यमंत्री जितना भी मदद का आश्वासन दे लें लेकिन एक गरीब आदिवासी के बेटे की जान उनकी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण गई है. बार-बार इस राज्य में आदिवासी दलितों पर घुसपैठियों,और धर्म विशेष के अपराधियों द्वारा अत्याचार किया जा रहा लेकिन हेमंत सरकार मौन साधे बैठी रहती है.भाजपा मुख्यमंत्री और उनकी धर्म पत्नी द्वारा स्वर्गीय चौहान हेंब्रम के परिजनों से मुलाकात को भाजपा की जीत मानती है. भाजपा सदैव प्रदेश की जन भावनाओं के साथ खड़ी है.

बसंत सोरेन बनाए गए प्रश्न और ध्यानाकर्षण समिति के सभापति

रांची। पूर्व कैबिनेट मंत्री सह झामुमो विधायक बसंत सोरेन को झारखंड विधानसभा के प्रश्न और ध्यानाकर्षण समिति का सभापति बनाया गया है. पहले जारी हुए आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए समिति में एमएलए कोचे मुंडा, अमित मंडल और राजेश कच्छप को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है. शनिवार को विधानसभा के प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर के हस्ताक्षर से इसका आदेश जारी कर दिया गया.

केशव महतो के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

झारखंड कांग्रेस को मिलेगी मजबूती : अभिलाष साहू

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को बधाई देते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अभिलाष साहू ने कहा कि जननेता राहुल गांधी जो कहते हैं. वो करते हैं. झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मनोनयन से यह साबित हुआ राहुल गांधी लगातार पिछड़ी जाति के हक अधिकार के लिए एवं उनके प्रतिनिधित्व देने के प्रति लगातार प्रयास कर रहे हैं. इसी क्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पिछड़ी जाति से केशव महतो कमलेश को नेतृत्व देकर झारखंड के तमाम पिछड़ी जातियों को यह संदेश दिया है कि आपका हक अधिकार के लिए कांग्रेस कृतसंकल्प है. राहुल गांधी हमेशा कहते हैं जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी मिलेगी. अभिलाष साहू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव केसी वेणुगोपाल, झारखंड के प्रभारी गुलाम अहमद मीर का आभार प्रकट किया और उम्मीद जताई कि केशव महतो कमलेश का प्रदेश अध्यक्ष बनने से झारखंड कांग्रेस को मजबूती प्रदान होगी, साथ ही पूर्व आईपीएस अधिकारी काफी अनुभवी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को विधायक दल नेता बनने से कांग्रेस संगठन जमीनी स्तर पर दिखेगा, पिछड़ी जातियों व आदिवासी समाज का झुकाव कांग्रेस पार्टी की ओर अवश्य होगी, जिससे आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को लाभ मिलेगा.

आरयू: खेल व सांस्कृतिक विभाग का कैलेंडर जारी

खेल संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय खेलकूद एवं सांस्कृतिक विभाग सत्र 2024-25 की वार्षिक बैठक शुक्रवार को मैनेजमेंट स्टडीज हॉल में संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने की. डीएसडब्ल्यू ने 2024 सत्र की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया. इस वर्ष खेलकूद में 14 स्पर्धाओं के अंतर कॉलेज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जबकि 12 खेलों का चयन परीक्षण होगा. इस वर्ष बैडमिंटन योग और टेबल टेनिस के स्पर्धा अंतर कॉलेज प्रतियोगिता के तहत होंगे. बाकी 12 खेल (हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, बॉलीबाल, एथलेटिक्स, कबड्डी, अर्चरी, खोखो) की स्पर्धाएं होंगी, जो पिछले साल संपन्न हुई थी. बैठक में खेल एवं सांस्कृतिक विभाग के भी कई निर्णय लिए गए.

वार्षिक बैठक के दौरान रांची विवि के पदाधिकारी.

इसके अलावा खिलाड़ियों के कोचिंग कैंप और सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूपरेखा भी तैयार की गई. इस अवसर पर रांची विवि कुलपति के अतिरिक्त कुल सचिव डॉ विनोद नारायण, डीएसडब्ल्यू डॉ. सुदेश कुमार साहू, पॉक्टर डॉ. मुकुंद मेहता एग्जामिनेशन कंट्रोलर डॉ. विकास कुमार, सीसीडीसी प्रकाश झा, उप निदेशक स्मृति सिंह सहित कई कॉलेज के प्रिंसिपल तथा प्रतिनिधि कई विभाग अध्यक्ष सहित कई अधिकारी उपस्थित थे. शनिवार को रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने प्रेसवार्ता में जानकारी दी कि खेलकूद में चयन प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए विभाग ने टोकन मनी को 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये किया गया है. साथ ही इस सत्र के लिए खेल विभाग में 99 लाख और सांस्कृतिक विभाग के लिए 42 लाख का बजट रखा गया है.

कुलपति ने कहा कि इस वर्ष से कई खेलों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया जाएगा तथा इसके लिए कमेटी भी बनाई जाएगी.

इंटरमीडिएट में नामांकन प्रक्रिया 24 से शुरू होगी

रांची। रांची विवि अंतर्गत इंटरमीडिएट में नामांकन प्रक्रिया 24 अगस्त से शुरू होगी. इसके लिए 24 अगस्त को एडमिशन पोर्टल खोला जाएगा. शनिवार को रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने एडमिशन को लेकर नोटिफिकेशन जारी करवाया. इससे पहले एबीवीपी ने रांची विवि के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा का लगभग डेढ़ घंटे तक घेराव किया था. इस दौरान नामांकन प्रक्रिया शुरू नहीं होने से गुस्साए एबीवीपी के सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने विवि प्रशासन के खिलाफ जम कर नारेबाजी भी की थी. सभी इंटर में नामांकन प्रक्रिया शुरू करने के लिए धरने पर बैठ गए थे.

प्रदेश भाजपा महिला मोरचा के जिलाध्यक्षों की सूची जारी

संवाददाता। रांची

प्रदेश बीजेपी महिला मोरचा के जिलाध्यक्षों की सूची शनिवार को जारी कर दी गई. इसमें पायल सोनी को रांची महानगर व नेहा सिंह को रांची ग्रामीण की जिम्मेवारी सौंपी गई है. खूंटी में सीमा देवी, गुमला में गौरी किंडो, सिमडेगा में सुषमा, लोहरदगा में शर्मिला भगत, पलामू में रीना किशोर, गढ़वा में अनीता, चतरा में अनामिका, लातेहार में शीला देवी, हजारीबाग में साक्षी राणा, रामगढ़ में शीतल सिंह, कोडरमा में सुनीति, गिरिडीह में उषा कुमारी, धनबाद में विभा रानी सिंह, धनबाद ग्रामीण में दीपा, बोकारो में गिरिजा, जामताड़ा में पुष्पा, दुमका में ममता साहा, पाकुड़ में शबरी पाल, साहिबगंज में गरिमा, देवघर में रूपा केसरी, गोड्डा में रिंकी साहा, जमशेदपुर में नीलू मछुआ, पू. सिंहभूम में कृष्णा पॉल, प. सिंहभूम में दुर्गा व सरायकेला में रीतिका मुखी को जिलाध्यक्ष बनाया है.

चंपाई पर प्रमाणिक जानकारी नहीं: दीपक

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद दीपक प्रकाश ने कहा, मैंने यह बात सिर्फ खबरों में सुनी है. मेरे पास कोई प्रामाणिक जानकारी नहीं है... वे (चंपाई सोरेन) एक अच्छे मुख्यमंत्री के तौर पर झारखंड की सेवा कर रहे थे. सब कुछ केंद्रीय नेतृत्व पर निर्भर करता है. वह एक बहुत बड़ी शख्सीयत हैं. झारखंड के 3 .5 करोड़ लोग उनके काम से खुश थे, लेकिन जिस तरह से उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाया गया, वह दुर्भाग्यपूर्ण था.

रखी मांग सीपीएम के सचिव ने सीएम को लिखा पत्र

विस्थापन आयोग का जल्द गठन हो

खास बातें

- प्रकाश विपल्व ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र भेजा
- पत्र में राज्य में हो रहे विस्थापन पर चिंता जताई

प्रमुख संवाददाता। रांची

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने राज्य सरकार से विस्थापन आयोग के गठन की मांग की है. इसको लेकर पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विपल्व ने सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है. पत्र में कहा है कि पार्टी ने मुख्यमंत्री से मांग की थी कि इस विस्थापन आयोग को केवल खनन मामलों तक ही सीमित नहीं रखा जाए. खनन मामलों के अलावा एचईसी, बोकारो स्टील प्लांट सहित कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उधोगों की स्थापना सहित कई डैम व सिंचाई परियोजनाओं और सेना की छावनियों के निर्माण सहित कई अन्य परियोजनाओं से भी बड़ी संख्या में रैयतों और किसानों का उनके पूरे परिवार सहित विस्थापन हुआ है. वैसे विस्थापितों का मुआवजा, नौकरी और पुनर्वास की समस्याएं अब तक लंबित है. मुआवजा के भुगतान के मामलों में भी भारी अनियमितता है. विस्थापितों की समस्या का समाधान नहीं होने के कारण राज्य के कई स्थानों पर खनन कार्य करने वाली कंपनियों और स्थानीय रैयतों के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है और कानून व्यवस्था की भी स्थिति उत्पन्न हो जा रही है.

हाईकोर्ट के रिटायर जज के नेतृत्व में आयोग गठित हो

राज्य सरकार की घोषणा के आलोक में केवल खनन नहीं बल्कि सभी तरह के विस्थापन के मामलों के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त जज के नेतृत्व में राज्य विस्थापन आयोग का गठन किया जाना चाहिए जो एक तय समय सीमा के अंदर विस्थापित हुए लोगों के रोजगार, पुनर्वास और मुआवजा के संबंध में फैसला करे. पार्टी ने मुख्यमंत्री से यह भी अनुरोध किया था की इस मुद्दे पर विधानसभा के चालू सत्र में ही चर्चा करा ली जाए, लेकिन ऐसा नहीं हो सका. मुख्यमंत्री से आग्रह है कि अपनी घोषणा के अनुरूप उनके द्वारा पहल की जाए. अभी झारखंड में केंद्र सरकार द्वारा कई कोल ब्लाक की नीलामी की गई है और दूसरे कई महत्वपूर्ण खनिजों की भी नीलामी किए जाने के लिए राज्य सरकार पर केंद्र का दबाव बढ़ता जा रहा है.

सदान मोर्चा के रांची जिला ग्रामीण के अध्यक्ष बने मुरारी

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने मुरारी गुप्ता को रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष मनोनीत किया है. मूलवासी सदान मोर्चा का रांची जिला ग्रामीण के अध्यक्ष बनाए जाने पर मुरारी गुप्ता ने केंद्रीय अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त किया है. मुरारी गुप्ता को रांची जिला ग्रामीण का अध्यक्ष बनाए जाने पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, धनंजय राय, वासुदेव महतो, विशाल कुमार साहू, विश्व नाथ गोप, राजेश पासवान, राहुल कुमार, मंजूर खान आदि ने बधाई दी है.

क्लासिफाइड

BAHARAGORA, NEAR : R.V.I.School
OXYRIVER (PB) Aqua With Minerals
Swapan Kumar Paul Mob. : 70918 66623

PLEASE SEND YOUR RESUME FOR AN INDUSTRIAL AUTOMATION ORGANISATION, MOSTLY ENGAGED WITH PRESTIGIOUS PROJECTS IN
TATA STEEL, UCIL, ISRO, BARC ETC
1. MARKETTING MANAGER : SALARY 2.4 LAKHS PA, ITI, DEE, BEE FOR JAMSHEDPUR, SALES PLC SCADA HMI KNOWLEDGE, experience 2 years
2. OFFICE ASSISTANT : SALARY 2.4 LAKHS PA, Graduate with 5 Years Work Experiance Computer Proficient, Knowledge About Tender and TATA STEEL PROCUREMENT
MAIL CV : pradeep_wk@yahoo.com

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	26.5	14.5
जमशेदपुर	28.1	14.4
डालटनगंज	25.9	10.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज ▸ 10

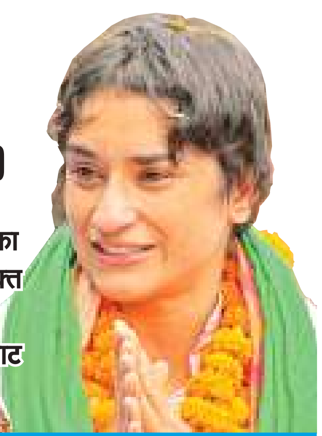

मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं : विनेश फोगाट

www.lagatar.in | रांची, रविवार 18 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 130 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

केसी वेणुगोपाल लोक लेखा समिति के अध्यक्ष

नयी दिल्ली। लोस सचिवालय ने प्रमुख संसदीय समितियों के गठन की घोषणा कर दी है. लोक लेखा समिति की अध्यक्षता कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल करेंगे. वहीं, भाजपा के संजय जायसवाल प्राक्कलन समिति, जबकि भाजपा सांसद बैजयंत पांडा सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति के अध्यक्ष होंगे. ओबीसी कल्याण समिति के अध्यक्ष भाजपा के गणेश सिंह, जबकि केंद्रीय इस्पात राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते एससी और एसटी कल्याण समिति के अध्यक्ष होंगे.

नेताजी के पार्थिव अवशेष को लाने की अपील की

कोलकाता। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र कुमार बोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जापान के रेंकोजी मंदिर में रखे नेताजी के पार्थिव अवशेषों को भारत लाने की अपील की है. प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में बोस ने शनिवार को कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि 18 अगस्त की पूर्व संध्या पर मैं आपसे नेताजी के अवशेषों को रेंकोजी से भारत लाने की एक बार फिर अपील करता हूं. उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन किंवदंती बन गया है.

समुद्री बचाव समन्वय केंद्र का उद्घाटन आज

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को चेन्नई में एक नवनिर्मित अत्याधुनिक भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) बल के समुद्री बचाव समन्वयन केंद्र (एमआरसीसी) भवन का उद्घाटन करेंगे. रक्षामंत्री रविवार को ही दो अतिरिक्त प्रमुख सुविधा केंद्र चेन्नई में क्षेत्रीय सामुद्रिक प्रदूषण प्रतिक्रिया केंद्र (आरएमपीआरसी) और पुडुचेरी में तटरक्षक वायु एन्क्लेव (सीजीएई) का भी उद्घाटन करेंगे. रक्षा मंत्रालय की तरफ से यह जानकारी दी गयी है.

वायुसेना, थलसेना का पैरा-ड्रॉप अभियान पूरा

नयी दिल्ली। भारतीय वायुसेना और थलसेना ने संयुक्त रूप से लगभग 15 हजार फुट की ऊंचाई पर 'आरोग्य मैत्री हेल्थ क्यूब' पहल के तहत अपनी तरह के पहले सटीक पैरा-ड्रॉप अभियान को अंजाम दिया. रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को जानकारी देते हुए कहा कि वायुसेना ने क्यूब को एयरलिफ्ट करने और सटीक रूप से पैरा-ड्रॉप करने के लिए अपने उन्नत सामरिक परिवहन विमान सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस का इस्तेमाल किया.

तहव्वुर राणा को प्रत्यर्पित कर सकता है अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने मुंबई में आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के आरोपी एवं पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को बड़ा झटका दिया है. अदालत ने कहा कि उसे संधि के तहत भारत को प्रत्यर्पित किया जा सकता है. राणा ने कैलिफोर्निया में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के आदेश के खिलाफ यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर नाइंथ सर्किट में याचिका दायर की थी. - पेज 12 देखें

कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर की हत्या के विरोध में आईएमए की हड़ताल

अस्पताल परिसर में सुरक्षा देने की मांग करतीं जूनियर महिला डॉक्टर.

विरोध प्रदर्शन करते हुए रिम्स परिसर से आईएमए भवन जाते रिम्स के जूनियर डॉक्टर. (फोटो : रमीज)

झारखंड समेत देश भर में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहीं

पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म कर उसकी हत्या के विरोध में देशभर के डॉक्टरों में भारी आक्रोश है. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा 24 घंटे के देशव्यापी हड़ताल की घोषणा के बाद शनिवार को स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सीय सेवा चरमरा गई. अस्पतालों में ओपीडी और वैकल्पिक सर्जरी सेवा को बंद रखा गया. हालांकि, इस दौरान आपातकाली सेवाएं जारी रहीं. आईएमए के हड़ताल का असर कई राज्यों में दिखा. बंगाल और झारखंड के अलावा उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, असम, ओडिशा, केरल, गुजरात, गोवा, नागालैंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश सहित अन्य कई राज्यों में डॉक्टर हड़ताल पर रहे.

संवाददाता। रांची

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की घटना के विरोध में आईएमए द्वारा बुलाई गई 24 घंटे की हड़ताल का असर झारखंड में भी देखने को मिला. शनिवार को झारखंड के सभी मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सीय संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं. आईएमए के प्रदेश सचिव डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि रविवार सुबह छह बजे तक स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहेंगी. उन्होंने कहा कि हमलोग कोलकाता की ट्रेनी महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हैं और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में की गई तोड़फोड़ की निंदा करते हैं. आईएमए की प्रदेश इकाई के प्रमुख डॉ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि सभी सरकारी और निजी अस्पतालों के साथ ही डायग्नोस्टिक सेंटर भी हड़ताल में शामिल हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि हड़ताल के दौरान सभी वैकल्पिक सेवाएं, ओपीडी सेवाएं और वैकल्पिक सर्जरी बंद रहेंगी. हालांकि, आपातकालीन सेवाओं को हड़ताल से मुक्त रखा गया है. आईएमए झारखंड, राज्य स्वास्थ्य संघ (जेएचएसए), आरडीए-सीआईपी और अन्य प्रतिष्ठानों के सदस्य रांची में मार्च भी निकाला.

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए सरकार कदम उठाए : आईएमए : आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशोकन ने कहा कि देश के हर कोने से अन्याय के खिलाफ डॉक्टर एकजुट होकर खड़े हैं. इमरजेंसी सेवाओं का ध्यान रखते हुए हर जगह डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं. हम सरकार से इस दिशा में कदम उठाने की उम्मीद करते हैं, क्योंकि यह सुरक्षा का एक बुनियादी सवाल है, विशेष कर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर. न केवल डॉक्टर, बल्कि देश की सभी महिलाओं की सुरक्षा का सवाल है. उन्होंने आगे कहा कि सरकार से हम उनसे मौलिक अधिकार मांग रहे हैं, जीवन का अधिकार. इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र लिखेंगे. अब उनके हस्तक्षेप का समय आ गया है.

अपराधी को सरकार फांसी की सजा दे : महिला डॉक्टर

रांची। कोलकाता में महिला रेजिडेंट चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में शनिवार को रांची के सभी निजी अस्पतालों ने डॉक्टरों ने सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों के साथ संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया. जेडीए, रिम्स, आईएमए, झासा, आरडीए, सीआईपी और एएचपीआई के सदस्य रिम्स परिसर से मार्च करते हुए आईएमए भवन पहुंचे और यहां प्रदर्शन किया. बता दें कि कोलकाता की घटना के बाद झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में भी चिकित्सकों का आंदोलन जारी है. डॉक्टरों का कहना है कि जिस प्रकार आज देश की बेटी दरिंदों का शिकार हो गयी, दोबारा किसी बेटी के साथ ऐसा कुछ ना हो. इसलिए राज्य भर के डॉक्टर ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अपराधी को फांसी देने की मांग कर रहे हैं. रिम्स में कार्यरत महिला डॉक्टरों ने कहा कि हम तमाम रांची के डॉक्टर बहुत दुखी है, क्योंकि कम उम्र की ट्रेनी महिला डॉक्टर, जो रात-दिन मरीज की सेवा में लगी रहती हैं. मगर उन्हें क्या मिलता है, दर्दनाक मौत. इस प्रकार की घटना से मन विचलित है. ऐसे दरिंदों को सरकार तुरंत फांसी की सजा दे.

रांची की सड़क पर तख्ती लेकर विरोध प्रदर्शन करतीं नर्सिंग स्टाफ.

- झारखंड में चिकित्सकों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं
- निजी अस्पतालों के डॉक्टरों का संयुक्त विरोध प्रदर्शन

स्वास्थ्य मंत्री बोले

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए समिति बनाएंगे

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव उपाय सुझाने के मद्देनजर एक समिति गठित की जाएगी. सरकार ने ये फैसला डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की बैठक के बाद लिया. स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि राज्य सरकारों सहित सभी हितधारकों के प्रतिनिधियों को समिति के साथ अपने सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा. मंत्रालय ने देशभर में आंदोलन कर रहे डॉक्टरों से अनुरोध किया है कि व्यापक जनहित को देखते हुए आप अपने काम पर लौट आएं.

हेमंत ने डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की

- सरकार आपकी वेदना में आपके साथ खड़ी है

- मरीजों को स्वस्थ बनाने में डॉक्टर सार्थक सहयोग दें

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यभर के डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की है. उन्होंने 'एक्स' कर पोस्ट कर कहा है कि बंगाल की घटना की जितनी भी निंदा की जाए, कम है. बंगाल सरकार और केंद्र सरकार की एजेंसियां दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रयत्नशील हैं. मुझे पूरी उम्मीद है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा. सीएम ने आगे लिख है कि राज्य के सभी डॉक्टरों से अपील करना चाहूंगा कि आपकी सरकार, आपकी वेदना में आपके साथ खड़ी है, परंतु राज्य के मरीजों का इलाज भी अत्यंत आवश्यक है. अतः आप काम पर लौटें और मरीजों को स्वस्थ बनाने में अपना सार्थक सहयोग दें.

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए डीजीपी को निर्देश : सीएम ने यह भी कहा है कि मैंने डीजीपी को राज्य के अस्पतालों में भी काम करने वाले सभी कर्मियों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने का निर्देश दिया है. बताते चलें कि राज्यभर के डॉक्टर शनिवार को पांचवें दिन भी हड़ताल पर रहे.

रांची सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने भी कार्य बहिष्कार किया

रांची। आईएमए के आह्वान पर देश भर के डॉक्टर 24 घंटे के लिए हड़ताल पर हैं. इसी कड़ी में रांची के सदर अस्पताल के भी सभी डॉक्टर शनिवार को कार्य बहिष्कार कर धरने पर बैठे रहे. डॉक्टरों ने कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ घटी जघन्य वारदात के सभी दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और त्वरित सुनवाई कर सख्त से सख्त सजा देने की मांग की. इसके साथ ही स्वास्थ्य संस्थानों को विशेष संरक्षित क्षेत्र घोषित करने, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को अत्याचार से बचाने के लिए केंद्रीय कानून बनाने और मेडिकल छात्रों और डॉक्टरों की सुरक्षा से संबंधित नियमों को लागू करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद को सशक्त बनाने की मांग की.

पाकुड़ में मंईयां सम्मान योजना का शुभारंभ आज

महिलाओं के बीच 4.90 करोड़ रुपये बांटेंगे सीएम

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को पाकुड़ में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का शुभारंभ करेंगे. कार्यक्रम गायबथान पंचायत के तिलका मांझी चौक स्थित आयोजन स्थल पर होगा. इस दौरान सीएम 16,937 लाभुकों के बीच करीब 121 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण करेंगे. इसमें मंईयां सम्मान योजना के तहत महिला लाभुकों के बीच कुल 4.90 करोड़ रुपये का वितरण किया जाएगा. हर महिला लाभुक के खाते में डीबीटी के माध्यम से एक हजार रुपये की सम्मान राशि हस्तांतरित की जाएगी.

201 योजनाओं शिलान्यास करेंगे सीएम : कार्यक्रम के दौरान सीएम हेमंत सोरेन पांच विभागों की 72 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से 201 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे. जिन योजनाओं का शिलान्यास होगा, उनमें ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल की 18 करोड़ 81 लाख रुपये लागत की 65 योजनाएं, ग्रामीण कार्य विभाग की 19 करोड़ 13 लाख रुपये लागत की 13 योजनाएं, लघु सिंचाई प्रमंडल की 9 करोड़ 54 लाख रुपये की लागत की 9 योजनाएं शामिल हैं. इसके अलावा सीएम झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड की 3.83 करोड़ की लागत की एक योजना और भवन प्रमंडल की 22.04 करोड़ लागत वाली 113 योजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे.

14 योजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा : मुख्यमंत्री 32 करोड़ 88 लाख रुपये की विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन विभागों की 32 करोड़ 87 लाख रुपये की 14 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे. इस दौरान वे ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल की 26 करोड़ 47 लाख रुपये की लागत की 6 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे. सिंचाई प्रमंडल की एक करोड़ 72 लाख रुपये की 5 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे. झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड की 2 करोड़ 36 लाख रुपये की एक योजना का उद्घाटन करेंगे. भवन प्रमंडल विभाग की 2 करोड़ 32 लाख रुपये की 2 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे.

- सीएम हेमंत पांच विभागों की 72 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से 201 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे.

16,937 लाभुकों के बीच 121 करोड़ की परिसंपत्तियों का वितरण किया जाएगा

सुल्तानगंज-अगुवानी पुल का हिस्सा गंगा में समाया

खगड़िया में निर्माणाधीन फोरलेन पुल का ध्वस्त स्ट्रक्चर.

लगातार न्यूज नेटवर्क। खगड़िया

सुल्तानगंज-अगुवानी फोरलेन पुल का सुपर स्ट्रक्चर शनिवार की सुबह ढह कर गंगा नदी में समा गया. दो साल के अंदर यह तीसरी घटना है, जब सुल्तानगंज को खगड़िया से जोड़ने वाले इस पुल का हिस्सा गिरा है. जानकारी के मुताबिक, खगड़िया के अगुवानी घाट की तरफ से पुल के पिलर नंबर नौ और 10 बे बीच का हिस्सा गंगा नदी में समा गया.

खगड़िया के डीएम अमित कुमार पांडेय ने बताया कि अगुवानी-सुल्तानगंज पुल का एक स्लैब शनिवार की सुबह करीब आठ बजे गिर गया. उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन पुल का पूरा ढांचा, जिसमें खामियां हैं, वहां निर्माण कार्य पहले ही रुका हुआ है. पटना हाईकोर्ट के निर्देश पर खामियों वाले ढांचे को ठेकेदार पर तोड़ने का काम चल रहा है. उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है. गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में बिहार में कई पुल ढह गए हैं, जिससे पुल के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं.

4 जून 2023 व 30 जून 2022 को भी गिरा था स्ट्रक्चर : एक साल पूर्व चार जून 2023 को भी उत्तर बिहार को पूर्वी बिहार से जोड़ने वाली सुल्तानगंज-अगुवानी पुल का सुपर स्ट्रक्चर नदी में गिर गया था. इस घटना में पुल पर ड्यूटी कर रहे दो गार्ड भी लापता हो गये थे. उस वक्त भी अगुवानी की तरफ से पुल का के पिलर नंबर 11 व 12 के बीच सुपर स्ट्रक्चर का करीब 200 मीटर का हिस्सा टूट कर नदी में समा गया था. इससे पहले भी 30 जून 2022 को तड़के करीब साढ़े तीन बजे सुल्तानगंज-अगुवानी फोरलेन पुल का सुपर स्ट्रक्चर ध्वस्त हुआ था.

निर्माण कंपनी एसपी सिंगला पर उठते रहे हैं सवाल : सुल्तानगंज-अगुवानी फोरलेन पुल का निर्माण एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किया जा रहा है. पटना में एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन द्वारा 80 फीसदी फ्लाईओवर का निर्माण किया गया है. हालांकि, इस कंपनी की कार्यशैली पर पूर्व से ही सवाल उठते रहे हैं.

खास बातें

- दो साल में तीसरी बार गिरा है फोरलेन पुल का स्ट्रक्चर
- कोई हताहत नहीं, हाईकोर्ट के आदेश पर बंद है काम
- पुल के खामियों वाले ढाचे को तोड़ने का चल रहा है काम

वे डोलत रस आपने उनके फाटत अंग

चंद्रमौली

विश्लेषण

इस बार स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से जो कुछ कहा, वह भाजपा के सहयोगियों के लिए विचारणीय है. प्रधानमंत्री का भाषण अकाडमिक भी था और उसमें पुराने भाषणों का दोहराव भी समाहित था. लेकिन जो नया था, वह देश की राजनीति के लिए उत्प्रेरक भी हो सकता है. उन्होंने कहा कि देश में सेक्युलर समान नागरिक संहिता (सीसीसी) लागू होनी चाहिए और वर्तमान कम्युनल सीसीसी खत्म होनी चाहिए. हालांकि देश में कोई समान नागरिक संहिता है ही नहीं. जो संहिता है, वह असमान यानी सभी धर्मों के लिए अलग-अलग. शायद इसीलिए वह कम्युनल है. ऐसा हो पाएगा या नहीं और होगा भी कैसे, यह तो मोदी और भाजपा वाले ही बता पायेंगे. लेकिन क्या इसके लिए नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, अनुप्रिया पटेल जैसे सहयोगी तैयार होंगे? नेताओं ने हमेशा उस सीसीसी का विरोध किया है, जिसे प्रधानमंत्री सेक्युलर बता रहे हैं और वह भी लाल किले से.

अब सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री यह तथ्य नहीं जानते हैं कि मुस्लिम मतों का सौदागर विपक्ष तो ऐसी किसी भी पहल का पुरजोर विरोध करेगा ही, एनडीए के घटक दल भी मुंह फुलाएंगे, उन्हें सब पता है. बावजूद इसके वह इस बाबत अपना संकल्प दोहरा रहे हैं, तो जाहिर है वह अपनी सरकार को खतरे में डालने की हद तक आगे बढ़ने को तैयार हैं. यदि इस मुद्दे पर सरकार गिर गई, क्योंकि भाजपा के पास अकेले स्पष्ट बहुमत नहीं है, तो मोदी शायद इसी मुद्दे पर मध्यावधि चुनाव में उतरने की योजना पर काम कर रहे होंगे. भाजपा के साथी दलों ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है, लेकिन मुस्लिम मतों की तिजारत से उन्हें भी गुरेज नहीं है.

याद कीजिये, एनडीए तब बना था जब भाजपा ने अपने महत्वपूर्ण मुद्दे राम मंदिर, धारा 370 और सीसीसी को ठंडे बस्ते में डालकर गंठबंधन के लिए हाथ बढ़ाया था. कभी अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बन पायी थी. तब लालकृष्ण आडवाणी ने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से कहा था कि वैचारिक प्रतिबद्धताओं की एक सीमा होती है. इसे छोड़े बगैर बहुमत जुटाना और सरकार बनाना असंभव है. जब संसद में विपक्ष ने प्रधानमंत्री वाजपेयी पर तंज कसते हुए कहा कि आपने अपने मुख्य मुद्दे छोड़ क्यों दिए, तब उन्होंने संसद में ही कह दिया कि हमने अपने मुद्दे छोड़े, क्योंकि हमारे पास बहुमत नहीं है. लेकिन आज बहुमत न होते हुए भी सीसीसी को मोदी सार्वजनिक रूप से उछाल रहे हैं, तो वह देश को बताना चाहते हैं कि हम अपनी प्रतिबद्धता नहीं छोड़ेंगे. वह शायद यह भी इंगीत कर रहे हैं कि यह नये जमाने की नयी भाजपा है, जो विपरित परिस्थिति में भी अपने मुद्दे नहीं छोड़ती है.

भाजपा अपने दो मुद्दे राम मंदिर और धारा 370 पूरे कर चुकी है. एक अदालत के आदेश से पूरा हुआ और दूसरा स्पष्ट बहुमत के कारण. लेकिन तीसरा मुद्दा इस तीसरे कार्यकाल में पूरा कैसे होगा ? इस सवाल के बावजूद मोदी यह संदेश दे रहे हैं कि उनके तीसरे कार्यकाल को भी निरंतरता में ही देखना चाहिए. यानी एनडीए सिर्फ मुखौटा है, असल में सरकार भाजपा की ही है. संभव है सीसीसी पर पेश होनेवाला विधेयक उसी प्रकार संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया जाए, जैसे वक्फ विधेयक को भेज दिया गया था और वह भी एनडीए के साथियों के सुझाव पर. विपक्ष इस पर उम्मीद लगाये बैठा था कि नीतीश, चंद्रबाबू, चिराग की पार्टियां विरोध करेंगी, लेकिन सबने संसद में समर्थन में दहाड़ा और विपक्ष के हाथों के तोते उड़ गये. - शेष पेज 11 पर

राज्यपाल ने कर्नाटक के सीएम के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी

सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलेगा

एमयूडीए घोटाला

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है. यह फैसला टीजे अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा की ओर से दायर तीन याचिकाओं पर आधारित है. कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 26 जुलाई को कारण बताओ नोटिस जारी किया था. उन्होंने मुख्यमंत्री को उन पर लगाए पर आरोपों पर जवाब देने और यह बताने के निर्देश दिए गए थे कि उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति क्यों नहीं दी जानी चाहिए?

निर्वाचित सरकार को हटाने की साजिश : सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एमयूडीए भूखंड आवंटन घोटाले के संबंध में राज्यपाल द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दिए जाने के बाद इस्तीफा देने से इनकार किया है. उन्होंने कहा कि मैंने ऐसा कोई गलत काम नहीं किया है, जिससे मुझे इस्तीफा देना पड़े. सिद्धारमैया ने ने कहा कि इस पर अदालत में सवाल उठाया जाएगा और कानूनी रूप से इसका सामना करेंगे. सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि राज्य की निर्वाचित सरकार को हटाने की एक बड़ी साजिश है.

क्या है मामला : सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को मैसूरू में प्रतिपूरक भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी उस भूमि की तुलना में अधिक था. इसे एमयूडीए द्वारा अधिग्रहण किया गया था. एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे. यह घोटाला 5,000 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है.

ब्रीफ खबरें

फूड इंस्पेक्टर ने लिए मिठाई के नमूने, हड़कंप

सतबरवा (पलामू)। सतबरवा के कई होटलों के मिठाई के नमूने फूड इंस्पेक्टर ने शुक्रवार को जब्त कर जांच के लिए लैब में भेंजा. इस दौरान सतबरवा पुलिस मौजूद रही. इन दिनों सतबरवा में मिलावटी व रेडिमेड मिठाईयों की भरमार हो गई है. साथ ही खराब हो चुके मिठाईयों को दुबारा बना कर ग्राहकों को बेच रहे हैं.फुड इंस्पेक्टर के द्वारा लिए गये मिठाई के नमूने के बाद सतबरवा के होटल मालिकों में हड़कंप मच गया. कई दुकानदार होटल में छापेमारी की बात सुनकर अपनी दुकान से मिठाई हटा दिये. फुड इंस्पेक्टर गुलाब लकड़ा ने कहा कि मिठाई के नमूने लिए गए,जिसे लैब में भेंजा जायेगा. जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जायेगी.

32 भैंसों से लदा कैंटेनर पुलिस ने किया जब्त

बरवाडीह (लातेहार)। जिले के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बरवाडीह थाना प्रभारी राधेश्याम कुमार के नेतृत्व में केचकी चेक नाका के समीप 32 भैंसो से लदा एक कंटेनर वाहन संख्या BR24GC8974 को जप्त कर थाना लाया गया. थाना प्रभारी राधेश्याम कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि बरवाडीह प्रखंड के पोखरी कला के अखरा से 32 भेसो से लदा कंटेनर को ले जाया जा रहा है. जिस पर कार्रवाई करते हुए केचकी चेक नाका के समीप कंटेनर को पकड़ा गया. पूछताछ के क्रम में पता चला कि यह कंटेनर बरवाडीह प्रखंड के अखरा से बिहार के बारुण ले जाया जा रहा था. सभी भैंसों को सुरक्षित थाना परिसर में रखा गया है. बरवाडीह थाने की पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है.

लातेहार में स्वास्थ्य सेवा पूरी तरह ठप रही, मरीज और परिजन दिनभर रहे परेशान

ट्रेनी डॉक्टर के साथ की गई हैवानियत का विरोध

संवाददाता।लातेहार।

कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और मर्डर की घटना के विरोध में शनिवार को जिले भर में स्वास्थ्य सेवा पूरी तरह ठप रही. सदर अस्पताल से लेकर प्रखंड के स्वास्थ्य केंद्रो के अलावा निजी अस्पताल मे भी ओपीडी सेवा बंद रही है. हालांकि इमरजेंसी सेवा बहाल थी. आईएमए के आह्वान पर उक्त आंदोलन किया गया है. मौके पर आईएमए के जिला अध्यक्ष डा एसपी शर्मा ने कहा कि गत 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी के दौरान महिला डॉक्टर के साथ अमानवीय व्यवहार कर उनकी नृशंस हत्या कर दी गई है.

विरोध-प्रदर्शन करते चिकित्सक.

इस घटना से पूरा चिकित्सा विभाग दुखी है. उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना के बाद स्वास्थ्य सेवा कर पाना चिकित्सकों के अलावा स्वास्थ्य कर्मियों में डर का माहौल बना हुआ है और हम अपनी सुरक्षा को लेकर भयभीत हैं. उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच उच्च अधिकारियों से करवाने की बात कही गई तब कोलकाता की राज्य सरकार ने दबंगो से मिलकर का हत्यारो का समर्थन किया जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है. सेवा निवृत सिविल सर्जन सह तापा लाइफ लाइन अस्पताल के संचालक डा सुरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार का अपराधियों को खुलेआम समर्थन मिल रहा है जो दुख और चिंता की बात है. उन्होंने कहा कि इस घटना ने स्वास्थ्य विभाग में दिन-रात काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है. जिले के चिकित्सकों ने इस घटना के विरोध मे काला बिल्ला कर काम किया था. मौके पर सिविल सर्जन डा अवधेश सिंह, डा श्रवण कुमार, डा शोभना टोप्पो, डा विवेक विद्यार्थी, वेद प्रकाश समेत कई स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे.

मझिआंव, कांडी बरडीहा स्वास्थ्य केंद्र में पूरे दिन ओपीडी बंद

मझिआंव। कोलकाता के एक मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में एक महिला डॉक्टर के साथ दुश्कर्म एवं बर्बरता पूर्वक हत्या किए जाने के विरोध में मझिआंव, कांडी बरडीहा स्वास्थ्य केंद्र में पूरे दिन ओपीडी बंद रहा. जबकि इमरजेंसी सेवा जारी रहा. इस दौरान अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर पम्पा विश्वास ने विभिन्न बीमारियों से ग्रसित 24 मरीजों का प्राथमिक उपचार किया. बताते चले की देशव्यापी हड़ताल का असर शनिवार को मझिआंव रेफरल अस्पताल में भी देखने को मिला. हड़ताल की वजह से अधिकांश जनरल मरीजों का इलाज नहीं हो सका. इधर मानवता के आधार पर डॉक्टर पंपा विश्वास ने लगभग दो दर्जन मरीजों का इलाज किया. स्थानीय कई डॉक्टरों ने बताया कि जब डॉक्टरों की कोई सुरक्षा गारंटी की योजना सरकार के पास नहीं है.

न्यूज अपडेट

नगर पंचायत ने चलाया ट्रेड लाइसेंस जांच अभियान

जांच अभियान में शामिल नगर पंचायत के लोग.

लातेहार। नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर नगर पंचायत क्षेत्र में विभिन्न व्यसायिक प्रतिष्ठानों में ट्रेड लाइसेंस जांच अभियान चलाया गया. नगर प्रबंधक राज कुमार वर्मा ने बताया कि इस अभियान में बाइपास चौक व करकट मुहल्ले के विभिन्न दुकानों में ट्रेड लाइसेंस की जांच की गयी. ट्रेड लाइसेंस नहीं मिलने पर कुल 15 हजार रुपये राजस्व की वसूली की गयी और ऐसे दुकानदारों को शीघ्र ट्रेड लाइसेंस बनवाने का निर्देश दिया गया. उन्होंने बताया कि शहर के बाइपास चौक में श्री लक्ष्मी नारायण मोबाइल दुकान, मां वैष्णवी देवी डिजिटल केंद्र, प्रेमचंद वर्कशॉप व कोलकाता सेलून आदि व्यवसायिक प्रतिष्ठन का ट्रेड लाइसेंस चेक किया गया.

नक्सलियों की सूचना देने पर मिलेगा 15 लाख रुपये तक इनाम

मेदिनीनगर। नक्सल विरोधी अभियान के तहत वांछित नक्सलियों के खिलाफ पलामू पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है. इस अभियान के तहत पुलिस ने कई कुख्यात और चिन्हित नक्सलियों का पोस्टर जारी किया है, जिन पर 15 लाख रुपये तक का इनाम घोषित किया गया है. इन नक्सलियों की जानकारी किसी भी व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराए जाने पर उसे उपरोक्त इनाम राशि प्रदान की जाएगी. इस संबंध में पलामू एसपी रिष्मा रमेशन ने बताया कि पलामू पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि यदि कहीं भी पोस्टर में जारी नक्सली दिखाई दें या इनके बारे में कोई भी सूचना प्राप्त हो, तो पलामू पुलिस के अधिकारियों के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर जानकारी दे सकते हैं. उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी और उसे सुरक्षा प्रदान की जाएगी. यह अभियान क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और हम इस मुहिम में आम जनता के सहयोग की अपेक्षा करते हैं.

गोविंद प्रसाद बने भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष

लातेहार। भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत अधिकारी सह भाजपा नेता गोविंद प्रसाद को ओबीसी मोर्चा, भाजपा का जिला अध्यक्ष बनाया गया है. शुभम संदेश से बातचीत करते हुए श्री प्रसाद ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेवारी दी है, उसका वे पूरी इमानदारी से निर्वहन करेगें. उन्होने इसके लिए पार्टी नेतृत्व व जिला अध्यक्ष पंकज सिंह के प्रति आभार प्रकट किया. भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि गोविंद प्रसाद को ओबीसी मोर्चा का जिला अध्यक्ष बनाये जाने से लातेहार में भाजपा मजबूत होगी.

शिक्षक संघ ने लिपिकों की हड़ताल का किया समर्थन

संवाददाता।लातेहार

माध्यमिक शिक्षक संघ ने लिपिक (शिक्षा संवर्ग) की हड़ताल का समर्थन किया है. माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र पांडेय के नेतृत्व में शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल धरना स्थल पर पहुंचा और लिपिकों की हड़ताल का समर्थन किया. बता दें कि बीते 14 अगस्त से झारखंड राज्य मुफस्सिल लिपिक मोर्चा के तत्वावधान में लातेहार जिला के लिपिक (शिक्षा संवर्ग) अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल में हैं. झारखंड राज्य के सभी लिपिकों का न्यूनतम ग्रेड पे-2400 रूपये करने, सभी विभागों के लिपिकों का एक समान सेवाशर्त और प्रोन्नति नियमावली लागू करने की मांग को लेकर लिपिकों का अनिश्चितकालीन धरना जारी है.

लिपिकों की हड़ताल का समथर्थन करने पहुंचे शिक्षक संघ के सदस्य.

लिपिकों की मांगों पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

लिपिकों ने कहा कि कहा कि सरकार लिपिकों की मांगों पर कोई ध्यान नहीं दे रही है. इससे लिपिकों में अंसतोष उत्पन्न हो रहा है. धरना में जिला अध्यक्ष कुमार गौरव, उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर प्रसाद, सचिव विजय कुमार, कोषाध्यक्ष रोहित कुमार, उज्जवल कुमार, शिव कुमार भगत, परमेश्वर कुमार, अजीत नारायण सिंह, अनरंजन ओड़िया, राजेंद्र राम, अरूण कुमार वर्मा, मिथिलेश सिंह, राहुल कुमार सिंह, संजय यादव, संजय उरांव, अविनाश केरकेटटा, अनिल कुमार यादव, सुनील खेस, रौशन दान मिंज, सीमा कंडुलना, प्रतिमा कुमारी, शाहिना परवीन, आसमा बीबी, उर्मिजा कुमारी, सीमा कुमारी व ज्योति कुमारी समेत कई लिपिक मौजूद रहे.

अभाविप ने दुष्कर्म के बाद लेडी डॉक्टर की हत्या के विरोध में किया प्रदर्शन

संवाददाता।मेदिनीनगर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जिला संयोजक नितीश दुबे की अध्यक्षता में पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के सरकारी अस्पताल की महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के विरोध में पोस्टर के माध्यम से विरोध प्रदर्शन किया. परिषद के कार्यकर्ताओं ने अपने प्रमंडलीय कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए छहमुहान चौक पर पोस्टर के माध्यम से विरोध दर्ज कराया. मौके पर जनता शिवरात्रि महाविद्यालय कॉलेज उपाध्यक्ष जिया कुमारी ने कहा कि एक महिला डॉक्टर के द्वारा इस तरह की घटना काफी दुर्भाग्यपूर्ण हैं दोषी को फांसी होनी चाहिए,बंगाल सरकार अगर छात्राओं एवं महिलाओं को सुरक्षा मुहैया करने में असमर्थ है तो ममता बनर्जी को अपने पद से त्यागपत्र दे देना चाहिए. प्रदर्शन में परिषद के विभाग संयोजक अभय वर्मा ने कहा की आरोपी को फांसी की सजा होनी चाहिए .इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामाशंकर पासवान,नगर मंत्री विपिन यादव,नगर सह मंत्री कौशल कुमार मिश्रा, जनता शिवरात्रि महाविद्यालय अध्यक्ष आकाश वर्मा, विक्की पांडे,कृष जायसवाल, आदर्श थापा, महिमा सिंह, खुशी दुबे, अभिषेक कुमार, सौरभ तिवारी, संजय कुमार शर्मा, सोनू दुबे आदि कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे.

धुरकी थाना प्रभारी ने किया रुद्राभिषेक

धुरकी। थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार ने थाना परिसर स्थित शिव मंदिर में अपनी पत्नी कंचन कुमारी एवं बच्चों के साथ रुद्राभिषेक कर क्षेत्र के सुख शांति की मनोकामना की. थाना प्रभारी ने रुद्राभिषेक कर क्षेत्रवासियों की सुख शांति की कामना की. बता दें कि थाना प्रभारी ने अपने निजी खर्च से थाना परिसर के शिव मंदिर की साफ सफाई, रंगाई पुताई कर मंदिर प्रांगण में टाइल्स लगावाया है. वे प्रतिदिन पुलिस कर्मियों के साथ खुद थाना परिसर की साफ सफाई करते हैं, जिससे थाना की सुंदरता कुछ अलग ही दिखती है. रुद्राभिषेक के अवसर पर संध्या में भजन कीर्तन भी किया गया.

विकास का पहिया अब रुकने वाला नहीं है : मिथिलेश

- 9 करोड़ रुपये की लागत से होगा सड़क का निर्माण

संवाददाता।गढ़वा

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में नौ करोड रुपए से अधिक की लागत से सड़क का निर्माण किया जाएगा. गढ़वा प्रखंड में एनएच 343 से बीरबंधा तक 10.25 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण नौ करोड़ 4 लाख 19 हजार नौ सौ रुपए की लागत से होगा. मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनने वाली इस सड़क की स्वीकृति झारखंड सरकार ने प्रदान कर दी है.जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि शीघ्र ही निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य प्रारंभ किया जाएगा. मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए यह अति महत्वपूर्ण योजना है. इस सड़क के निर्माण से एक दर्जन से अधिक गावों के ग्रामीणों को लाभ मिलेगा. इस सड़क की स्थिति काफी जर्जर थी. लंबे समय से क्षेत्र के लोग इस सड़क के निर्माण की मांग कर रहे थे. उन्होंने इस सड़क का बेहतर निर्माण करने का वादा किया था. वह वादा आज पूरा हो गया है. मंत्री ने कहा कि विकास विरोधी लोग चाहे जितनी भी ताकत लगा ले, यहां की जनता के आशीर्वाद से गढ़वा के विकास का पहिया रुकने वाला नहीं है. जनप्रतिनिधि को कार्य करने की यदि दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो विकास में कोई भी बाधा आड़े नहीं आ सकती है. गढ़वा की जनता को भी अपने क्षेत्र में विकास के लिए हमेशा साथ खड़ा रहना होगा. उन्होंने कहा कि गढ़वा के अधिकतम क्षेत्र में खस्ताहाल सड़कों की जगह बेहतर सड़क का निर्माण किया जा चुका है.

डीडीसी ने विकास योजनाओं का किया निरीक्षण

बरवाडीह (लातेहार)। उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह शनिवार को बरवाडीह प्रखंड के रुर्बन क्लस्टर के मंगरा पंचायत का दौरा कर कई योजनाओं का निरीक्षण किया. ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित मनरेगा, रुर्बन मिशन, बिरसा हरित ग्राम योजना, अबुआ आवास, जलछाजन आदि योजनाओं के लिए कर्मियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया. भ्रमण के दौरान उप विकास आयुक्त ने किसानों से योजना द्वारा होने वाले लाभ के बारे में जाना.

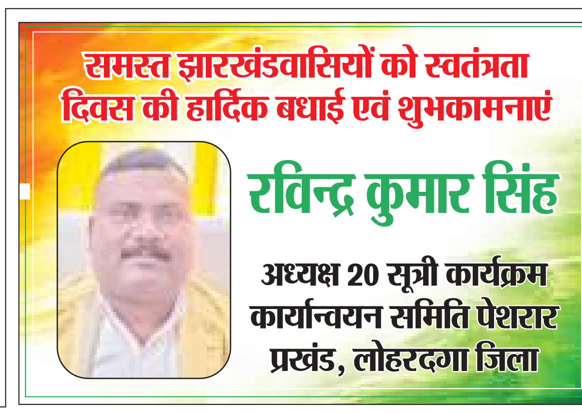

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, रविवार 18 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 130 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

असम के सीएम और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने गिरिडीह में स्व चौहान हेंब्रम की मां से मुलाकात की, मदद का भरोसा दिया

संवेदनहीन सरकार को केवल अपने वोट बैंक की चिंता : हिमंता

प्रमुख संवाददाता। गिरिडीह/रांची

असम के मुख्यमंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंत बिस्व सरमा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को गिरिडीह के बेंगाबाद स्थित झारखंड पुलिस के स्वर्गीय हवलदार चौहान हेंब्रम के घर परिजनों से मुलाकात की. हिमंता ने कहा कि यह सरकार आदिवासी विरोधी, संवेदनहीन और निरंकुश सरकार है, जिसे केवल वोट बैंक की चिंता है.

उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार अपराधियों का भी तुष्टिकरण करती है. गैंगरेप के आरोप में सजायाफ्ता अपराधी कैदी शाहिद अंसारी, जो इलाज के नाम पर हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में भर्ती था, उसने उसकी सुरक्षा में प्रतिनियुक्ति हवलदार चौहान हेंब्रम की नृशंस हत्या कर दी और फरार हो गया.

असम के सीएम बोले

- यह सरकार आदिवासी विरोधी संवेदनाहीन और निरंकुश
- **भाजपा ऐसी राजनीतिक सोच को उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित**

सब सरकार के इशारे पर हो रहा है : हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि दुर्दांत अपराधी सुरक्षाकर्मी की हत्या कर फरार हो जाए, यह राज्य की ध्वस्त विधि व्यवस्था को उजागर करता है. अपराधी आज तक गिरफ्तार नहीं हुआ. राज्य की पुलिस उसका संरक्षण कर रही है और यह सब सरकार के इशारे पर हो रहा है. आदिवासी मुख्यमंत्री का दंभ भरने वाले हेमंत सोरेन को आदिवासी हवलदार की हत्या विचलित, मर्माहत नहीं कर रही है, इसीलिए वे चैन की बंशी बजा रहे. भाजपा ऐसी राजनीतिक सोच को प्रदेश से उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित है.

गिरिडीह में स्व. चौहान के परिजन और ग्रामीणों से बात करते हिमंत बिस्व सरमा व बाबूलाल मरांडी.

हिमंत और बाबूलाल ने स्व चौहान हेंब्रम की मां व ग्रामीणों से जानकारी ली

भाजपा के दोनों नेताओं को बेंगाबाद पहुंचने के पहले प्रशासन ने स्व चौहान हेंब्रम की पत्नी और बच्चों को घर से अन्यत्र पहुंचा दिया. मिलने आए सास-ससुर को भी पुलिस ले गई. घर पर उनकी वृद्धा माता सहित ग्रामीणों से हिमंत बिस्व सरमा और बाबूलाल मरांडी ने मुलाकात की. घटना की विस्तृत जानकारी ली. घटना पर दुख व्यक्त करते हुए भाजपा नेताओं ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया.

हेमंत सरकार अपराध और अपराधी की संरक्षक : मरांडी

प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार अपराध और अपराधी दोनो की संरक्षक बन गई है. हेमंत सरकार में सर्वाधिक पीड़ित समाज आदिवासी ही है. इस राज्य में आम या खास, कोई सुरक्षित नहीं है. अपराधी सड़क पर, घर में, जेल में, अस्पताल में, कहीं भी अपराध को अंजाम देने में सफल हो रहे हैं. इसके पीछे एकमात्र कारण है अपराधियों को सरकार का संरक्षण है, हेमंत सरकार तुष्टिकरण की पराकाष्ठा कर रही है. यह सरकार पीड़ित परिवार से मिलने में भी रोक लगा रही है. पहले गोपीनाथपुर जाने से रोका और अब बेंगाबाद से परिजनों को ही हटा दिया. सास-ससुर तक को भी नहीं छोड़ा. केवल लाचार वृद्ध मां ही घर पर रहने को विवश हैं. पर सच ज्यादा समय तक छुपाया नहीं जा सकता. हेमंत सरकार की सच्चाई पूरी तरह प्रकट हो चुकी है. मरांडी ने मांग की कि दुर्दांत अपराधी शाहिद अंसारी की जल्द गिरफ्तारी हो और फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर फांसी की सजा दिलाई जाए.

चंपाई न तो मेरे और न ही पार्टी के संपर्क में

रांची। असम के सीएम सह झारखंड भाजपा के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंत बिस्व सरमा ने पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के भाजपा में जाने के कयासों पर विराम लगा दिया है. शनिवार को देवघर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि मैं चंपाई सोरेन के बारे में कोई लूज कमेंट नहीं करना चाहता. वे न तो मेरे संपर्क हैं और न ही पार्टी के संपर्क में. बताते चलें कि शुक्रवार को राजनीति के गलियारों में इस बात की चर्चा तेज हो गई थी कि चंपाई सोरेन झामुमो के केंद्रीय नेतृत्व से नाराज चल रहे हैं और वे भाजपा का दामन थाम सकते हैं. चर्चा यह भी थी कि पीएम मोदी के झारखंड दौरे के समय वे भाजपा का दाम थाम लेंगे. मीडिया से बातचीत में चंपाई सोरेन ने यह भी कहा था कि इंतजार कीजिए. फिर मीडिया कर्मियों ने पूछा था कि अप दिल्ली जा रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि मैं तो अपने समक्ष हूं.

- हिमंत ने चंपाई के भाजपा के शामिल होने के कयासों पर लगाया विराम, कहा-**मैं उनके बारे में कोई लूज कमेंट नहीं करना चाहता**

दुर्घटना में रांची के दो युवकों की मौत

दुर्घटनाग्रस्त कार.

रामगढ़। जिले के बासल थाना क्षेत्र स्थित गेगदा हरियाटी टोला में सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गयी. शुक्रवार देर रात घटित इस दुर्घटना में मरनेवाले दोनों युवक रांची के धुर्वा के रहने वाले थे. दुर्घटना में दो लोग घायल हो गये, जिनका रिम्स में इलाज चल रहा है. मृतकों में सोनू ओझा और भोला बिट्टू शामिल हैं. जानकारी के मुताबिक, बीती रात एक कार में सवार होकर चार लोग रामगढ़-पतरातू मार्ग होते हुए रांची आ रहे थे. इसी दौरान हरियाटी टोला के पास कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गयी. इस घटना में आगे बैठे दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी. जबकि पीछे बैठे दो युवक घायल हो गये.

- **दो युवक की हालत गंभीर, रिम्स में चल रहा इलाज**
- अनियंत्रित कार के पेड़ से टकराने से हुई दुर्घटना

सड़क हादसे में किशोर की मौत, दो गंभीर

चौपारण। सेल्हारा पंचायत के लराही रोड में शनिवार सुबह सड़क हादसे में एक किशोर की मौत हो गयी. वहीं दो अन्य नाबालिग घायल हो गए. दोनों को हजारीबाग रेफर कर दिया गया. मृतक बच्चे की पहचान भटबिगहा सागीर मियां के पुत्र आहिल आलम (10) के रूप में हुई. वहीं घायलों में गांव के समशुल मियां का पुत्र आफताब आलम (13) और अकबर मियां का नाती इबरान अंसारी (15) शामिल है. तीनों किशोर एक बाइक पर सवार होकर अपने गांव से सिंघरावा की ओर आ रहे थे. इसी बीच कारीपहाड़ी के पास तेज गति के कारण बाइक असंतुलित होकर सड़क किनारे डिवाइडर में टकरा गयी.

झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग को सौंपी ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा

जेबीवीएनएल पर 15261.77 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) का कर्ज 15261.77 करोड़ रुपये हो गया है. जेबीवीएनएल ने पीएफसी (पावर फाइनांश कॉरपोरेशन) से 302.63 करोड़, आरइसी से 1124.42 करोड़ और वर्ल्ड बैंक से 70 करोड़ रुपये का कर्ज लिया. इसके अलावा राज्य सरकार से 13764.71 करोड़ का कर्ज लिया है. इसके एवज में जेबीवीएनएल को 6000.73 करोड़ रुपये राजस्व की प्राप्ति हुई है. इसका खुलासा जेबीवीएनएल की ऑडिट रिपोर्ट में हुआ है. झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग को यह ऑडिट रिपोर्ट सौंपी है.

ट्रांसमिशन चार्ज पर कितना खर्च आएगा

- पीजीसीआइएल के ट्रांसमिशन लाइन से बिजली लेने पर 339.16 करोड़ रुपये खर्च होंगे.
- **पोस्को के ट्रांसमिशन लाइन से बिजली लेने पर 1.46 करोड़ रुपये खर्च होंगे.**
- झारखंड ऊर्जा संचरण निगम के ट्रांसमिशन लाइन से बिजली लेने पर 283.47 करोड़ रुपये खर्च होंगे.

जेबीवीएनएल को 6000.73 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई

- सिर्फ घरेलू उपभोक्ताओं से 4346.03 करोड़ रुपये चाहिए

वित्तीय वर्ष 2024-25 में कितना चाहिए राजस्व

उपभोक्ता	लक्षित राजस्व (करोड़ में)
रेलू	4346.03
कॉमर्शियल	721.86
एलटीआइएस	316.04
एसएस	45.18
सिंचाई	93.64
एचटीएस	2167.85
रेलवे	60.09
एमइएस	9.29

किस कोटि के उपभोक्ताओं से कितना राजस्व आया

उपभोक्ता	राजस्व प्राप्ति (करोड़ में)
घरेलू	3114.50
कॉमर्शियल	656.94
पब्लिक लाइटिंग	86.80
सिंचाई	41.71
इंडस्ट्रीयल एलटी	229.89
इंडस्ट्रीयल एचटी	1656.38
रेलवे	98.01
मीटर रेंट	6.57
व्हीलिंग चार्ज	167.57
कैपिटल वर्क	14.99
मिसलेनियस	2.18

वित्तीय वर्ष 2024-25 में कितनी बिजली खरीदी जाएगी

एमटीपीसी

पावर प्लांट	अनुमानित खर्च (करोड़ में)
फरक्का वन व टू	474.34
फरक्का थ्री	194.79
कहलगांव वन	71.042
तालचेर	190.57
कहलगांव टू	37.36
बाढ़ वन	152.72
बाढ़ टू	82.63
कोरबा	132.19
दारीपल्ली	384.24
नॉर्थ कर्णपुरा	496.70
नॉर्थ कर्णपुरा न्यू	156.85
कांटी	68.53
नबीनगर	123.53

एनएचपीसी

पावर प्लांट	अनुमानित खर्च (करोड़ में)
रंगीत	18.24
तीस्ता	87.67

पीटीसी

पावर प्लांट	अनुमानित खर्च (करोड़ में)
चुक्का	41.68
ताला	73.92
कुरीचू	0.20
मंगडेटू	32.73

डीवीसी

पावर प्लांट	अनुमानित खर्च (करोड़ में)
केटीपीएस	1888.89
स्टैंड बाई	53.97
एचटी प्वाइंट	1.28

टीवीएनएल

पावर प्लांट	अनुमानित खर्च (करोड़ में)
टीवीएनएल	778.35

आधुनिक

पावर प्लांट	अनुमानित खर्च (करोड़ में)
आधुनिक यूनिट वन	147.34
आधुनिक यूनिट टू	148.09

सोलर

पावर प्लांट	अनुमानित खर्च (करोड़ में)
सेकी वन	217.19
सेकी टू	10.81
स्टेट आइपीपी	37.50
पीटीसी	194.59
सेकी	71.97
इनलैंड पावर	226.29
सिकिदिरी हाइडल	30.57

एससी-एसटी मंच का 21 को भारत बंद का आह्वान

रांची। एससी-एसटी मंच ने 21 अगस्त को भारत बंद का आह्वान किया है. बंद को सफल बनाने की रणनीति बनाने के लिए शनिवार को मंच के सदस्यों ने प्रस क्लब में बैठक की. मंच के अध्यक्ष उपेंद्र रजक ने कहा कि एससी का आरक्षण आर्थिक रूप से नहीं दिया गया है, बल्कि आरक्षण सामाजिक रूप को देखकर दिया गया है. मौलिक अधिकार संविधान की आत्मा है, जिसे कोई बदल नहीं सकता है. अध्यक्ष ने कहा कि मंच सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक अगस्त 2024 को एससी -एसटी आरक्षण को लेकर जो निर्णय दिया गया है, उसे भारत सरकार संसद में संविधान संशोधन कानून बनाकर रद्द करे. सरकार देश भर में शीघ्र जातिगत जनगणना कराए.एससी -एसटी और ओबीसी के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित आरक्षण प्रतिशत के अधीन एक तिहाई से ज्यादा खाली पड़ी रिक्तियों को अविलंब भरा जाए.

एनआईए की जांच में अहम खुलासा

नक्सली प्रमोद मिश्रा के इशारे पर हुई थी नरेश भोक्ता की हत्या

- नक्सली नेता ने पुलिस के मुखबिरों को खत्म करने का निर्देश दिया था
- नक्सली प्रमोद मिश्रा व अनिल यादव के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

संवाददाता। रांची

एनआईए ने नरेश भोक्ता हत्याकांड में दो नक्सली नेता प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है. दोनों कुख्यात नक्सलियों के खिलाफ बिहार और झारखंड के विभिन्न थानों में आईपीसी, शस्त्र अधिनियम और यूए (पी) अधिनियम के तहत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं. एनआईए की जांच में पता चला है कि प्रमोद मिश्रा ने अन्य नक्सली कैडरों को पुलिस मुखबिर होने के संदेह में नरेश सिंह भोक्ता को मारने का निर्देश दिया था. उसने अंजनवा के जंगल में प्रतिबंधित माओवादी संगठन के जोनल कमांडरों, एसएसी और आरसीएम की बैठक बुलायी थी, जिसमें नरेश सिंह भोक्ता समेत विभिन्न एसपीओ को खत्म करने का निर्णय लिया गया था.

जन अदालत में पुलिस मुखबिरों को किया था चिह्नित : प्रतिबंधित माओवादी संगठन द्वारा बुलायी गयी कथित जन अदालत (जन सुनवाई) में भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेतृत्व और नक्सल कैडरों ने पुलिस मुखबिरों को चिह्नित किया था. इसके बाद दो नवंबर 2018 की रात को नरेश भोक्ता का अपहरण किया और फिर उसकी हत्या कर दी थी. नरेश भोक्ता का शव बिहार के औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र के बधाई बिगहा गांव के पास बरामद किया गया था. बता दें कि एनआईए ने 24 जून 2022 को इस मामले को बिहार पुलिस से अपने हाथ में लिया था.

आंदोलन हेमंत सरकार के खिलाफ कोड़ा दंपती ने 'घंटा बजाओ सरकार जगाओ' रैली निकाली

बेरोजगारों को न नौकरी दी और न ही भत्ता : मधु कोड़ा

- राज्य सरकार से नौकरी या बेरोजगारी भत्ता देने की मांग की
- **भाजपा कार्यकर्ताओं ने एसडीओ ऑफिस के समक्ष धरना दिया**

संवाददाता। किरीबुरु

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा एवं पूर्व सांसद गीता कोड़ा के नेतृत्व में नौकरी या बेरोजगारी भत्ता दो को लेकर 'घंटा बजाओ सरकार जगाओ' रैली शनिवार को जगन्नाथपुर में निकाली गई. विशाल रैली में शामिल कार्यकर्ताओं ने अनुमंडल कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया. इसके बाद कोड़ा दंपती के नेतृत्व में भाजपाइयों ने जगन्नाथपुर एसडीओ मुकेश मछुआ को ज्ञापन सौंपा.

आंदोलन में शामिल पूर्व सीएम मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा व अन्य.

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि झारखंड व पश्चिम सिंहभूम में बेरोजगारी व पलायन चरम पर है. झामुमो ने पिछले विधानसभा चुनाव में गांव-गांव जाकर बेरोजगारों को रोजगार देने, अन्यथा हर माह पांच-सात हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही थी. लेकिन हेमंत सोरेन सरकार ने बेरोजगारों को न तो नौकरी दी और न ही कोई भत्ता. आंदोलन में पूर्व सांसद गीता कोड़ा, भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मंगल सिंह गिलुवा, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष शंभू हाजरा, पूर्व जिलाध्यक्ष बिपिन पुरती, अजीत सिंह, नोवामुण्डी मंडल अध्यक्ष चन्द्रमोहन गोप, जगन्नाथपुर मंडल अध्यक्ष राई भूमिज, संजीव राय, सारंडा मंडल अध्यक्ष मधुसुदन तुबिड, श्याम गुप्ता, राजेश कोडा, धीरज सिंह, जीतु गुप्ता आदि सैकड़ों मौजूद थे.

मैंने सीएम रहते एक खदान को बंद रहने नहीं दिया : पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री रहते एक खदान को भी बंद रहने नहीं दिया, चाहे खदानों के पास पूरा कागजात हो या नहीं हो. हमारा उद्देश्य यह था कि खदान बंद होने से कोई बेरोजगार न हो. इस सरकार ने कुछ चल रही खदानों को भी बंद कर दिया, जबकि सारे बंद खदानों को खोल कर बेरोजगारों को रोजगार देना चाहिए था. युवा नौकरी के लिए परीक्षा देते हैं, लेकिन परीक्षा रद्द हो जाती है.

बेरोजगारों पर लाठियां बरसा रही है सरकार : गीता : पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन ने कहा था कि पांच लाख युवाओं को रोजगार देंगे, नहीं तो बेरोजगारी भत्ता देंगे. सरकार की इस घोषणा के बाद एक आशा व विश्वास लिये पूरे झारखंड के नियोजन कार्यालय में हजारों बेरोजगारों ने नाम दर्ज कराया था. लेकिन यह सरकार रोजगार अथवा भत्ता देना तो दूर, बेरोजगारों पर लाठियां बरसा रही है.

डीएवी स्कूल बरकाकाना की छात्राओं ने वीर सैनिकों को बांधी राखी

शनिवार को सैनिकों को राखी बांधती डीएवी स्कूल बरकाकाना की छात्राएं.

संवाददाता। रामगढ़

डीएवी पब्लिक स्कूल बरकाकाना में सावन के पवित्र महीने में पूर्णिमा तिथि को मनाए जाने वाले भाई-बहन के महत्वपूर्ण त्योहार रक्षाबंधन के अवसर पर विद्यालय की बच्चियों ने सिख रेजिमेंटल सेंटर व पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के वीर सैनिकों को राखी बांधने का काम किया. रक्षाबंधन का त्योहार हमें अपने रिश्तों की अहमियत और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी को समझाता है. डीएवी बरकाकाना परिवार ने वसुधैव कुटुंबकम की भावना से वशीभूत होकर पंजाब रेजिमेंटल सेंटर और सिख रेजिमेंटल सेंटर के जवानों को पहली बार राखी बांधने का निर्णय लिया. विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने इस अवसर पर राखी संग्रहण का काम किया. एकादश की जन्नत जारा, आकर्षण अदिप्ति, तान्या शर्मा, सोनम कुमारी, सृष्टि भारद्वाज, कुमकुम, श्रद्धा, पूर्णिमा, शिफा फरीदी, अनुष्का कुमारी, निहारिका, दीक्षा, रिया कुमारी, वर्ग नवम् की पदमा सहाय, श्रेया, आख्या, सत्या, अनुराधा, कोमल, पलक, आकांक्षा , समीक्षा वर्ग दशम की अक्षिता, जोह फारूक, अजरा, रक्षा, सोनाक्षी ने देश के जवानों को राखी बांधकर उन्हें देश की सुरक्षा के लिए सुरक्षित करने का महत्वपूर्ण काम किया. इस अवसर पर इस अवसर पर विद्यालय की ओर से राखी संग्रह करने वाले आयुष, पीयूष, आर्यन भी थे. इस अवसर पर जवानों ने इस अनूठी पहल पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह हम लोगों के लिए बहुत ही खुशी का बात है कि इस दूरदराज क्षेत्रों में हमारी सुध लेने वाला कोई है, बहनों के द्वारा बांधी गई इस राखी का सम्मान हम अवश्य रखेंगे. जवानों ने इस अवसर पर बच्चियों को अपनी सेना की ओर से मोमेंटो और आशीर्वाद दिया. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मोहम्मद मुस्तफा मजिद ने कहा कि जो देश की रक्षा करते हैं उनका सुरक्षित रहना बहुत ही जरूरी है. हमारे विद्यालय की बच्चियां उनकी रक्षा की कामना करती हैं साथ ही उन्हें राखी बांधकर देश के प्रति उनके समर्पण को और भी सुदृढ़ करने का प्रयास कर रही हैं.

खास बातें

- पंजाब और सिख रेजिमेंटल सेंटर पहुंचीं छात्राएं
- सेना की ओर से छात्राओं को मोमेंटो भी दिया गया

न्याय के लिए मार्च : रेप-मर्डर के दोषियों को फांसी देने की रखी मांग

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने निकाला न्याय मार्च

संवाददाता। हजारीबाग

कोलकाता दुष्कर्म-हत्या के विरोध में न्याय मार्च में शामिल विभावि के विद्यार्थी.

हजारीबाग विनोबा भावे विश्वविद्यालय में छात्र नेता अभिषेक राज के नेतृत्व में आरजी कर मेडिकल कॉलेज कोलकाता में हुए रेप और मर्डर के दोषियों को फांसी देने की मांग को लेकर एक व्यापक न्याय मार्च का आयोजन शनिवार को किया गया. इस मार्च में विश्वविद्यालय के सभी विभागों के हजारों छात्रों ने भाग लिया और महिला सुरक्षा को लेकर अपनी आवाज बुलंद की. मार्च की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर से हुई. इस दौरान छात्र नेता अभिषेक राज ने कहा, आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई यह भयावह घटना हमारी न्याय प्रणाली और समाज के मूल्यों पर सवाल खड़ा करती है. हम इस मामले में दोषियों को फांसी की सजा की मांग करते हैं ताकि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों. मार्च के दौरान सभी छात्राओं ने भी अपनी बात रखी और महिला सुरक्षा के मुद्दे को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की.

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हर महिला को समाज में सुरक्षित महसूस करना चाहिए और ऐसे अपराधों के दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए. एक छात्रा ने कहा, हम महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं. ऐसे अपराध हमारे समाज के लिए कलंक हैं, और हमें न्याय चाहिए. रिसर्च स्कॉलर पुष्कर कुमार पुष्प ने भी महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर विचार व्यक्त किए. उन्होंने कहा, आज के समाज में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध न केवल शर्मनाक हैं, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने को भी खंडित कर रहे हैं. हमें एक ऐसा समाज बनाना होगा जहां महिलाएं सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें. इसके लिए आवश्यक है कि दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिले और ऐसा उदाहरण स्थापित हो, जिससे अपराधियों को भविष्य में ऐसे जघन्य कार्य करने से पहले सोचना पड़े. महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हमारी सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी भी है। हमें महिलाओं के प्रति अपने दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना होगा और उन्हें समान अवसर और सुरक्षा प्रदान करनी होगी. इस अवसर पर छात्र नेता जीवन यादव ने भी अपनी बात रखते हुए कहा, यह समय है जब हम सब मिलकर महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में कदम उठाएं. हम इस न्याय मार्च के माध्यम से सरकार और न्यायपालिका से अनुरोध करते हैं कि वे इस मामले में दोषियों को कठोरतम सजा दें, ताकि समाज में एक संदेश जाए कि इस तरह के जघन्य अपराध बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे.

मार्च विश्वविद्यालय परिसर से शुरू होकर डिस्ट्रिक्ट मोड़, झील और मेडिकल कॉलेज होते हुए वापस विश्वविद्यालय परिसर में समाप्त हुआ. छात्रों ने मार्च के दौरान तख्तियों और बैनरों के साथ न्याय की मांग को लेकर नारे लगाए. उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसे अपराधों के दोषियों को बिना किसी देरी के न्यायिक प्रक्रिया के तहत फांसी की सजा मिलनी चाहिए.

चुनाव पास आते ही दावेदारी के लिए नेताओं में होड़

सेवा करने वाले को नहीं मिलेगा टिकट

संवाददाता। हजारीबाग

विधानसभा का चुनाव आते ही नेताओं में रुझान बढ़ते जा रहा है, कोई भाजपा का से चुनाव लड़ने की दवा कर रहा है तो कोई कांग्रेस पार्टी से जीत हासिल करने की बात कह रहा है, यहां तक की अब उम्मीदवारों में भी राजनीतिक खूब चल रही है ,और पार्टी के प्रत्याशी कहकर क्षेत्र में भरमन के अलावे वसूली भी की जा रही है, इसमें बड़ी-बड़ी कंपनी को पहले हवा दिया जा रहा है और चुनाव लड़ने के नाम पर मोटी रकम मांगी जा रही है,

दर असल या मामला हजारीबाग सदर विधानसभा का है यहां नेताजी बड़े-बड़े पार्टी का नाम लेकर वह खुद को प्रत्याशी समझ रहे हैं ,और दिल्ली से लेकर बड़े-बड़े दिग्गज की पहुंच बता रहे हैं ,ऐसे में एक पार्टी की बात करें तो दर्जन भर उम्मीदवार मिल जाएंगे, कुछ मीडिया के सुर्खियों में आने के लिए भी वह अपने आप को प्रत्याशी घोषित कर रहे हैं ,

जबकि सच्चाई है कि वह प्रत्याशी नहीं बल्कि पार्टी के नजर में आना चाहते हैं, यहां तक की अब वह जिले में चल रहे अवैध कारोबार के अलावे बड़ी-बड़ी कंपनियों को भी टारगेट कर रखा है और उससे विधानसभा में विधायक बनने के बाद सहयोग करने की बात कही जारही है वही जिला स्तरीय पार्टी के अधिकारी अपने-अपने पार्टी से उम्मीदवार की सूची मांग रहे हैं जबकि इसमें कई ऐसे उम्मीदवार हैं जिन्हें न राजनीति की कोई एबीसीडी पता है और ना ही इन्हें पंचायत प्रखंड और राज्य में कितने विधानसभा है इसकी कोई जानकारी है बस वह अपनी बेरोजगारी दूर कर सके इसके लिए पार्टी में ज्वाइन कर रखा है और अब ऊपर के अधिकारियों तक इसकी पहुंच हो इसके लिए वह विधानसभा का प्रत्याशी होने की बात कह रहे हैं,

इस संबंध में सदर विधानसभा के सरोज कुमार, सुनील राणा, मोहन यादव, शिल्पा कुमारी ने बताया कि क्षेत्र में जनता की सेवा के लिए गिने-चुने एक दो ही अलग-अलग पार्टी का नेता है इसके अलावा अन्य नेताजी वह हर काम के बदले पैसा मांगा करते हैं और अब चुनाव में हुआ उम्मीदवार होने की बात कह रहे हैं जबकि पार्टी के आला कमान को भी यह समझना होगा कि कौन उम्मीदवार जनता के लिए काम कर सकता है और कौन अपनी तिजोरी भरने के लिए आ रहा है आम लोगों ने यह भी कहा कि पहले जब चुनाव होता था तो पार्टी के लोग अपने-अपने क्षेत्र का सर्वे करते थे और आम जनता से पूछ कर टिकट देते थे लेकिन अब लोग सर्वे आम जनता से नहीं बल्कि उम्मीदवार के तिजोरी से करते हैं कौन कितना इनकम टैक्स खा रहा है और कौन अवैध कारोबार कर रहा है यहां तक की सर्वे में अब यह भी देखा जाता है कि कौन उम्मीदवार पार्टी हित के लिए मोटी रकम दे सकता है ऐसे में मोटी रकम देने वाले प्रत्याशी तो मिलेंगे पर वह जनता के हित के लिए काम नहीं बल्कि अपनी दी हुई रकम की वापसी के लिए काम करेंगे यहां तक की आज कई ऐसे नेताजी हैं जो इनकम टैक्स सेल टैक्स और आम जनता से ठगा हुआ रुपया पार्टी में देकर अपनी कद बढ़ाने के लिए चुनाव लड़ना चाह रहे हैं। और जनता के हित में दावा कर रहे हैं वह मीडिया के माध्यम से सुर्खियों में आना चाहते हैं अगर नेताजी में इतनी आम जनता के बीच पकड़ है तो फिर वह निर्दलीय से चुनाव लड़कर पार्टी को मुंहतोड़ जवाब क्यों नहीं देते क्योंकि ऐसा ही कुछ बरकट्ठा विधानसभा में 2020 की चुनाव देखी गई थी अमित यादव भाजपा के लिए काम कर रहे थे लेकिन उन्हें पार्टी टिकट नहीं दिया जिसके बाद वह निर्दलीय चुनाव लड़े और सभी बड़े-बड़े दिग्गज पार्टियों को चुनाव हराकर खुद विधायक बन गए

खास बातें

- उम्मीदवारी की खबरें फैला कर धाक जमा रहे नेता
- व्यवसायियों से वसूली भी करने में लग गए हैं कुछ नेता

कोलकाता में महिला चिकित्सक की हत्या के खिलाफ सड़क पर उतरे चिकित्सक

संवाददाता। हजारीबाग

कोलकाता में ट्रेनी महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में शनिवार को ओपीडी बंद कर शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज समेत जिले के होमियोपैथी चिकित्सकों ने ओपीडी कार्यों का बहिष्कार किया. इस दौरान चिकित्सक सड़क पर उतरकर हत्याकांड में संलिप्त दोषियों को अविलंब गिरफ्तार कर कार्रवाई की मांग की. चिकित्सकों ने कहा कि देश में स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों की सुरक्षा को लेकर सरकार को गंभीर होना चाहिए. आए दिन किसी न किसी चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों के साथ ऐसी घटनाएं होती रहती हैं. उन्होंने कहा कि महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद उनकी हत्या की घटना बेहद निंदनीय है. दोषियों को पकड़ कर कठोर सजा देने की हम मांग करते हैं. ओपीडी बंद रहने के कारण दूर-दराज से आए मरीज व उनके परिजन इधर-उधर भटकते नजर आए.

रामकिशोर सावंत ने 500 समर्थकों के साथ ली पार्टी की सदस्यता

लोजपा रामविलास 28 सीटों के लिए तैयार

संवाददाता। हजारीबाग

कार्यक्रम में शामिल लोजपा रामविलास के नेतागण.

हजारीबाग स्थानीय नगर भवन में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का मिलन समारोह का आयोजन किया गया. समाजसेवी एवं भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य ओबीसी मोर्चा सह चतरा जिला प्रभारी रामकिशोर सावंत द्वारा कार्यक्रम आयोजित हुआ. इसमें हजारों की संख्या में समर्थक पहुंचे. रामकिशोर सावंत अपने 500 लोगों के साथ लोक जनशक्ति पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान जेपी आंदोलन के एक सच्चे सिपाही थे और भ्रष्टाचार के खिलाफ उन्होंने इंदिरा गांधी के समय में जेपी आंदोलन में शामिल होकर सत्ता परिवर्तन करने का काम किया था. इसी नक्शे कदम पर उनके पुत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान चल रहे हैं. वे ईमानदार छवि के नेता हैं, जिससे प्रभावित होकर हम भाजपा छोड़कर लोग जनशक्ति पार्टी में सम्मिलित हुए हैं.

संत कोलंबस कॉलेज मोड़ से जिला अध्यक्ष दिलीप पासवान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा मोटरसाइकिल रैली के साथ प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान को नगर भवन हजारीबाग भव्य स्वागत के साथ लाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान, आईटी सेल के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक राय, प्रदेश प्रवक्ता उमेश तिवारी, प्रदेश सचिव जयश्री पासवान, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष संजीव द्विवेदी ,रामकिशोर सावंत, जिला अध्यक्ष दिलीप पासवान द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई. कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से गायक प्रवीण राठौर ने की. भीम आर्यन डांस ग्रुप के द्वारा शानदार प्रस्तुति की गई. गायिका प्रीति पांडे, बबलू सिन्हा , शशिकांत सिंह उर्फ चुन्नू , अमित गुप्ता ने अपनी गायकी से सबको झुमाया. मंच संचालन आर्ट एवं कलर ट्रस्ट के सचिव प्रदीप पाठक ने किया.

कार्यक्रम में पिंटू कुमार साव, चंदन कुमार, अखिलेश दास, मोहम्मद उस्मान, कृष्णासोनी, मोहम्मद नसीम, मोहम्मद आलम, मोहम्मद आजाद, मोहम्मद रफीक ,गुलाम जिलानी, जितेंद्र पासवान , राहुल राज, नरेश पांडे, पंकज कुमार, अवध कुमारविकास कुमार, विकास कुमार, विवेक मिश्रा, जागेश कुमार, गणेश मेहता, तुलसी पासवान, पुष्पा देवी, अनीता देवी, मीना देवी, तारा देवी ,शकुंतला देवी , पूनम देवी समेत सैकड़ों महिला-पुरुष इसे सफल बनाने में लगे हुए थे.

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के आवेदनों की दी जानकारी

रामगढ़। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत शनिवार को उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई. बैठक के दौरान जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ विनय कुमार द्वारा उप विकास आयुक्त, जिला परिषद अध्यक्ष सहित समिति के अन्य सदस्यों को जानकारी दी गई कि वर्तमान में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत प्रखंड स्तरीय समिति द्वारा बकरा विकास योजना के तहत 1003, सुकर विकास योजना के तहत 206, 400 बैकयार्ड लेयर कुक्कुट (लो इनपुट लेयर को कुक्कुट पालन) के तहत 113, 500 ब्रायलर कुक्कुट विकास योजना के तहत 209 व15 बत्तख चूजा वितरण योजना के तहत 826 आवेदन प्राप्त हुए हैं.

फगुनिया के प्यार में पहाड़ को चीर डाला : गणेश

- माउंटेन मैन दशरथ मांझी की पुण्यतिथि पर सेमिनार का हुआ आयोजन

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग सदर प्रखंड के चपवा गांव में भुईयां समाज की ओर से माउंटेन मैन दशरथ मांझी की पुण्यतिथि पर एक सेमिनार किया गया. सेमिनार की अध्यक्षता तपेश्वर राम और संचालन राजेश राम ने किया. इस अवसर पर सीपीएम नेता गणेश कुमार सीटू ने कहा कि गया जिले के गहलौर गांव के दशरथ मांझी की प्रेम कहानी एक मिसाल है. वह अपने हाथों से 22 वर्षों तक उस पहाड़ की चट्टानों को काटते रहे थे, जो उनकी पत्नी की मौत की वजह बनी थी. वर्ष 1960 से लेकर 1982 तक पहाड़ को पागलों की तरह छेनी और हथौड़ी से काट डाला था. 22 सालो में 25 फीट ऊंचा, 30 फीट चौड़ा और 360 मीटर लंबे पहाड़ को काटकर आम लोगों के लिए रास्ता बना दिया. इस रास्ते के बन जाने से गहलौर से वजीरगंज सहित कई गांवों के आवागमन के लिए 40 किलोमीटर की दूरी कम गई. इसे मोहब्बत का प्रतीक भी कहा जाता है. दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ मांझी बताते है कि उस वक्त दशरथ मांझी को लोग पागल कहते थे. वह सुबह होते ही छेनी हथौड़ी लेकर पहाड़ को काटने चले जाते थे. सेमिनार में धनेश्वर जी अजय राम विजय राम प्रदीप राम, बाली भुईयां, मीना देवी, इंदुवा देवी, लिलो देवी, नीलम देवी, किरण देवी, पिंकी देवी, रीना देवी सहित भुईयां समाज के कई लोगों ने भाग लिया.

78 वें स्वतंत्रता दिवस की जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनायें
-:निवेदक:-
जय अम्बे ट्रांसपोर्ट कंपनी
मगध, बालूमाथ (लातेहार).

78 वें स्वतंत्रता दिवस की जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनायें
-:निवेदक:-
परियोजना पदाधिकारी
तेतारियाखाड़, बालूमाथ (लातेहार).

78 वें स्वतंत्रता दिवस की जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनायें
-:निवेदक:-

रूबी बानो
प्रिंसिपल ,उच्च विद्यालय बालूमाथ (लातेहार).

78 वें स्वतंत्रता दिवस की जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनायें
-:निवेदक:-
तृप्ति विजया कुजूर
अंचल अधिकारी
बालूमाथ (लातेहार)

78 वें स्वतंत्रता दिवस की जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनायें
-:निवेदक:-

औरंगजेब खान
युवा प्रखंड अध्यक्ष, झामुमो
बालूमाथ, लातेहार

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
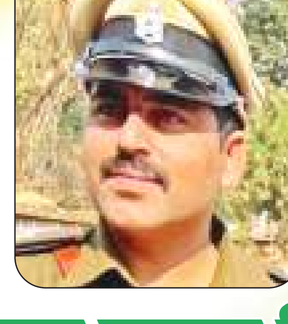
दीपक कुमार सिंह
चौपारण थाना प्रभारी

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
नारायण सेवा सदन
गोमिया रोड, विष्णुगढ़

ब्रीफ खबरें

गढ़वा में जायन्ट्स ग्रुप ने की शोक सभा

गढ़वा। जायन्ट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा के पूर्व प्रशासनिक निदेशक मनोज केशरी की माता इन्द्रावती देवी के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया. इस दौरान दो मिनट का मौन रख कर मृतका की आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की गई. शोक सभा के पश्चात सदस्यों ने पीड़ित परिवार से मिल कर परिजनों का ढांढस बंधाया. मौके पर जायन्ट्स अध्यक्ष कमलेश गुप्ता, जायन्ट्स वेलफेयर फ़ेडरेशन 8 के पूर्व अध्यक्ष विनोद कमलापुरी, जायन्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन के स्पेशल कमेटी के पूर्व सदस्य विजय केशरी, फेडरेशन 8 के उपाध्यक्ष मनोज केशरी आदि शामिल थे.

जेल अदालत सह कानूनी जागरूकता शिविर लगा

गढ़वा। माननीय उच्च न्यायालय झालसा रांची के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा अध्यक्ष राजेश शरण सिंह के आदेश पर स्वतंत्रता दिवस पर जेल अदालत सह कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा सचिव ने नए कानून की जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार से मिलने वाले सभी लाभों से अवगत कराया. साथ ही सभी बंदियों से रू-ब-रू हुए .

गढ़देवी मंदिर के समीप गंगा आरती का आयोजन

गढ़वा। आदिशक्ति मां गढ़देवी द्वार के लोकार्पण के मौके पर शुक्रवार की संध्या गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने गंगा आरती का आयोजन किया. काशी से आए विद्वानों ने काफ़ी बेहतर ढंग से गंगा आरती की प्रस्तुति की. इस गंगा आरती में मंत्री श्री ठाकुर पूरे परिवार के साथ शामिल हुए. मंत्री श्री ठाकुर ने पूजा अर्चना कर गंगा आरती की शुरुआत की. मां गढ़देवी मंदिर के मुख्य गेट तोरण द्वार के समीप गंगा आरती का आयोजन किया गया. आरती के दौरान मौजूद सभी श्रद्धालुगण भक्ति भाव में सराबोर रहे.

नियमित परिश्रम करने से बुलंदी अवश्य मिलती है : दिलीप टोप्पो

अनुशासन ही सफलता की असली कुंजी है : एसडीपीओ

संवाददाता। लोहरदगा

फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में मौजूद एसडीपीओ व दिलीप टोप्पो.

जिले के लूथरन मैदान में लायसा लूथरन यूथ इन सोशल एक्शन के तत्वावधान में 50वां दो दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता का संपन्न हुआ. फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व डीसी सह कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो थे. फाइनल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीपीओ और विशिष्ट अतिथि पूर्व उपायुक्त व अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया. प्रतियोगिता में कुल 56 टीमों ने भाग लिया था. जिसमें 32 टीमों का चयन करते हुए प्रतियोगिता कराया गया. फाइनल फुटबॉल मैच ब्लू स्टार जुरिया एवं जीटीएफसी लोहरदगा के बीच खेला गया. जिसमें जीटीएफसी लोहरदगा को परास्त करते हुए ब्लू स्टार जुरिया ने खिमाब पर अपना कब्जा जमाया. विजेता ब्लू स्टार जुरिया, उप विजेता जीटीएफसी लोहरदगा, तृतीय स्थान पर आदिवासी स्टाइल व चतुर्थ स्थान पर रातू रांची रही. सभी विजेता टीम के खिलाड़ियों को अतिथियों ने नकद पुरस्कार दिया. मुख्य अतिथि एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा ने कहा कि इस तरह के आयोजन काबिले-तारीफ है. उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खेल के माध्यम से रोजगार प्राप्ति पर भी ध्यान देना चाहिए. विशिष्ट अतिथि पूर्व उपायुक्त सह कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो ने कहा कि खेल से खिलाड़ियों के बेहतर करियर का निर्माण होता है. उन्होंने कहा कि नियमित परिश्रम करने से सफलता अवश्य मिलती है. कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो ने कहा कि खिलाड़ी अनुशासित तरीके से प्रदर्शन करें तो निश्चित रूप से एक दिन बुलंदी पर पहुंच सकते हैं. प्रतियोगिता को सफल बनाने में आयोजन समिति के सजीत लकड़ा, सचिव जीवन मिंज, सह सचिव एलन एलोईस एक्का अंतराष्ट्रीय फुटबॉल रेफरी सोमा उरांव ,पहियास टोप्पो, जॉन्सन मिंज, प्रभात भगत, शमशेर आलम, ताजुद्दीन अंसारी, साजिद आलम, नजरूल हसन उर्फ सोनू, जसीम अंसारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

जमकर हुई आतिशबाजी, बांटी गईं मिठाइयां

कांग्रेसियों ने नए प्रदेश अध्यक्ष व विधायक दल के नेता को दी बधाई

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा कांग्रेस कार्यालय में जश्न मनाते पार्टी के कार्यकर्ता.

जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में बधाई एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया. झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई. अभिनंदन समारोह में जिलाध्यक्ष ने पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं लोहरदगा वासियों के लिए हर्ष एवं गौरवपूर्ण बात है . पूर्व विधायक केशव महतो कमलेश के रूप में एक नया प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी को मिला है, इसके साथ ही स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को पार्टी शीर्ष नेतृत्व ने कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाया है. इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में काफी जोश उमंग है और आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को विशेष बल मिलेगा.इससे पहले भी डॉ रामेश्वर उरांव 2019 में प्रदेश अध्यक्ष बने थे, तब पार्टी बेहतर प्रदर्शन कर गठबंधन सरकार बनाने में सफल हुई थी.जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने झारखंड कांग्रेस को एक नया प्रदेश अध्यक्ष दिया है और लोहरदगा जिला कांग्रेस के लिए सौभाग्य की बात है कि स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को विधायक दल का नेता बनाया गया है,नए नेतृत्व से कांग्रेस पार्टी राज्य में और भी बेहतर प्रदर्शन करेगी. मौके पर मोजम्मिल अंसारी, हाजी सिकंदर अंसारी, विशाल डुंगडुंग, सीमा परवीन, जुगल भगत, विनोद खेरवार, संजय नायक, रौनक इकबाल, अरशद अयुब, असलम अंसारी, युनुस अंसारी, उल्फत अंसारी, मुनीम अंसारी, अमृता भगत, दुर्गा उरांव, कैश आलम, आफताब अंसारी, फारुख हुसैन, निश्चय वर्मा, कुणाल कुमार, अनिमा कुजूर, मोहसिन अंसारी, जमील अंसारी, जमील अंसारी, मुनिया उरांव, इकबाल अहमद, नारायण उरांव, प्रकाश भगत, सेराज अंसारी, शोएब अख्तर, असरफ अंसारी, अमन अंसारी, अल्ताफ अंसारी आदि उपस्थित थे.

विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी लोकहित पार्टीः पवन

लोहरदगा। लोकहित अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष कयूम अंसारी की अध्यक्षता में कचहरी मोड़ स्थित कुटमू रोड पर जिला कार्यालय में विचार-गोष्ठी सह जिला समिति विस्तार हेतु बैठक सम्पन्न हुई. मौके पर एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन तिग्गा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह लोहरदगा जिला प्रभारी रामचंद्र भगत, प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह गुमला जिला प्रभारी मुकेश कुमार सिंह समेत कई लोग उपस्थित रहे. यहां पर सर्वसम्मति से लोहरदगा जिला कार्य समिति का विस्तार किया गया. जिसमें कार्यकारी अध्यक्ष सुकरू उरांव,जिला महासचिव बजरंग साहू, जिला उपाध्यक्ष , मोईन अंसारी, सुरेश साहू, ,जिला सचिव आसिफ राजा, जिला कोषाध्यक्ष सदाम अंसारी, जिला मीडिया प्रभारी करमीला यादव, कार्यकारिणी सदस्य खुर्शीद अंसारी, नेसार अंसारी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष मोहम्मद फिरोज अंसारी, अल्पसंख्यक युवा गुलशाद अशरफ, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष एस्थेर लकड़ा, उपाध्यक्ष पूजा देवी, जिला सचिव सरस्वती साहू, आदिवासी मोर्चा जिला अध्यक्ष शशि नंद भगत, कला मान्य अध्यक्ष नासिर अंसारी आदि शामिल थे.

न्यूज अपडेट

सफलता पाने के लिए एकाग्रता जरूरीःथाना प्रभारी

कुड़ू थानेदार ने ताइक्वांडो खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया.

कुड़ू/लोहरदगा। महाराष्ट्र में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे खिलाड़ी पंकज उरांव और राहुल कुमार राम ने ताइक्वांडो कोच अरविंद कुमार यादव के नेतृत्व में कुड़ू थाना प्रभारी कुलदीप राज टोप्पो से मुलाकात कर मार्गदर्शन लिया.बता दें उक्त प्रतियोगिता 18 अगस्त से 20 अगस्त तक रिजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स औरंगाबाद महाराष्ट्र में आयोजित किया जाएगा. इस मौके पर थाना प्रभारी कुलदीप राज टोप्पो ने खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए एकाग्रता तथा कड़ी मेहनत बहुत ही जरूरी है. साथ ही कई अन्य आवश्यक टिप्स भी दिए. इस अवसर पर पत्रकारों ने भी खिलाडियों को शुभकामनाएं दिया. इस अवसर पर ताइक्वांडो कोच अरविंद कुमार यादव, दीपक गोप, प्रिंस दुबे सहित अन्य मौजूद थे.

डॉ रामेश्वर के कारण लोहरदगा का विकास हुआ हैः एनुल

कुड़ू लोहरदगा। कुड़ू प्रखंड के उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने लोहरदगा विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुने जाने पर हर्ष व्यक्त किया. कहा डॉ रामेश्वर उरांव को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाए जाने से समस्त प्रदेश में कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिलेगी. उन्होंने कहा कि लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने विकास की गंगा बहा रखे हैं. उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने कहा कि डॉ रामेश्वर उरांव के कुशल नेतृत्व से आज लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में सर्वधर्म का शत-प्रतिशत विकास हुआ है. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अखड़ा की शोभा बढाए जाने के उद्देश्य से उन्होंने लाइट की व्यवस्था और आदिवासी समुदाय को अपनी संस्कृति को जीवंत रखने हेतु वाद्य-यंत्र वितरण कर काफी प्रशंसनीय कार्य कर दिखाया है. उन्होंने कहा कि विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने अपने चुनावी दौरा में किए गए तमाम वादे पर शत-प्रतिशत खरा उतरने का कार्य कर दिखाया है. लोग उनके द्वारा कराए जा रहे कार्यों से काफी लाभ प्राप्त कर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं.

एसएसवीएम सलगी में धूमधाम से मना रक्षाबंधन

कुड़ू/लोहरदगा। जिले के कुड़ू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सुदूरवर्ती क्षेत्र में स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सलगी में भाई बहन का पवित्र त्योहार रक्षा-बंधन धूम-धाम से मनाया गया. इस बीच बहनों ने भाईयों के कलाई में रक्षा सूत्र बांधते हुए अपने रक्षा का वचन लिया. यहां पर भाईयों ने भी अपनी बहनों को पूरे हौसला के साथ रक्षा का वचन दिया. मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोहर साहू ने भैया बहनों को रक्षाबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बताया कि महाभारत काल से ही रक्षा बंधन मनाया जा रहा है. महाभारत के समय एक बार भगवान कृष्ण की अंगुली में चोट लग गई थी और उसमें से खून बहने लगा था. ये देखकर द्रौपदी ने आंचल का पल्लू फाड़कर उनकी कटी अंगुली में बांध दिया. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन से रक्षासूत्र या राखी बांधने की परंपरा शुरू हुई. राखी सिर्फ़ एक धागा नहीं है बल्कि स्नेह,विश्वास और साझा किए गए वादों का प्रतीक है. रक्षाबंधन के दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनकी सुरक्षा और खुशी की कामना करती हैं. भाइयों को भी अपनी बहनों की सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी लेनी चाहिए. रक्षाबंधन का त्योहार हमें रिश्तों की महत्ता को सिखाता है. यह त्योहार हमें प्यार, सम्मान और देख-भाल के महत्व को समझाता है. हम सभी शिशु मंदिर में भी आपस मे भाई बहन की तरह रहते हैं . भेदभाव को भुलाकर सभी एक दूसरे का सहयोग करते हैं. उन्होंने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी. मौके पर विद्यालय के सभी आचार्य आचार्या उपस्थित थे.

सूर्य सिंह बेसरा आज कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोशः अनिल

संवाददाता। लोहरदगा

झारखंड आंदोलनकारी पूर्व विधायक और झापीपु के केंद्रीय अध्यक्ष सूर्य सिंह बेसरा पार्टी के अन्य केन्द्रीय पदाधिकारी कार्यक्रम में आज लोहरदगा आएंगे. पार्टी का कार्यक्रम लोहरदगा ब्लॉक स्थित अवंतिका भवन टाउन हॉल में सुबह 11:00 बजे से आयोजित किया गया है. कार्यक्रम में हजारों की संख्या में कुड़ू, कैरो, भंडरा, किस्को, पेशरार लोहरदगा प्रखण्ड एवं नगरपालिका क्षेत्र के पार्टी के कार्यकर्ता एवं समर्थक भाग लेंगे. यह जानकारी झारखंड आंदोलनकारी पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी अनिल टाना भगत ने दी.

शिक्षित व्यक्ति ही देश को कुछ दे सकते हैंःमुस्तरी

संवाददाता। भंडरा/लोहरदगा

शिक्षा समाज का दर्पण है, शिक्षित व्यक्ति ही समाज व देश को कुछ दे सकता है. इसलिए सबों के लिए शिक्षा जरूरी है. उक्त बातें एजुकेशनल पब्लिक स्कूल के प्रधानाध्यापिका मुस्तरी खातून ने शनिवार को एजुकेशनल पब्लिक स्कूल भंडरा विद्यालय के पैरेंट्स मीटिंग कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहीं. उन्होंने विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था व अनुशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस विद्यालय के बच्चे अवश्य शिक्षा के क्षेत्र में नाम रौशन करेंगे. प्रधानाध्यापिका मुस्तरी खातून ने कहा कि विद्या, विनय देती है और विनय से पात्रता आती है, विद्या तथा पात्रता से धन, धर्म व सुख की वृद्धि होती है. इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षिका आशिया मैम, माही मैम, सबीहा मैम ने विद्यालय की उपलब्धियों व विधि व्यवस्था पर विस्तार से प्रकाश डाला.

78 वें स्वतंत्रता दिवस की जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

-:निवेदक:-
मुकेश कुमार भास्कर
निदेशक लातेहार पब्लिक स्कूल, लातेहार

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

-:निवेदक:-
मुनेश्वर उरांव
जिला अध्यक्ष, कांग्रेस कमिटि, लातेहार

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
विजय कुमार
उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसरिया केरेडारी प्रधानाध्यापक

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मनोज शिशु निकेत विद्यालय पगार
निवेदक
राजीव कुमार मिश्रा
प्रधानाध्यापक

78 वें स्वतंत्रता दिवस की जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

कामेश्वर राम
उप प्रमुख बालूमाथ (लातेहार).

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

-:निवेदक:-
आशुतोष कुमार सत्यम
एसडीपीओ, बालूमाथ (लातेहार)

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
सुनील साव
अध्यक्ष द्वारिका साव्
किसान बेरोजगार विस्थापित प्रभावित कल्याण समिति पेटो

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
नारायण यादव
मण्डल अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा केरेडारी

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
अजीत कुमार
केरेडारी थाना प्रभारी

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
सुदीपा कुमारी
वार्डन सह शिक्षिका, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय केरेडारी

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सोमा उरांव
प्रखंड विकास पदाधिकारी, बालूमाथ (लातेहार).

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

-:निवेदक:-
चेतलाल रामदास
भावी प्रत्याशी, लातेहार विधानसभा क्षेत्र सह प्रदेश सह कोषाध्यक्ष, भाजपा अजा मोर्चा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
सुनीता देवी
प्रखंड प्रमुख केरेडारी

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
अमित कुमार
प्रखंड विकास पदाधिकारी केरेडारी

सबसे ऊपर देश हमारा जन जन का विश्वास चाहिए!

कविता कलम
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जन -गण-मन में देशभक्ति गहराने लगी तो महानगरों से लेकर गांवों तक तिरंगा के रूप में राष्ट्रीय पताका लहराने लगी. हजारों वीर सपूतों के बलिदानों की कीमत पर देश में आजादी के रूप में नया विहान हुआ. स्थान-स्थान पर राष्ट्र के सम्मान में रंगारंग कार्यक्रमों के आयोजन हुए. कवियों के हृदय से देशभक्ति की रचनाएं फूट पड़ीं. संगीतकारों की वीणा के तार तरंगित होने लगे तो मृदंग की ताल भी उसमें घुलमिल कर समां बांधने लगी. गायकों ने अपने मधुर स्वर में गीत समर्पित किये उसी महान तिथि पर देशभर में स्वाधीनता का सम्मान हुआ. वर्ष में एक बार स्वाधीनता दिवस मना लेना, तिरंगा को ऊंचे नभ में फहरा लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्वाधीनता दिवस के बाद से लेकर अगले स्वाधीनता दिवस तक प्रतिदिन देश के हर नागरिक के मन-मस्तिष्क में नागरिकता का बोध होना चाहिए, जो देश की सर्वांगीण प्रगति के मार्ग प्रशस्त हो सकें. हर नागरिक को स्वाधीनता और स्वच्छंदता में अंतर समझना होगा. स्वाधीनता कहती है-अपने अधीन रहो. अपने अधीन रहने का आशय है स्वयं पर स्वयं ही शासन करो. मन बहकने लगे तो उसपर विवेक का अंकुश लगा कर उसे रोक लो और उसे समाज और राष्ट्र के नियमों, कानूनों, बंधनों को सम्मान देने की प्रेरणा दो. स्वयं को स्वच्छंद न समझो, क्योंकि स्वच्छंद का आशय होता है बंधनमुक्त. स्वयं को बंधनमुक्त समझनेवाला कभी नियमों और कानूनों के बंधन को सम्मान नहीं दे पाता और समाज में अराजकता का प्रसार होता है, जिसे हम गाहे-ब-गाहे महसूस करते रहते हैं और कई बार विवश भी हो जाते हैं. कुछ ऐसा ही संदेश दे रहे हैं

दुमका निवासी कवि **शंभुनाथ मिस्त्री**. इनकी कविता का शीर्षक है-आजादी.

आजादी ने यही दिया क्या हम जिसको जो चाहे कह लें,
और आततायी की साजिश आंख मूंद चुपके से सह लें.
छोटा सा पिस्सू भी अपना डंक चुभाना नहीं छोड़ता,
करता है संघर्ष शक्ति भर निर्णय तक मुख नहीं मोड़ता.
हम न आततायी को आगे कभी सहकने दे सकते हैं,
जो विध्वंसक हैं उनको हम नहीं बहकने दे सकते हैं.
आजादी को वचन चाहिए, और हमें देना ही होगा,
देश और संस्कृति की रक्षा का व्रत अब लेना ही होगा.
भारतमाता के सपूत अब निद्रा त्यागो उठो जाग कर,
घर में दुश्मन पनप रहे जो उन्हें फेंक दो ज्वलित आग पर.
उग आये जो झाड़ विषैला धरती का अभिशाप लग रहे,
आजादी कह रही मिटा दो माथे चढ़ता पाप लग रहे.
आजादी का मानदण्ड है सब समान हित के हैं भागी,
स्वत्व सभी का हो समान सब मातृभूमि के हों अनुरागी.
जो दरिंदगी फैल रही है अब बर्दाश्त नहीं हो पाता,
इसे मिटाना है समूल अब चीख रही है धरती माता.
कौन आज खतरा बन बैठा आजादी को चोट दे रहा,
उठे बवंडर रोज कहीं पर किससे क्या संदेश ले रहा.
आजादी को आज हमें फिर नये सिरे से गढ़ना होगा,
मिट्टी के कँकरीले पन को दूर हटाकर बढ़ना होगा.
अब स्वदेश की हर नारी को सम अधिकार रहेगा मिलकर,
पेड़ एक तो हर डाली का फूल, समान, रहेगा खिलकर.
सबसे ऊपर देश हमारा जन जन का विश्वास चाहिए,
आजादी कह रही देश के गद्दारों का नाश चाहिए.

शम्भुनाथ जी प्रदेश के वरिष्ठ कवि हैं. चूंकि लंबी अवधि तक ये शिक्षक के रूप में नन्हे-मुन्नों के व्यक्तित्व गढ़ते रहे हैं, इसलिए इनकी रचनाओं के एक-एक शब्द में एक शिक्षक बोलता महसूस होता है. कवि शम्भुनाथ द्वारा दिये गये संदेश राष्ट्रहित से ओतप्रोत हैं. उन्हें हृदयंगम किया जाना चाहिए. इनके संदेश का प्रमुख भाग यह है कि स्वाधीनता का अर्थ यह नहीं कि हम मनमानी करें और किसी दूसरे की परवाह ही न करें. बल्कि हमें स्वयं से अधिक अन्य लोगों के लिए चिंता करनी चाहिए. जब आसपास के सभी लोग सुखी और संपन्न होंगे तो उसका आनंद आपको भी विभोर करेगा. धनबाद निवासी कवि अनंत महेंद्र तो चाहते हैं कि भारतवर्ष एक बार फिर यलगार शत्रुओं पर आक्रमण करे, यलगार हो कर अखंडित भारत का स्वप्न साकार हो जाये. प्रस्तुत है

कवि **अनंत महेंद्र** की यह ओजस्वी रचना-

भारत भारतवर्ष बनें यलगार हो.
स्वप्न अखंडित भारत का साकार हो.
पुनः पुरातन समृद्धि संधान रहे
चंद्रगुप्त सा ओजस्वी ललकार हो.
पाक अधिकृत कश्मीरी धरती का भी उद्धार करो.
चीन अनैतिक कृत्य करे तो उसका भी प्रतिकार करो.
शस्त्र-शास्त्र से हो भयभीत शत्रु पग वापस नाप उठे.
रौद्र रूप दिखलाओ ऐसा रिपुदल थर-थर कांप उठे.
घर के भी गद्दारों का संहार हो.
हिन्दकुश के पर्वत से जा ब्रह्मदेश की माटी तक.
सिंधु धार से बहते-बहते गंगा जी की घाटी तक.
त्रिविष्टिक , भूटान सहित नेपाल से सिंहलद्वीप सटे.
और कोई भू-भाग कभी न इंच मात्र नक्शे से हटे.
भारत मां की चहुँदिशा जयकार हो.
जन-जन तक बालक मन तक सब वीर कथाएं पहुंचाकर.
भूल गए हैं जिन नायक को, वो किस्से सब बतलाकर.
स्व-इतिहास को संजोकर अब नव इतिहास भी लिख डालें.
विश्व गुरु बन अपना गौरव पुनः प्राप्त कर दिखला दें.
समस्त विश्व को हम ऐसे स्वीकार हो.

आशा ही नहीं, पूरा विश्वास है कि अनंत महेन्द्र जी की इस रचना का सकारात्मक प्रभाव राष्ट्र, समाज और नागरिकों पर पड़ेगा. देश का बच्चा-बच्चा इनकी रचना को अपने दिलों में बसा कर राष्ट्र के कल्याण के प्रति स्वयं को समर्पित कर दे. स्वाधीनता की अक्षुण्णता और राष्ट्र की प्रगति के लिए केवल स्वप्न देखना ही पर्याप्त नहीं है, अपितु मन, वचन और कर्म के प्रति एकता का होना भी अनिवार्य है. निस्संदेह, हमारा भारतवर्ष सबसे अनूठा, सबसे प्यारा देश है. यह हमें प्राणों से प्यारा है, सारी दुनिया से न्यारा है. धनबाद की कवयित्री **डॉ. संगीता नाथ 'संगीत'** की कविता की आत्मा तो यही बोल रही है.

अपना भारत अपना राज दुलारा है,
विश्व पटल पर अद्भुत सबसे न्यारा है.
अमिट रहा इतिहास यहां के वीरों का,
इनके आगे हर इक दुश्मन हारा है.
व्यर्थ न हो,व्यर्थ न हो, व्यर्थ न हो कुर्बानी
इनकी फिर वतन पर न अब घात हो.
रुधिर से अपनी धरती को नहलाया है,
तभी तिरंगा हिमगिरि पर लहराया है.
उत्सर्ग किया सांसो की दे दी आहुति,
कर्ज देश का दे कर प्राण चुकाया है.
कैसे भला, कैसे भला, कैसे भला भूल
सकोगे त्याग बलिदान इनका कहो.
आजादी का जश्न है खूब मनाओ तुम,
कितने खोये लाल भूल मत जाओ तुम.
सच्ची है हर बात यही हकीकत है,
इतिहास मरोड़ तोड़ कर मत समझाओ तुम.
सौंप गये,सौंप गये, सौंप गये खुद को
मिटा कर उन्मुक्त वतन हमको.
संतान मनु के हम सब हिन्दुस्तानी हैं,
त्याग समर्पण की थाती बलिदानी हैं.
हम नहीं डरते शत्रु के प्रतिघातों से,
पगे शौर्य में मर्यादित अभिमानी हैं.
देश मेरे, देश मेरे, देश मेरे जीना हरेक
पल और मरना तुम्हारे लिए.

कवयित्री डॉ. संगीत के इस प्रयास को नमन करता हूं. आशा है इनके पाठकों तक इनके काव्य का प्रकाश पहुंचेगा और फिर पूरे देश को आलोकित करेगा, देश के नागरिकों में राष्ट्रभक्ति का प्रबल भाव भरेगा. हमारा देश भारत विश्व में अपना सर्वोच्च स्थान पुनः प्राप्त करने में सफल होगा. इसी कामना के साथ जय हिंद ! जय झारखंड !!

सास

हिन्दी के कवियों को जैसे गीत-गवास लगा करती है,
या नेता-टाइप लाला को, नाम-छपास लगा करती है.
मथुरा के पंडों को लगती है खवास औरों के घर पर,
उसी तरह श्रोतागण पाकर मुझे कहास लगा करती है.
पढ़ते वक्त मुझे बचपन में अक्सर प्यास लगा करती थी,
और गणित का घंटा आते, शंका खास लगा करती थी.
बड़ा हुआ तो मुझे इश्क के दौरे पड़ने लगे भयंकर,
हर लड़की की अम्मा मुझको अपनी सास लगा करती थी.
कसम आपकी, सच कहता हूं, मुझको सास बहुत प्यारी है,
जिसने मेरी पत्नी जाई, उस माता की बलिहारी है.
जरा सोचिए, अगर विधाता जग में सास नहीं उपजाते,
तो हम जैसे पामर प्राणी बिना विवाहे ही रह जाते.
कहो कहां से मुन्नी आती? कहो, कहां से मुन्ना आता?
इस भारत की जन-संख्या में अपना योगदान रह जाता .

- गोपाल प्रसाद व्यास

स्वास्थ्य सेवाएं और मौलिक सुरक्षा

चौराहा
प्रमोद कुमार झा

भारत में आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के शुरू हुए डेढ़ सौ वर्ष से अधिक हो गए. महान चिकित्सक और समाज सुधारक डॉ. रमा बाई पंडिता भी प्रारंभिक दौर में ही चिकित्सा की पढ़ाई करने इंग्लैंड गयी थी, लेकिन आरंभिक काल से भारत में महिला चिकित्सकों को लगातार विभिन्न प्रकार की प्रताड़नाओं, अपमानों और ऐसे व्यवहार का सामना करना पड़ता था, जिसे आजकल 'जेंडर डिस्क्रिमिनेशन' कहा जाता है ! पिछले सप्ताह हुए कलकत्ता के मेडिकल कॉलेज में हुई वीभत्स घटना के बाद तो देश के विवेक और अन्तरात्मा पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है ! कुछ दशक पूर्व यौन अपराध को ₹पाशविक₹ कहने पर हिंदी के प्रसिद्ध लेखक हरिशंकर परसाई ने कहा था कि इसे 'पाशविक' कहना पशुओं का अपमान करना है, क्योंकि कोई भी पशु बलात्कार नहीं करता ! सुअर तक भी बलात्कार नहीं करते ! ज़ाहिर है ये जघन्य अपराध और निकृष्ट कार्य सिर्फ मनुष्य ही करते हैं. आश्चर्य की बात है कि यौन अपराधियों की ओर सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक मान्यताएं कैसी हैं. अवश्य ही इनपर एक एक कर विचार करना प्रासंगिक होगा. परिवार में हुए यौन अपराध को परिवार के लोग ही दबाने, छिपाने की पूरी कोशिश करते हैं, क्योंकि इससे ₹परिवार₹टूटने का खतरा रहता है कारण अपराधी भी तो कोई परिवार का सदस्य ही होता है. कई दशकों में जितने तथाकथित धर्म गुरुओं के यौन अपराध में लिप्त होने की बात सामने आती रही है कि अब किसी 'गुरु' जैसे व्यक्ति से विश्वास ही उठ गया है. पुराने समय से बड़े पुराने प्रख्यात मंदिरों में युवा देवदासियों के संग यौन अपराध की सुनियोजित लंबी परम्परा रही है. हमारे समाज ने बहुत हाल में आकर इस व्यवस्था को समाप्त किया और इसकी भर्त्सना की. पर अभी भी धर्म की आड़ में युवा लड़कियों और महिलाओं के संग यौन अपराध किया जाता रहा है. सबसे चिंतनीय है राजनीति में महिलाओं के संग यौन अपराध का राजनीतिकरण. याद कीजिए पटना का बॉबी हत्याकांड, दिल्ली के एक पंच सितारा होटल में एक महिला के तन्दूर में जलाने की घटना इत्यादि. ताज्जुब तब होता है जब हाल के कोलकाता में हुए चिकित्सक के संग सामूहिक बलात्कार और हत्या को भी राजनीतिक रंग दिया जा रहा है. देश के एक प्रमुख राजनीतिक दल के नेता ने इस पर 'लड़के हैं, गलतियां हो जाती हैं' जैसी टिप्पणी की थी. बलात्कार के आरोप में बंद राजनीतिज्ञ के बेल पर जेल से बाहर आने पर बड़े नेताओं द्वारा माला पहनाकर स्वागत, अभिनंदन किया गया, खेलों में महिला खिलाड़ियों के संग यौन उत्पीड़न की आवाज उठाने पर आरोपी को ही संरक्षण दिया गया. गौर करें कि देश की सम्मानित संवैधानिक संस्थाओं में आरोपी सदस्य होते रहे हैं. क्या हमें मानना पड़ेगा कि यह देश यौन अपराधियों का देश है? एक वृद्ध महिला चिकित्सक का अनुभव पढ़ रहा था हाल में. उनका कहना था कि पिछली शताब्दी के चौथे दशक में भी एक मेडिकल छात्रा के रूप में उन्हें और सारे महिला स्वास्थ्य कर्मचारियों को चारों ओर बलात्कारी नज़रों के बीच गुजारना पड़ा था. इसमें वे सारे लोग थे जो अन्यथा भले, सम्मानित लोक हैं ! याद कीजिए बहुचर्चित अरुणा शानबाग की दुर्घटना, पिछले दिनों एक महिला वेटिनरी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना और अब इस कोलकाता वाली दुखद दुर्घटना ! एक सर्वे के अनुसार भारत में एक चौथाई से अधिक मेडिकल कर्मी मानसिक तनाव से ग्रस्त हैं. किसी प्रांगण में कर्मी की सुरक्षा नियोक्ता की पूरी जिम्मेदारी है. क्या अविलम्ब सभी अस्पतालों में सुरक्षा कर्मी के रूप में सिर्फ महिलाओं को नियुक्त किया जाएगा? क्या प्रत्येक अस्पताल में और मेडिकल कॉलेज में कार्यरत डॉक्टरों और अन्य महिला स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सुरक्षित बेसिक सुविधाओं और आराम की जगह की व्यवस्था की जाएगी? क्या अस्पतालों में चतुर्दिक कैमरे और सुरक्षा की उचित व्यवस्था की जाएगी? अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी, एक राजनीतिक वक्तव्य हो गया है. क्या ऐसे अपराध को पूरी तरह से रोकने की कोई योजना है? यदि नहीं तो ऐसे बलात्कार और हत्याएं होती रहेंगी !

चित्रकूट : अवलोकत अपहरत विषादा

यायावर
डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

महाकवि गोस्वामी तुलसीदास की 527 वीं जयंती के पावन पुनीत अवसर पर 11-12 अगस्त 24 को चित्रकूट जाने का सुअवसर प्राप्त हुआ. दो दिवसीय तुलसी जयंती का आयोजन तुलसी शोध संस्थान मध्य प्रदेश सरकार के तत्वावधान में किया गया था. इसके संकल्पक प्रो अवधेश प्रसाद पाण्डेय और प्रायोजक श्री दीपक कुमार गुप्ता निर्देशक (जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद् , भोपाल) एवं रामेश्वर पटेल थे. चित्रकूट पहले भी अनेक बार गया हूं, लेकिन इस बार का जाना कई अर्थों में शिष्ट और विशिष्ट रहा.इस बार बहुत निकट से चित्रकूट को देखने समझने का सुअवसर प्राप्त हुआ. चित्रकूट की भूमि वह पवित्र भूमि है, जहां प्रभु श्रीराम 14 वर्षों की वनवास की अवधि में लगभग 12 वर्ष चित्रकूट में रहे. इस पवित्र भूमि ने संकट की घड़ी में रहीम का भी साथ दिया था. अब्दुल रहीम खानखाना जब मुग़ल दरबार से किसी कारण वश जहांगीर द्वारा निकाले गये थे तो चित्रकूट में ही शरण मिली थी. रहीम ने चित्रकूट की महिमा का गान करते हुए लिखा है कि विपत्ति की घड़ी में चित्रकूट की भूमि सबका साथ देती है:-

चित्रकूट में रम रहे रहिमन अवध नरेश.
जाके विपदा परत है, सो आवत ऐहि देश.

महाभारत काल में धर्म राज युधिष्ठिर ने वनवास काल में इसी चित्रकूट में तपश्चर्या की थी. महाराज नल विपत्ति काल में दमयंती के साथ कामद गिरि की परिक्रमा करने के बाद ही

अपना खोया राज्य पा सके थे.इसी कामद गिरि की गुफाओं में प्रभु श्रीराम का आश्रम था. इसी कामद गिरि पर राम भरत का आध्यात्मिक संवाद हुआ था. यह संवाद महामुनियों और महाज्ञानियों (बशिष्ठ, विश्वामित्र, महाराज जनक आदि)की उपस्थिति में हुआ था,जिसे सुप्रसिद्ध इतिहासकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने कामदगिरि पर हुई बैठक को आध्यात्मिक घटना की संज्ञा प्रदान करते हुए लिखा है कि चित्रकूट में जो राम और भरत का मिलन हुआ है-वह शील और शील का, स्नेह और स्नेह का और नीति और नीति का मिलन है.इस मिलन से संघटित उत्कर्ष की दिव्य प्रभा देखने योग्य है,जिससे सारा वन प्रांत जगमगा उठा.यह झांकी अपूर्व है.इसी कामतानाथ की महिमा का वर्णन करते हुए महाकवि तुलसीदास ने मानस के अयोध्या काण्ड में लिखा है कि:-

कामद गिरि भे राम प्रसादा.
अवलोकत अपहरत विषादा.

प्रखर समाजवादी चिंतक डा राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि भारत की सामासिक संस्कृति को एक सूत्र में जोड़ने का काम केवल रामकथा कर सकती है.उनकी इसी संकल्प का मूर्त रूप चित्रकूट में अखिल भारतीय रामायण मेला का प्रत्येक वर्ष महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजन है.इस अखिल भारतीय रामायण मेला के आयोजक स्व गोपाल कृष्ण करवरिया जी और आचार्य बाबू लाल गर्ग जी थे.पहले यह रामायण मेला एक दिवसीय था, आज यह रामायण मेला पांच दिवसीय हो गया है और अब इस मेला के संयोजक राजेश कुमार करवरिया के पुत्र श्री प्रशांत करवरिया जी और रामायण मेला के महामंत्री डॉ. करुणा शंकर द्विवेदी जी हैं. इस अद्भुत अखिल भारतीय रामायण मेला के आयोजन के लिए सभी बधाई और प्रशंसा के पात्र हैं. पुण्य शील भारत रत्न नाना जी देशमुख ने इसी चित्रकूट में महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना की है. देश का अकेला विकलांग विश्वविद्यालय श्री रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय इसी चित्रकूट में अवस्थित है. वाल्मीकि रामायण के अनुसार इस चित्रकूट में अनेक ऋषि महर्षि श्री शिवजी के साथ तप कर अपना पुण्य चित्रकूट को देकर स्वर्ग चले गये थे. भगवान शिव ने कामदगिरि को वरदान दिया था कि जो व्यक्ति तुम्हारी तीन परिक्रमा करेगा, तुम्हारी चोटियों के दर्शन करेगा-उसकी सभी कामना पूर्ण होंगी.इसी चित्रकूट में ब्रह्मा, विष्णु महेश तीनों देवों को बालक रूप में जन्म लेना पड़ा था और सती अनुसूया के आश्रम में तीनों देव बालक बन क्रीड़ा करते थे. महर्षि अत्रि का आश्रम यही है. कलियुग ने समस्त संसार पर अपना जाल बिछा दिया था, किंतु प्रभु श्रीराम की कृपा से अद्यावधि चित्रकूट उससे मुक्त है.गुप्त गोदावरी ,भरत कूप, स्फटिक शिला, हनुमान धारा,राम घाट,जानकी घाट, लक्ष्मण घाट यहीं है.जगद गुरु श्री रामभद्राचार्य जी का तुलसी पीठ यहीं है.पयस्विनी और मंदाकिनी का पवित्र संगम यहीं है.इसी चित्रकूट की मंदाकिनी के रामघाट पर हनुमान जी के सौजन्य से तुलसी को राम के दर्शन हुए, जिसके साक्ष्य में ये दोहा बहुप्रचलित है:-

चित्रकूट के घाट पर, भई संतन की भीर.
तुलसीदास चंदन घिंसै,तिलक देत रघुवीर.

दुनिया को मां से समझो

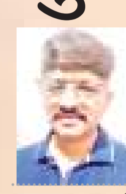

नश्तर
सुधीर राघव

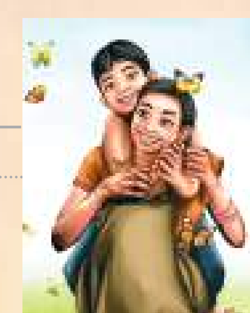

हम एक दुनिया में हैं. हमारे चारों ओर एक दुनिया है. इस दुनिया को ज्ञानियों ने गूढ़ रहस्य बताया है. पुराण तो यहां तक कहते हैं कि इस दुनिया का कोई ओर छोर नहीं है. मगर यह बिना ओर-छोर वाली ज्ञानियों की दुनिया है और ये ज्ञानियों की बाते हैं. शायरों और कवियों की दुनिया जरा अलग हटकर है. उनकी बातें भी अलग हैं. उन्होंने दुनिया को अपने तजुर्बे से जाना है. मियां मिर्जा गालिब दुनिया को बच्चों का खेल मानते थे. वे बाकायदा अपनी कलम से लिखकर गए कि बाचीजा-ए-अतफ़ाल (बच्चों का खेल) है दुनिया मिरे आगे, होता है शब-ओ-रोज तमाशा मिरे आगे. मिर्जा को छोड़कर शहाब जाफरी साहब की बात करते हैं. वह तो इतने नशे में थे कि इक रोज उन्होंने अपने पांव तले ही दुनिया कुचल दी. इस वाकये को उन्होंने कुछ यूं लिखा–चले तो पांव के नीचे कुचल गई कोई शय, नशे की झोंक में देखा नहीं कि दुनिया है. अकबर इलाहाबादी बड़े उस्ताद थे. वह साफ-साफ कह गए कि दुनिया में हूं दुनिया का तलबगार नहीं हूं, बाजार से गुजरा हूं खरीददार नहीं हूं. दुनिया को लेकर निदा फ़ाज़ली साहब का लहजा जरा जुदा रहा है. एक जगह वह कहते हैं – दुनिया जिसे कहते हैं, जादू का खिलौना है, मिल जाए तो मिट्टी है खो जाए तो सोना है.

शेख इब्राहिम जौक दुनिया से दिल लगाने को लेकर सावधान कर गए मगर साथ ही कह गए कि इसके बिना काम भी नहीं चलता– बेहतर तो है यही कि न दुनिया से दिल लगे, पर क्या करें जो काम न बे-दिल-लगी चले. अल्लामा इक़बाल दुनिया को अपने बुझे दिल की नजर से देखते हैं और कहते हैं – दुनिया की महफिलों से उकता गया हूं मैं या रब, क्या लुत्फ अंजुमन का जब दिल ही बुझ गया हो. जौन एलिया साहब दुनिया को ठेंगे पर रखते हैं. उनका अंदाज देखिए – नहीं दुनिया को जब पर्वा हमारी, तो फिर दुनिया की पर्वा क्यूं करें हम. इन सबसे आगे हैं लाला माधव राम जौहर जो दुनिया को रहने के काबिल ही नहीं मानते. वह तो सबसे कह गए कि अपना बोरिया बिस्तर उठाओ–दुनिया बहुत खराब है जा-ए-गुजर नहीं, बिस्तर उठाओ रहने के काबिल ये घर नहीं. हसरत जयपुरी दुनिया को लेकर काफी निराश थे. उन्होंने दुनिया बनाने वाले से ही सवाल पूछ डाला कि तूने काहे को दुनिया बनाई. कैफी आज़मी यहां तक कह गए कि ये दुनिया, ये महफिल मेरे काम की नहीं. प्रेम धवन ने लिखा तेरी दुनिया से होके मजबूर चला, मैं बहुत दूर, बहुत दूर चला. आनंद बख्शी का दुनिया को देखने का नजरिया अलग था, उन्होंने कहा है कि दुनिया में कितना गम है, मेरा गम कितना कम है. दुनिया पर कवियों और शायरों ने जितना रिसर्च किया है उतना तो वैज्ञानिक भी नहीं कर सके. एक बार यूनानी गणितज्ञ आर्कीमीडीज ने कहा था कि मुझे एक पर्याप्त लंबाई का लीवर दे दो और उसे रखने की जगह दे दो, मैं इस पूरी दुनिया को पलट दूंगा. इस तरह यह दुनिया जीवन को पालती ही नहीं है, बल्कि उसे उलटने और पलटने की स्वतंत्रता भी देती है. इतनी स्वतंत्रता अपने बच्चों को एक मां ही दे सकती है. इसलिए दुनिया को समझना है तो मां को समझ लो.

संजय बनर्जी की कलाकृतियों में छोटानागपुर का पठार

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

कलाकार अक्सर प्रकृति से प्रेरणा लेते हैं और अपनी कलाकृति में प्रकृति को शामिल करते हैं. प्रकृति से प्रेरित कलाकार की कलाकृतियां किसी भी माध्यम में हो सकती हैं. इन कलाकृतियों से प्रकृति और प्रकृति के साथ मानवता के रिश्ते के बारे में पता चलता है. प्रकृति से जुड़ी कला केवल प्रकृति की सुंदरता को दिखाने के लिए ही नहीं की जाती, बल्कि इससे पर्यावरण में वैज्ञानिक अवलोकन करने और प्रकृति से जुड़े दार्शनिक विचारों के लिए भी दिमाग खुलता है. प्रकृति से प्रेरित कला उकेरने का पहला कदम प्रकृति में समय बिताना है. विन्सेंट वान गॉग का मानना था कि एक कलाकार को प्रकृति को सही मायने में जानना और समझना चाहिए. ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका प्रकृति के बीच जाकर उसे महसूस करना और काम करना होता है, तभी तो संजय बनर्जी जैसे कलाकार पठारों पर जाते हैं और वहां के प्राकृतिक सौंदर्य की अनुभूति करते हैं. संजय बनर्जी लगभग बीस वर्षों से छोटानागपुर के पठारों पर घूम-घूम कर उसे महसूस करते हैं और फिर उसे अपने कैनवास पर जल रंगों से उकेरते हैं. इन्होंने बिरला एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट्स कोलकाता से डिप्लोमा किया. इस वर्ष जहांगीर आर्ट गैलरी मुंबई और दरबार हॉल आर्ट सेन्टर अर्नाकुलम में इनकी कला की प्रदर्शनी लगी. इससे पूर्व इनकी कला की प्रदर्शनी लोकयात्रा आर्ट गैलरी, नई दिल्ली, कला अकादमी गोवा, चित्रमयी स्टेट गैलरी ऑफ फाइन आर्ट्स हैदराबाद, बिरला एकेडमी ऑफ आर्ट एण्ड कल्चर कोलकाता, चित्रकला परिषद बंगलोर, आनंदी आर्ट गैलरी हावड़ा में लग चुकी है. मुंबई, कोलकाता, भोपाल, अरुणाचल प्रदेश, जमशेदपुर, हैदराबाद के कला शिविरों में भाग ले चुके हैं. कला के क्षेत्र में इन्हें कई सम्मान भी प्राप्त हो चुके हैं.

संजय बनर्जी का कहना है कि छोटानागपुर पठार एक बीती हुई लहर की तरह इनके छोटे से शहर में मिल जाता है, जो इनका गृहनगर और कार्यस्थल दोनों है. यह पहाड़ियों, नदियों और हरी-भरी भूमि के विस्तृत विस्तार से घिरा हुआ है. प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया रंग हमेशा इनके प्लेट पर हावी रहा है. ये प्रकृति को रचनात्मक नजरिये से देखते हैं और उसे कागज और कैनवास पर उतारने की कोशिश करते हैं. इन्होंने सदैव प्रकृति की प्रशंसा की है. चट्टानी नदियों और परिदृश्यों को देख कर इन्हें साहस और रचनात्मक भावना की अदम्य शक्ति का पाठ मिला है. ये इस साहस को ही कैनवास पर तब उतारने की कोशिश करते हैं, जब ये अपने कैनवास के माध्यम से नृत्य करने वाले सभी रंगों को संतुलित करते हैं और सामंजस्य स्थापित करते हैं. कैनवास हो या कागज, इनकी सबसे बड़ी खासियत है जगह का पूरा-पूरा इस्तेमाल. मौसम चाहे जो भी रहा हो, इस कलाकार ने किसी भी तस्वीर में इंच भर जगह को हल्केपन में नहीं लिया. अपने संयोजन में विपरीत रंगों को भी पास-पास रखकर उनकी दोस्ती से खूबसूरती पैदा करने की कोशिश रहती है इनकी. इनके कैनवास पर हर कलाकृति यह साबित करती है कि संतुलन को ये काफी महत्त्व देते हैं.

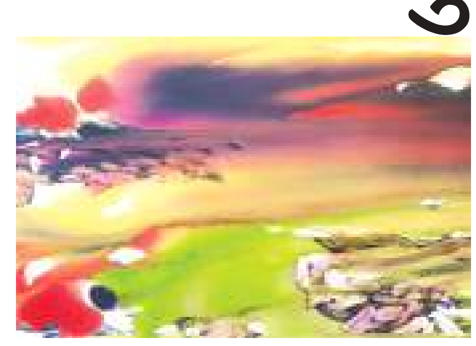

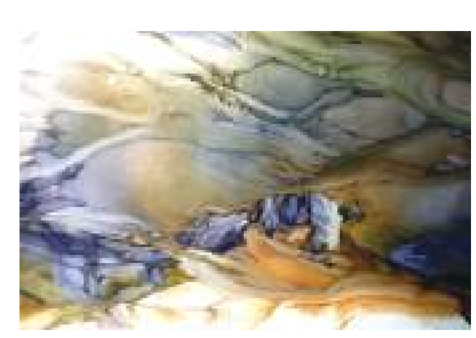

‘कला-संवाद’ का शतक पूरा

मनोज कुमार कपरदार झारखंड के एक मात्र कला समीक्षक हैं, जिनके पास एक सोच भी है और समर्थ कला भाषा भी . इसलिए ये जो लिखते हैं, उसे पढ़ने का आनंद कुछ अलग ही है . बेशक इनकी लेखनी में आज झारखंड की कला को नई पहचान मिल रही है .

मनोज कुमार कपरदार हिंदी दैनिक शुभम संदेश के लिए दो वर्ष से साप्ताहिक कॉलम कला संवाद के माध्यम से झारखंड के कलाकारों से कला प्रेमियों को परिचित करा रहे हैं . आज इस कॉलम की सौवीं कड़ी पाठकों के सामने है .

आखर

जो मुड़ के देखता हूं

"मेरे चरित्र वही बोलते हैं जो किन्हीं मुनासिब मौकों पर मुझे कहना चाहिए था परन्तु मैं कह न सका. कारण कई हो सकते हैं... शिष्टाचारवश, लोकाचारवश, वर्जनाएं, हीनता-ग्रंथि..! ऐसे में लेखन ही मेरा कांउटर ईगो है"... जाने-माने साहित्यकार राकेश कुमार सिंह की स्वीकोरोक्ति के साथ इस अंक से शुरुआत हो रही एक अनियमित नए कॉलम "जो मुड़ के देखता हूं" की . इसके तहत अगली बार हम एक अन्य महत्वपूर्ण साहित्यकार की लेखन यात्रा से होंगे रु-ब-रु...

लेखन मेरा काउन्टर इगो है

जीवन के पैंतीसवें वर्ष में लिखना रास आया. अब टीस होती है कि बहुत समय बिना लिखे गंवा चुका हूं. साहित्यिक सक्रियता की दृष्टि से निष्क्रिय खर्च समय की भरपाई अब असंभव है. सपने में भी नहीं सोचा था कि कभी लिखना भी मुझसे संभव होगा. मां-पिताजी के वंशवृक्ष में कई पीढ़ियों तक किसी लेखक-रंगकर्मी-चित्रकार-पत्रकार या गायन का कोई इतिहास नहीं... बावजूद इसके मैं साहित्य की ओर आकृष्ट हुआ तो इसका श्रेय मेरे जीवन में आए चार गुरु जनों का है. ये थे हार्वे सोन भैली हाई इंग्लिश स्कूल - देवरी (जपला) के हमारे हिन्दी शिक्षक स्वर्गीय रामदास तिवारी जी, मेरे गांव के गोतिया बाबा (पितामह) स्वर्गीय धनपत सिंह जी, मेरे महाविद्यालय के अग्रज सहकर्मी (साहित्यकार) डॉ मिथिलेश्वर जी और रांची विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अशोक प्रियदर्शी जी.

दसवीं-ग्यारहवीं कक्षा में तिवारी माट्साब नाटकीय भंगिमा और संवादों के साथ जब "कहानी संकलन" और "साहसिक कहानियां" पढ़ाया करते थे तो मानो वे कथा प्रसंगों -चरित्रों को आंखों के समक्ष मूर्तिमान कर देते थे. वे कहते थे- "लंबी छुट्टियों में प्रेमचंद, प्रसाद, शरच्चंद्र, वृंदावन लाल वर्मा आदि के उपन्यास पढ़ा करो. हिन्दी सुधरेगी."

अभिभावक जहां उपन्यास पढ़ना गंदी आदत बताते थे वहीं हमारे माट्साब वर्जित फल चख लेने को प्रेरित करते थे. कहां गए वे लोग? वे गुरु जन?

डोडो-गोंडावन पक्षियों की भांति विलुप्तप्राय ऐसे शिक्षकों की प्रजाति अब या तो उनकी पारिवारिक तस्वीरों में है या हम जैसे विद्यार्थियों की स्मृतियों में रह गई है.

हमारे धनपत बाबा किसी शाला में शिक्षक भले नहीं थे परन्तु मेरे तईं उनका दर्जा मेरे कथा गुरु का रहा और रहेगा. किस्से-कहानियों की जादुई दुनिया में उतरने वाली सीढ़ियों का एक दहाना धनपत बाबा की खलिहान में भी था.

गर्मियों की सांझ में नदी की रेत पर, शाम ढलने चांद निकलने तक रब्बी-खरीफ के मौसमों में धान-गेहूं के खलिहानों में शीत-बसंत, तोता-मैना, कुंवरविजयमल, आल्हा-ऊदल, राजा भरथरी, सोरठी बृजाभार आदि-आदि की गेय कथाएं ऊंची आवाज में गा-गा कर बांचते थे धनपत बाबा. उनका गुरु गंभीर सातवां सुर तो सीधा कलेजे में उतर जाता था.

अब लगता है कि विदेशी आक्रांताओं या बख्तियार खिलजी जैसे बर्बर हमलावरों द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय दहन जैसे विध्वंसक अभियानों के बावजूद यदि भारतीय साहित्य -संस्कृति अमर रही तो इसे बचाए रखने का श्रेय हमारे आंचलिक कथावाचकों, लोक गायकों और भारतीय वांग्मय की वाचिक परंपरा को ही जाता है.

तिवारी माट्साब ने यदि मेरी मानस-भूमि की जुताई -गुड़ाई कर इसे किस्से-कहानियों के योग्य बनाया तो धनपत बाबा ने उस तैयार जमीन पर कहानियों के बीज बोए. समय की मिट्टी तले सोए-शांत बीजों को अनुकूल मौसम उपलब्ध कराया मेरे तीसरे कथा गुरु ने... मिथिलेश्वर जी.

आरा (बिहार) के सृजनात्मक साहित्यिक पर्यावरण और मिथिलेश्वर जी के सिंचन -पटवन ने मेरे कथा बीज को उगा दिया. वे मिथिलेश्वर जी ही रहे जिन्होंने सर्वप्रथम मेरी पहली अनगढ़ लिखाई को कहानी का मान दिया. मुझे कथाकार की मान्यता दे कर मेरे लिए साहित्य की दुनिया के दरवाजे खोल दिए.

कथा-रसिक श्रोता-पाठक मैं अवश्य था परन्तु लिखना...!

साहित्य और समाज का बदलाव

मुझे लगता है कि साहित्य से समाज को बदल डालने की सद्दिच्छा लेखक को मानसिक अवसाद की ओर धकेल सकती है. कुछ लोग इसके शिकार हुए भी हैं. जरूरी नहीं कि सभी सहमत हों पर मुझे लगता है कि साहित्य मात्र विचार दे सकता है. आगे सामाजिक बदलाव के औजार दूसरे हैं. मथानी से कड़छी या चिमटे का काम लेना गैर मुमकिन -गैरमुनासिब काम है. बहरहाल मशीनी लेखन मेरे लिए असहज है सो हाथ से ही लिखा और लिखता रहा हूं. मैं मेज-बिस्तर पर नहीं लिख सकता बल्कि मुनीम जी वाली छोटी डेस्क पर, चटाई पर बैठ कर लिखता हूं. रचनाएं भी वहीं भेजता हूं जहां अभी भी हस्तलिखित की कद्र होती है.

मैं और मेरे पात्र

लेखन मेरे भीतर उबलते भावों के लिए प्रेशर कुकर की सीटी की भांति है. मेरे पात्र वही करते हैं जो किन्हीं समयों में मैं करना चाहता था पर कर न सका. मेरे चरित्र वही बोलते हैं जो किन्हीं मुनासिब मौकों पर मुझे कहना चाहिए था परन्तु मैं कह न सका. कारण कई हो सकते हैं... शिष्टाचारवश, लोकाचारवश, वर्जनाएं, हीनता-ग्रंथि..! ऐसे में यह लेखन ही मेरा कांउटर ईगो है. मैं लिखते समय लगभग सम्मोहन की स्थिति में होता हूं और मेरे भीतर का अतृप्त "मैं" मुझसे अपना मनचाहा लिखवाता जाता है.

लिखने के लिए सबसे पहले मन में कोई स्थिति, चरित्र, कथा भूमि या विषय आता है. इसके बाद मुझे अपने चरित्रों के लिए एकदम सजते हुए अर्थपूर्ण नाम चाहिए होते हैं वर्ना चरित्रों से मेरी दोस्ती नहीं हो पाती और लेखन आत्मीय ढंग से नहीं चल पाता. सटीक नामकरण के बाद मुझे अपने चरित्रों से मुहब्बत होने लगती है. इस प्रेम का रंग ज्यों-ज्यों गाढ़ा होता जाता है मेरे पात्र मेरे भीतर जीने लगते हैं. मुझे उनके रंग, रूप, आदतें, स्वभाव, पसंद-नापसंद या तकिया कलाम गढ़ने नहीं पड़ते. मेरे चरित्र मेरे साथ सोते -जगते हैं, मुझसे बतियाते - झगड़ते रचना के कथोपकथन या संवाद देने लगते हैं.

आलोचकों की दृष्टि

लेखन की मेरे अट्ठाईस सालों के सफर में ईमानदारी से स्वीकारूं तो मेरा अनुभव रहा कि मेरी कहानियां आम पाठकों द्वारा खूब पढ़ी गईं परंतु आलोचना के मानकों पर शायद उतनी खरी नहीं उतर सकीं. संभव है. क्योंकि मैंने अपना लक्ष्य "आम पाठक" चुना न कि 'खास पाठक' या आलोचक. आलोचक के निकष पर खरा उतरने योग्य चीज बलात् लिखने की कोशिश लेखक को हास्यास्पद बना देती है.

आलोचना ने मेरे उपन्यासों का संज्ञान अवश्य लिया. मेरे पास उपन्यास ही अधिक हैं. उपन्यास लिखना ही मुझे रास आता है. कहानी जीवन की एक फांक होती है जबकि उपन्यास पूरा एक जीवन होता है. मैं खंड-खंड चीजें कम पसंद करता हूं. मुझमें संपूर्णता की ललक है और यही ललक मुझे अपने गुरुजी डॉ अशोक प्रियदर्शी जी तक ले गई.

मेरे लेखक के परीक्षा गुरु रहे प्रोफेसर अशोक प्रियदर्शी जी. परीक्षा गुरु इसलिए कि मेरी कहानियां तो उन्हें ठीक-ठाक लगती थीं पर जब मेरा लिखा दूसरा उपन्यास "जहां खिले हैं रक्तपलाश" मेरे लिखे पहले उपन्यास "पठार पर कोहरा" से महीने भर पहले ही छप कर आया तो मानो यह मेरी उत्तरपुस्तिका थी. मैंने इसे गुरुजी के सामने डरते-डरते प्रस्तुत किया और अपना डर प्रकट भी किया कि कृपया धर्यपूर्वक झेल लें. पहली कोशिश है. पता नहीं कुछ बात बनी या...!

वे दिन भी क्या दिन थे जब मैंने साहित्य में प्रवेश पाया था और आज का दिन है कि किसी नई रचना के साथ गुरुजी के समक्ष प्रस्तुत होने में अब भी सहमा रहता हूं.

आखिर में यह कि सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि साहित्य की दुनिया में मेरी जगह कहां बनती है. कहीं बनती है भी या नहीं. बांग्ला, तमिल, कन्नड़, ओड़िया, तेलुगू आदि-आदि में एक-एक साहित्यकार के पास सौ-सौ किताबें हैं. ऐसे में अपनी छोटी-सी पूंजी के साथ मैं इतने से ही संतुष्ट हूं कि हिंदी कथासाहित्य के सौ-सवा सौ वर्षों की सुदीर्घ परंपरा में, जहां अनेक महान और कालजयी साहित्यकार खड़े हैं, मैं भी किसी कोने में उपस्थित हो सका. इस महान परंपरा का अदना-सा एक वारिस मैं भी..? यह मेरे लिए गर्व की बात है.

ऐसे हुई लेखन की शुरुआत

यह मुश्किल काम शुरू हुआ था संयोग से या कहें हठयोग से. मेरी पत्नी की महती भूमिका रही है जिनकी निगाह में साहित्यकार का स्थान बहुत ऊंचा था. वे खूब पढ़ती थीं. उनकी नजरों में विशिष्ट बनने हेतु मैंने लिखने की ठानी. एक बचकानी कोशिश कह सकते लेकिन यही सच है कि उपन्यास "महासमर की सांझ" से पूर्व मेरे नाम से जो कुछ प्रकाशित होता रहा है वह वस्तुतः हम तीन लोगों का संयुक्त लेखन था. मैं, पत्नी अनीता और हमारे बेटे वरूण प्रभाकर द्वारा परिकल्पित और सृजित. साहित्य में शायद हमारा यह उपक्रम इकलौती मिसाल है. बहरहाल...पहली बार जब तीन फुलस्केप पृष्ठों की पहली कहानी (नक्सलाइट) लिख ही डाली तब साहित्य की सर्वसुलभ पत्रिका 'हंस' ही थी. मैंने कहानी 'हंस' में भेज दी. संपादक "हंस"-स्वर्गीय राजेन्द्र यादव जी के साथ जो पत्र-व्यवहार हुआ वह एक अलग किस्सा है. यहां बस इतना कि बिल्ली के भाग्य से छींका टूटा. बिना सूचना-स्वीकृति पत्र मिले परिवर्तित शीर्षक ₹नाम अज्ञात₹के साथ 'हंस' दिसंबर 1995 अंक में कहानी छप गई.

अपने नाम के साथ छपे अक्षरों का का नशा उस दिन चढ़ा तो उतरने का नाम ही न ले. अपने गांव -जवार के जीवित -दिवंगत लोगों और घटनाओं को आधार बना कर हम तीन तिलंगे कहानियां गढ़ने लगे. पत्नी कच्चा माल जुटातीं. कच्चे माल में मैंने अपनी सोच और कल्पना के गोटे-फुंदने टांके और कहानियां संभव होती गईं.

उन दिनों 'नवलेखन अंक' या 'युवालेखन अंक' का चलन नहीं था. "नए पत्ते", "पहला कदम" या "आते हुए लोग" जैसे स्तंभ नहीं होते थे. बावजूद इसके मुझे राजेन्द्र यादव (हंस), प्रभाकर श्रोत्रिय (अक्षरा, वागर्थ, नया ज्ञानोदय), कमला प्रसाद (वसुधा), विभूति नारायण राय, शैलेन्द्र सागर (कथाक्रम), अपूर्व जोशी (पाखी) जैसे सहृदय संपादक नसीब हुए और कारवां बढ़ता गया.

कहानी की जमीं अपना पलामू

उन दिनों स्त्री-विमर्श का शोर था. लवलीन की रसीली कहानी 'चक्रवात' और कृष्ण बिहारी की 'दो औरतें' की खूब चर्चा थी. महाजनो येन गतः सः पंथा...! मैंने भी "मर्सी किलिंग" और "ग्लेशियर" लिख डाली. परन्तु जब फरवरी-1999 के "हंस" में मेरी कहानी "हांका" छपी और पाठकों से जो प्रतिसाद मिला तो मुझे मानो मेरी अपनी जमीन मिल गई. अपनी सीमा और सामर्थ्य का पता मिल गया. अपना पलामू! झारखंड का जनजीवन..!

मेरे पलामू ने ही लगभग मेरे साथ शुरू हुए नवप्रवेशी, स्थापित लेखकों के बाद बचे पृष्ठों पर अपनी जगह ढूंढने में जुटे मधु कांकरिया, नीलाक्षी सिंह, दूर्वा सहाय, संजय सहाय, वसु मालवीय आदि-आदि से मुझे कुछ अलग पहचान दी.

पाठ्य-पुस्तकों के प्रेमचंद, प्रसाद, सुदर्शन, और विश्वंभरनाथ शर्मा कौशिक का रट्टा लगा कर परीक्षाओं में बैठने वाला मैं जब लिखने लगा तो दूसरों को पढ़ने की भूख भी जाग उठी. फिर तो उपन्यासों के शिखर, कहानियों की मीनारें, कविता के कंगूरे, संस्मरणों के गली-कूचे... मैं विज्ञान का विद्यार्थी मानों एलिस की भांति किसी विचित्र देश में आ गया था. साहित्य की इंद्रधनुषी दुनिया! "हंस, वर्तमान साहित्य, वसुधा, कथाक्रम, वागर्थ मेरी नियमित पत्रिकाएं हो गईं. इन्हीं मंचों पर मेरी अधिकांश कहानियां छपी भी हैं. हिंदी उपन्यास में सबसे अधिक प्रभावित किया फणीश्वरनाथ रेणु जी ने.

पढ़ने से इतना समझ में आने लगा था कि रचना अपनी जमीन से ही खाद-पानी ग्रहण करती है. मेरी प्रतिबद्धता की गर्भनाल पलामू के वर्षा वंचित पठार से जुड़ती गई. पलामू और आगे झारखंड के हलवाहों, चरवाहों, सपेरों, मदारियों, बहेलियों, बहुरूपियों, नटुओं, नाविकों, आदिवासी समाज आदि-आदि से जुड़ती गई. इनके दुःख-दैन्य, संघर्ष और अमर्ष ही मेरी रचनाशीलता के उत्स हैं. मैं इनका कर्जाई हूं अस्तु मेरा लेखन दिल्ली-भोपाल-पटना जैसा नहीं हो सकता था. मैं महानगरीय देह-राग की होड़ का हिस्सा बन कर अपनी प्राथमिकताएं नहीं भूल सकता था.

मात्र प्रेमकथा या देहगाथा लिखूं और झारखंड को अपनी किताब से बाहर रख दूं तो मुझे खुद अपनी किताब खोखली लगने लगेगी. आगे-पीछे गत्ते की जिल्द और भीतर रद्दी कागज. झारखंड के इतिहास -संस्कृति -संघर्ष पर लिखते हुए, आदिवासी समाज के जय-पराजय को कहते हुए, अकेले और विस्थापित होते समाज को दर्ज करते हुए भी रिश्ते, भावनाओं, प्रेम आदि के कोण स्वतः स्फूर्त निकल ही आते हैं. मेरी मान्यता बनने लगी कि रचनाओं में दर्ज सच रचनाकार के अपने परिवेश और अनुभव से निकले तभी सर्वस्वीकार्य सच बन सकता है. यदि कोई रचनाकार अपने परिवेश को कभी चित्रित ही न कर सका तो वह ऐसा दृष्टिहीन मछेरा है जो आजीवन ऐसे ताल में जाल फेंकता रहा जिसमें मछलियां तो क्या, पानी ही नहीं था.

परिचय

राकेश कुमार सिंह

जन्म : 20 फरवरी 1960 पलामू (झारखंड) के गुरहा गांव में.

शिक्षा : स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान (पी.एच.डी.) एवं विधि स्नातक.

कृतियां : हांका तथा अन्य कहानियां, ओह पलामू..!, जोड़ा हारिल की रूपकथा,महुआ मांदल और अंधेरा, कहानी खत्म नहीं होती,तमस कोहरा और..!, रूपनगर की रूपकथा (कथा-संग्रह)

पठार पर कोहरा, जहां खिले है रक्तपलाश,जो इतिहास में नहीं है,साधो,यह मुर्दों का गांव,हुल पहाड़िया,महाअरण्य में गिद्ध, ऑपरेशन महिषासुर,मिशन होलोकॉस्ट,ठहरिए..! आगे जंगल है,खोई हुई कड़ियां,महासमर की सांझ (उपन्यास)

केशरीगढ़ की काली रात,वैरागी वन के प्रेत, नीलगढ़ी का खजाना (किशोर उपन्यास)

कहानियां ज्ञान की विज्ञान की, आदिपर्व, उलगुलान, अग्निपुरुष, अरण्य कथाएं, अवशेष कथा (बालोपयोगी पुस्तकें).

सम्मान : झारखंड का प्रतिष्ठित राधाकृष्ण सम्मान (2004), 'पाखी' पत्रिका का शब्द साधक जनप्रिय सम्मान (2015), आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान (2016) कथाक्रम कहानी प्रतियोगिता (2001 तथा 2002) में प्रथम पुरस्कार,कथाबिंब कहानी प्रतियोगिता (2002) में प्रथम तथा कमलेश्वर स्मृति कथा सम्मान (2008) में प्रथम पुरस्कार.

कहानी 'ठहरिए आगे जंगल है' पर दूरदर्शन द्वारा इसी नाम से टेलीफिल्म निर्मित -प्रदर्शित. कई कहानियां उड़िया, पंजाबी तथा अंग्रेजी में अनूदित.

व्यंग्य

डॉलर वाले बैंगन जी

नूपुर अशोक

देसी आदमी जब दोस्तों को इम्प्रेस करना चाहता है तो उन्हें पिज़्ज़ा और बर्गर खिलाता है. वही देसी आदमी जब विदेश पहुंचता है तो रोज़ पिज़्ज़ा बर्गर खाते हुए इस आशा से अपना स्टेटस अपडेट पोस्ट करता है कि हर अपडेट के साथ वह स्वयं को अपडेटेड घोषित कर रहा है और उसकी स्टेट्स में भी इजाफा हो रहा है. लेकिन एक सप्ताह के बाद उसे पिज़्ज़ा और बर्गर की शक्ल वैसी ही लगने लगती है जैसी आज के लड़कों को दो महीने बाद गर्लफ्रेंड की सूरत लगने लगती है- आज भी वही?

जैसे महिला-पुरुष-समानता-शिविर में भाग लेने आई तन्वंगी सुंदरी जिस सौभाग्यशाली पुरुष प्रतिभागी के चाय के निमंत्रण को स्वीकार करती है वह सातवें आसमान पर विचरण करने लगता है. लेकिन जब वही सुंदरी 'चाय' के साथ भारी-भरकम 'शाय' का बिल उन्हें थमाकर, समानता की बातें ताक पर रखकर उन्हें टा-टा करके चल देती है तो उन्हें बिना किसी बिल के रोज़ चाय पिलाने वाली अपनी बेरौनक़ पत्नी वाली ज़मीन याद आने लगती है. ठीक उसी तरह विदेश प्रवास के एक सप्ताह बाद आपको घर की दाल-रोटी की याद सताने लगती है.

इसी याद के सताए हुए हम अपने विदेश प्रवास के एक सप्ताह के स्वर्णिम समय की अवधि पूर्ण करने के उपरांत वहां के सब्ज़ी बाज़ार पहुंचे. अंडरग्राउंड कार पार्किंग, वातानुकूलित भवन, एस्केलेटर लगे प्रवेश द्वार - हम कृष्ण के महल के बाहर खड़े सुदामा की मनोदशा उस समय समझ पाए.

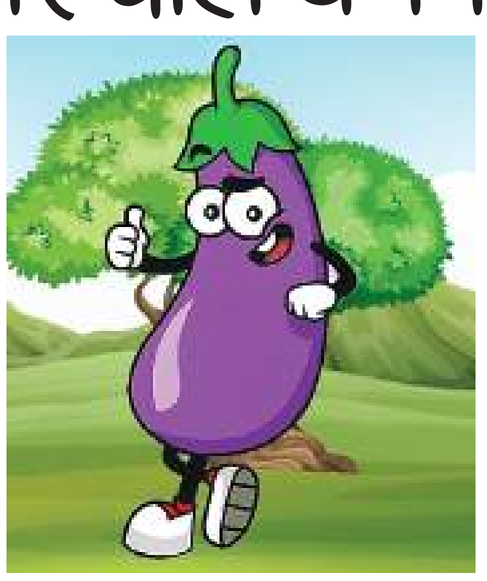

बाजार में सब्ज़ियां भी इज़्ज़त के साथ शेल्फ में सजी हुईं. हमारे देश के गांवों में तो आज भी दलित आदमी किसी कुर्सी पर बैठने में भी हिचकता है, पता नहीं कब कोई लात मार कर धकिया दे. यहां सब्ज़ियों की शान देख लो, जिस पंक्ति में ब्रोकोली अकड़ रही है, उसी के पास बेअदब मूली भी इतरा रही है. यही ब्रोकोली जब हमारे देश आती है तो अपने विदेशी मेहमानों की तरह हम उसे पूरा सम्मान देते हैं. अदना गाजर-मूली को तो उसके साथ सटने भी नहीं देते. उसे बाकायदा इज्ज़त से अलग टोकरी में सजा कर रखते हैं.

कोहड़ा तो हमारे यहां मुख्य सब्जियों के पीछे कहीं फेंका हुआ सा, कटा-फटा सब्जी विक्रेता के चाकू प्रहार की प्रतीक्षा में भयभीत सा पड़ा रहता है. उसे अपने घर साबुत तो कोई ले जाने से रहा. एकाध टुकड़ा ही जाएगा और वह भी खाने की मेज़ पर क्रिकेट टीम के बारहवें खिलाड़ी की तरह मुंह लटकाए पड़ा रहेगा. वही उपेक्षित कोंहड़ा यहां बाकायदा एक चौथाई टुकड़े में कटा, सेलोफेन में लिपटा, बारकोड के साथ 2 डॉलर का प्राइस टैग दिखाकर मुंह चिढ़ा रहा था. जिसे आज तक हमने बत्तीस रुपए के लायक नहीं समझा उसकी कीमत दो डॉलर यानी सौ रुपए से भी अधिक?

आगे बैंगन जी सजे थे. बैंगन'जी' इसलिए क्योंकि जिस मुए बैंगन को हमने देश में मुंह भी नहीं लगने दिया था, उसे हाथ लगाने के लिए जब 7 डॉलर यानी साढ़े तीन सौ रुपए चुकाने पड़ें तो उसे 'जी सर' तो कहना ही पड़ेगा.

उस दिन मुझे समझ आया कि अपने मुहल्ले के मास्टर साहब के फिसड्डी बेटे ने 'उल्लू के पट्ठे' से 'जी सर' की यात्रा कैसे तय की. जिसे अपने देश की धरती पर कोई स्कूल पास होने देने के लिए तैयार नहीं था और कोई कॉलेज लेने के लिए भी नहीं, वह हवाई मार्ग से विदेशी धरती पर आकर यहां की किसी सुसज्जित शेल्फ में बैठा इतरा रहा था. यहां से जब वह अपने डॉलर वाले अवतार में वापस अपने देश में अवतरित होता है तो सारे लोग उसे 'जी सर, जी सर' कहकर ही संबोधित करते हैं.

उस दिन वह विदेशी बाज़ार मुझे कुरुक्षेत्र की तरह लग रहा था जिसमें बड़े-बड़े महारथी, जिन्हें हम अभी तक फूल गोभी, बंधा गोभी, पालक, बैंगन कहकर हिकारत की नज़र से देखते थे वे सभी कौली फ्लावर, कैबेज, स्पिनेच और एगप्लांट जैसे नामों के टैग लगाए अपने डौलर वाले दामों की तलवारें मेरी ओर चमका रहे थे- कोई तीन सौ, कोई चार सौ- पांच सौ ! उस दिन मुझे कृष्णवर्णी बैंगन ने महाज्ञान दिया – "देखा तुमने, अभी तक तुम मुझे काली-कलूटी-बैंगन-लूटी कह कर चिढ़ाते रहे. मुझे खाने की मेज़ पर देखते ही नाक-भौं चढ़ाते रहे. इसीलिए मुझे अपने देश की धरती का त्याग कर यहां आना पड़ा. यहां एग्प्लान्ट का नाम पड़ते ही मेरी कीमत भी बढ़ गई और इज़्ज़त भी. आज तुम भले ही अपने सात डॉलर बचाकर निकल जाओ लेकिन सत्य यही है कि तुम एक दिन लौट कर आओगे और मुझे मेरी कीमत अदा कर इज्ज़त के साथ लेकर जाओगे क्योंकि अब तुम जान चुके हो कि यह पिज्जा-बर्गर की दुनिया केवल माया है. असली संतुष्टि मेरे अंदर ही है." उसी बैंगन की कसम, हमने मास्टर जी के बेटे सहित देश के अन्य सभी बैंगनों से क्षमायाचना की, चुपचाप डॉलर वाले 'बैंगन जी ' को उठाया और ससम्मान अपने थैले में स्थापित किया.

कविताएं

शिव

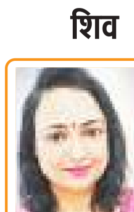

पूजा शकुंतला शुक्ला

मेरे शिव
कुछ अलग से हैं
मेरे भीतर स्थित
मन्दिर में रमे हैं
कई - कई बार
मैंने कोशिश की
अपने घर के
मंदिर में करूं
उनकी प्राण प्रतिष्ठा
लेकिन हर बार
बस मूर्ति ही स्थापित हुई
शिव मेरे भीतर ही रहे
मेरा संबल बन कर
उन्होंने सारा विष पिया
मुझे विषमुक्त रखने को
मेरे हर घाव को गंगा
के जल से धो कर
बेल पत्र से उसका उपचार किया
जब भी पीड़ा पराकाष्ठा
की सीमा लांघने को हुई
उन्होंने भांग घोला मेरे भीतर
और मेरे मुख पर खिल
उठे अनगिनत धतूरे के फूल
मेरे भीतर जो शक्ति है
वो शिव ही है
आदि, अनादि शिव !

भारत हूं

उन्मुक्त स्वीकारता हूं विषाद के क्षण को
विष अगर मिल जाये,
हंसकर मै पीता हूं.
संस्कार की पूंजी, संस्कृति अक्षय धन है.
हिमालय से उत्तुंग
प्रशांत मेरा मन है.
शिव का वरदान है, शक्ति का उपासक हूं.
सांसो पर अधिकार,
निज मन का शासक हूं.
दु:ख हो या उल्लास,
बराबर से जीता हूं.
चाह नहीं विजय की,
भय नहीं कुछ खोने का
पुत्र भरत का, चिड़ियाँ नहीं, शेर सोने का
शिराओं में प्रस्फुटित
काल निनाद होता है,
सबल भुजाओं में, दीर्घ इतिहास सोता है.
उन्मुग्ध रहा विश्व, ज्ञान का अधिष्ठाता हूं.

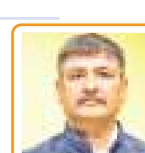

नीरज नीर

सभ्यता सिखाता रहा

सदा आदि काल से,
डरा नहीं रक्तरंजित,
देख दन्त कराल के.
विश्व विजय की नहीं की
कभी भी अभिलाषा
नत हो कोई की नहीं कभी ऐसी आशा
निर्विकल्प रहा सदा, रागों से रीता हूं.
पराजित हुआ रहा सदियों तक पराधीन
स्वगौरव कभी लेकिन
हुआ नहीं क्षीण
ठगा गया कई बार,
छल के हाथों हारा
उठा हर बार, स्वयं ही स्वयं को संवारा
मैं अपने भाग्य का, स्वयं ही निर्माता हूं.

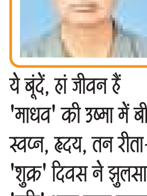

अनिल किशोर सहाय

ये बूंदें, हां जीवन हैं

ये बूंदें, हां जीवन हैं
'माधव' की उष्मा में बीता
स्वप्न, हृदय, तन रीता-रीता.
'शुक्र' दिवस ने झुलसाया था
'शुचि' आया कुछ हुलसाया था.
शुचि बीता फिर तो नभ आया
'नभ- नभस्य' की काली छाया.
कुछ बूंदें जब गिरी धरा पर
दिखा मोद इस वसुन्धरा पर.
चारो तरफ दिखी हरियाली
हुए भाव सुन्दरतम आली.
भींग गया इसके संग तन है
हुआ प्रफुल्लित मेरा मन है.
इनमें ही अस्तित्व मनुज का
इनके ये तन, मन, धन हैं.
ये बूंदें, हां जीवन है.

(वैदिक काल से प्रयुक्त संस्कृत माधव-बैसाख,शुक्र-जेठ,शुचि-आषाढ़,नभः-सावन,नभस्य -भादो)

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस से स्वदेश लौटने पर स्टार रेसलर विनेश फोगाट का भव्य स्वागत

मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं : विनेश फोगाट

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बावजूद अधिक वजन होने के कारण पदक नहीं जीत पाने वाली रत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट का शनिवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया. बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे स्टार खिलाड़ियों के अलावा पंचायत नेता भी विनेश का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे. विनेश फूल मालाओं से लदी थी. उन्होंने खुली जीप में सवार होकर लोगों का आभार व्यक्त किया. विनेश ने हाथ जोड़कर कहा, मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं. यह विशाल काफिला विनेश के साथ हरियाणा के बलाली गांव तक जाएगा. विनेश के आगमन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी. पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले किए गए वजन में उनका वजन 100 ग्राम अधिक निकला था जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था. विनेश ने संयुक्त रूप से रजत पदक दिलाने के लिए खेल पंचाट में अपील की थी जिसके कारण वह पेरिस में रुकी रही. खेल पंचाट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था. लंदन ओलंपिक के

कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के नेता गगन नारंग ने विनेश को चैंपियन करार दिया. यह दोनों एक ही उड़ान से दिल्ली पहुंचे थे. नारंग ने पेरिस हवाई अड्डे पर विनेश के साथ खींची गई तस्वीर को एक्स पर पोस्ट किया.

वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी : गगन नारंग

गगन नारंग ने लिखा, वह खेल गांव में पहले दिन चैंपियन के रूप में पहुंची थी और वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी. कुछ अवसरों पर करोड़ों लोगों को प्रेरित करने के लिए ओलंपिक पदक की जरूरत नहीं पड़ती. विनेश फोगाट आपने लोगों को प्रेरित किया है. आपके जज्बे को सलाम. विनेश के भाई हरविंदर फोगाट ने कहा, विनेश स्वदेश लौट रही है. लोग यहां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे हैं. लोग हमारे गांव में भी उनका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं. लोग उनसे मिलने को लेकर उत्साहित हैं.

ब्रीफ खबरें

वोंद्रोसोवा व कैम नॉरी अमेरिकी ओपन से हटे

न्यूयॉर्क। विंबलडन 2023 की चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा और कैम नॉरी चोटिल होने के कारण 26 अगस्त से शुरू होने वाली अमेरिकी ओपन टेनिस प्रतियोगिता से हट गए हैं. विश्व रैंकिंग में 18वें नंबर की खिलाड़ी वोंद्रोसोवा के हाथ में चोट लगी है जबकि नॉरी को बांह में समस्या है.

अदिति महिला स्कॉटिश ओपन में कट से चूकीं

इर्विन (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में तीन ओवर 75 के लचर प्रदर्शन के साथ आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन टूर्नामेंट में कट हासिल करने में नाकाम रहीं. लेडीज यूरोपीय टूर पर पांच बार की विजेता अदिति ने पहले दौर में 81 का स्कोर बनाया था.

जीव जांबिया लीजेंड्स में 19वें स्थान पर

लुसाका (जांबिया)। भारत के जीव मिल्खा सिंह जांबिया गोल्फ लीजेंड्स के पहले दौर में पार 72 के स्कोर से संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर हैं. भारत में अगले हफ्ते लीजेंड्स टूर प्रतियोगिता की मेजबानी करने वाले जीव ने एक बर्डी और एक बोगी की जिससे उन्होंने पार का स्कोर बनाया. साइमन खान ने पहले दौर में छह अंडर 66 के स्कोर के साथ पहली जीत दर्ज की ओर हैं.

लाहिड़ी लिव गोल्फ में 38वें स्थान पर

व्हाइट सल्फर स्प्रिंग्स (अमेरिका)। भारत के अनिर्बान लाहिड़ी लिव गोल्फ ग्रीनबियर के शुरुआती दौर में पार 70 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 38वें स्थान पर है. लाहिड़ी ने इस 54 होल की स्पर्धा के पहले दिन एक बोगी और एक बर्डी लगाई. टेलोर गूच सात अंडर 63 के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है.

विरोध -प्रदर्शन के कारण डूरंड कप का मैच रद्द

कोलकाता। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच रविवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में होने वाला डूरंड कप मैच को शहर में मौजूदा अशांति के कारण रद्द कर दिया गया है. यह निर्णय कोलकाता पुलिस अधिकारियों और टूर्नामेंट के आयोजकों के बीच एक बैठक के बाद लिया गया.

पेरिस पैरालंपिक का आयोजन 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होगा

पैरालंपिक के सभी खिलाड़ी पदक के दावेदार: झाझड़िया

▸▸ प्रमोद भगत का बाहर होना निराशाजनक

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया ने कहा कि डोपिंग नियमों के उल्लंघन के कारण पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत का भारतीय दल से बाहर होना निराशाजनक है, लेकिन इससे 28 अगस्त से शुरू होने वाले पैरालंपिक खेलों के लिए उनके 25 पदकों के लक्ष्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा. पेरिस पैरालंपिक का आयोजन 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होगा. इसमें भारत के 84 खिलाड़ी 12 खेलों में पदक के लिए जोर लगायेंगे. टोक्यो खेलों के स्वर्ण पदक विजेता (पुरुष एकल एलएल तीन वर्ग) पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को बीडब्ल्यूएफ के डोपिंग निरोधक वेयरअबारट (ठिकाने का पता) नियम के उल्लंघन के कारण 18 महीने के लिये निलंबित कर दिया है. पेरिस पैरालंपिक के लिए भारतीय दल के विदाई समारोह के इतर झाझड़िया ने भाषा को दिये इंटरव्यू में प्रमोद के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इस तरह के मामले से निपटने की पूरी जिम्मेदारी खुद खिलाड़ी की होती है. उन्होंने कहा, देखिए, इस में कोई शक नहीं की प्रमोद भगत हमारे स्टार एथलीट और टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता हैं लेकिन मैंने 25 पदक का जो लक्ष्य बनाया है, वह हमारे मौजूदा 84 खिलाड़ियों के दल से है. इसमें प्रमोद भगत शामिल नहीं है. बीडब्ल्यूएफ ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा था, बैडमिंटन विश्व महासंघ इसकी पुष्टि करता है कि भारत के टोक्यो 2020 पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत को 18 महीने के लिए निलंबित किया गया है और वह पेरिस पैरालंपिक नहीं खेलेंगे. इसमें कहा गया, एक मार्च 2024 को खेल पंचाट (सीएएस) डोपिंग निरोधक प्रभाग ने भगत को बीडब्ल्यूएफ के डोपिंग निरोधक नियम के उल्लंघन का दोषी पाया. वह एक साल में तीन बार अपना ठिकाना बताने में नाकाम रहे थे. 36 वर्ष के एसएल3 खिलाड़ी भगत ने सीएएस (खेल पंचाट) के अपील विभाग में इस फैसले को चुनौती दी थी, जो पिछले महीने खारिज हो गई.

झाझड़िया ने कहा, प्रमोद की देश के लिए उपलब्धि काफी बड़ी है लेकिन खेल के जो नियम-कानून है उन्हें खिलाड़ी को किसी भी हालत में पूरा करना होता है. उनकी तरफ से कही ना कही कमी रही है. पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाले झाझड़िया ने कहा, प्रमोद का भारतीय दल में नहीं होना एक झटका है. अबकी बार 25 पार लक्ष्य पर उन्होंने कहा, मैंने यह लक्ष्य कुछ परख कर बताया है.

पेरिस पैरालंपिक में भारत 12 खेलों में हिस्सा लेगा

नयी दिल्ली। भारत इस बार 12 खेलों में प्रतिस्पर्धा करेगा, जिसमें पैरा साइकिलिंग, पैरा नौकाचालन और दृष्टिबाधित जूडो देश की नई स्पर्धाएं होंगी. भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने घोषणा की है कि यह भारत के पैरालंपिक खिलाड़ियों की बढ़ती विविधता और प्रतिभा को दर्शाता है. आंध्र प्रदेश के अरशद शेख पैरा साइकिलिंग में अपना पैरालंपिक पदार्पण करेंगे. उन्होंने एशियाई रोड पैरा साइकिलिंग चैंपियनशिप में पुरुषों की एलीट व्यक्तिगत टाइम ट्रायल सी2 श्रेणी में रजत पदक जीतकर अपना कोटा हासिल किया था. आंध्र प्रदेश के कोंगानापाले नारायण पैरा नौकाचालन में और हरियाणा की कोकिला कौशिकलाते दृष्टिबाधित जूडो में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी.

सुमित और भाग्यश्री उदघाटन समारोह में ध्वजवाहक रहेंगे : भारतीय पैरा-एथलीट सुमित अंतिल और भाग्यश्री जाधव को पेरिस 2024 पैरालंपिक उद्घाटन समारोह में संयुक्त ध्वजवाहक के रूप में चुना गया है, जो 28 अगस्त को आयोजित होना निर्धारित है. यह घोषणा भारतीय पैरालंपिक दल को पेरिस के लिए रवाना करने के दौरान की गई. सुमित अंतिल टोक्यो 2020 पैरालंपिक में स्वर्ण जीतने के बाद पुरुषों की एफ64 श्रेणी में मौजूदा भाला फेंक ओलंपिक चैंपियन हैं. वह दो बार के विश्व चैंपियन भी हैं और 25 वर्षीय एथलीट इस श्रेणी में विश्व रिकॉर्ड धारक भी हैं.सुमित ने पहली बार 2023 विश्व चैंपियनशिप में विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जहां उन्होंने 70.83 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था. उन्होंने हांगझोऊ में एशियन पैरा गेम्स में 73.29 मीटर का थ्रो फेंकते हुए स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर किया था. दूसरी ओर, भाग्यश्री जाधव ने एशियन पैरा गेम्स में एफ34 श्रेणी में महिलाओं की शॉट पुट में रजत पदक जीता. उन्होंने टोक्यो 2020 में भी प्रतिस्पर्धा की थी, जहां उन्होंने सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी. उन्होंने मई में पैरा-एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की एप34 शॉट पुट में भी रजत पदक जीता था.

84 एथलीटों के साथ, भारत पेरिस 2024 पैरालंपिक में अब तक का सबसे बड़ा दल भेज रहा है. टोक्यो 2020 पैरालंपिक में, भारत ने 54 एथलीट भेजे थे. भारतीय एथलीट पेरिस में पहली बार पैरा साइकिलिंग, पैरा रोइंग और ब्लाइंड जूडो जैसे खेलों में भी प्रतिस्पर्धा करेंगे.

सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट : अल्कराज ने रैकेट तोड़ा

हार के बाद रैकेट पर निकाला गुस्सा

एजेंसी। सिनसिनाटी

चार बार के ग्रैंड स्लैम विजेता कार्लोस अल्कराज ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में गेल मोनफिल्स से हारने के बाद अपना गुस्सा रैकेट पर निकाला और उसे कई बार नीचे पटककर तोड़ डाला. मोनफिल्स ने तीन सेट तक चले इस कड़े मुकाबले में 4-6, 7-6 (7-5), 6-4 से जीत दर्ज की. बारिश के कारण यह मैच गुरुवार को पूरा नहीं हो पाया था. दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कराज ने मैच के बाद कहा, मुझे ऐसा लगा जैसे यह मेरे करियर का अब तक का सबसे खराब मैच था. मैंने वास्तव में बहुत अच्छी तैयारी कर रही थी और मैं अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन मैं उस तरह का खेल नहीं दिखा पाया. मैं इस मैच को भूल जाना चाहता हूं और अमेरिकी ओपन में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं. यह टूर्नामेंट 26 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण माना जाता है. मोनफिल्स का सफर भी लंबा नहीं चला और शुक्रवार को बाद में खेले गए मैच में वह होल्गर रूण से 3-6, 6-3, 6-4 से हार गए. महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने मार्ता कोस्त्युक पर 6-2, 6-2 की शानदार जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. आर्यना सबालेंका भी एलिना स्वितोलिना पर 7-5, 6-2 से जीत के साथ आगे बढ़ने में सफल रही लेकिन फ्रेंच ओपन और विंबलडन में उपविजेता रही जैस्मीन पाओलिनी को मीरा एंड्रीवा से 3-6, 6-3, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा. एक अन्य मैच में अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन को 7-5, 6-1 से हराया.

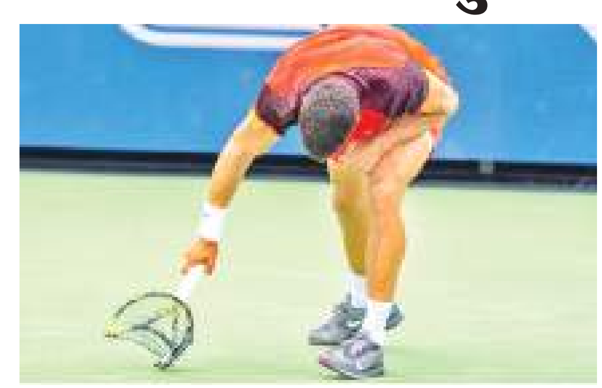

नीरज चोपड़ा ने लुसाने डाइमंड लीग में हिस्सा लेने की पुष्टि की

भाषा। नयी दिल्ली

भारत के दोहरे ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शनिवार को 22 अगस्त को लुसाने में होने वाली आगामी डाइमंड लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पुष्टि की. लंबे समय से ग्रोइन की चोट से परेशान नीरज ने हाल में संपन्न पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता था. नीरज ने वर्चुअल बातचीत के दौरान कहा, मैंने अंततः 22 अगस्त को होने वाली लुसाने डाइमंड लीग में हिस्सा लेने का फैसला किया है. आठ अगस्त को ओलंपिक के भाला फेंक फाइनल के बाद कुछ दिन व्यस्त रहने के बाद नीरज ने स्विटजरलैंड में ट्रेनिंग शुरू कर दी है और चोट के बावजूद सत्र को बेहतर तरीके से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. ब्रुसेल्स में 13-14 सितंबर को होने वाली सत्रांत डाइमंड लीग के बाद नीरज अपनी ग्रोइन की चोट को लेकर में डॉक्टरों से परामर्श लेंगे और सर्जरी सबसे संभावित विकल्प है.

पेरिस खेलों में 90 मीटर के अपने लक्ष्य से मामूली अंतर से चूकने के बाद, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने इस लक्ष्य को अब भगवान के भरोसे छोड़ दिया है. नीरज ने पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता. पेरिस ओलंपिक में उनके छह प्रयास में से यह इकलौता वैध प्रयास था. लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतना किसी भारतीय एथलीट के लिए एक बड़ी उपलब्धि है उनका प्रयास पाकिस्तान के अरशद नदीम के ओलंपिक रिकॉर्ड प्रयास से 92.97 मीटर से काफी कम था. नदीम इस दौरान व्यक्तिगत खेलों में पाकिस्तान के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने. नीरज ने निकट भविष्य में अपने 90 मीटर के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, अब लगता है कि इस तरह के लक्ष्य को 'ऊपरवाले' पर छोड़ना होगा.

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर 239 रन की बढ़त बनाई

प्रोविडेंस। एडेन मार्कराम और काइल वेरेन के अर्धशतकों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन 239 रन की बढ़त हासिल कर ली. अपनी पहली पारी में 160 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 223 रन बनाए हैं. वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 144 रन पर आउट हो गई थी. मार्कराम ने 50 रन बनाए जबकि वेरेन 51 रन बनाकर खेल रहे हैं. उनके साथ दूसरे छोर पर वियान मुल्डर 34 रन बनाकर खेल रहे हैं. इससे पहले वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर ने नाबाद 54 रन की पारी खेली. उन्होंने शमर जोसेफ (25) के साथ दसवें विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को दक्षिण अफ्रीका के स्कोर के करीब पहुंचाया. प्रोविडेंस स्टेडियम में शुरुआती दिन 17 और दूसरे दिन आठ विकेट गिरे. वियान मुल्डर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए चार विकेट लिए. वेस्टइंडीज की तरफ से पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले जेडेन सील्स ने दूसरी पारी में अभी तक 52 रन देकर तीन विकेट लिए हैं. इन दोनों टीम के बीच त्रिनिदाद में खेला गया पहला मैच बारिश से प्रभावित रहा था और ड्रॉ समाप्त हुआ था. दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला खेली जाएगी.

साक्षात्कार

कोच हरेंद्र की महिला हॉकी टीम को सलाह, टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने को भूलें

अतीत को भूलकर भविष्य के बारे में सोचो, आगे बढ़ो : हरेंद्र सिंह

भाषा। नयी दिल्ली

अतीत को भुलाकर भविष्य के बारे में सोचो, लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारी में जुटे भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने अपनी टीम को यही सलाह दी है. टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी, जहां पुरुष टीम ने लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता. हरेंद्र ने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, जब मैं इस टीम के साथ फिर जुड़ा तो हमने इस पर विस्तार से बात की. मैं हमेशा सकारात्मक चीजें देखता हूं और मेरा मानना है कि उनके लिये कुछ बेहतर

भविष्य के गर्भ में छिपा है. लड़कियां टूटी हुई थीं और पूरा देश उनके ओलंपिक नहीं खेल पाने से दुखी था, लेकिन मैंने उनसे कहा कि कुछ बड़ा आपका इंतजार कर रहा है. इस साल अप्रैल में भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच बनने के बाद अपने पहले इंटरव्यू में उन्होंने कहा, मैंने उनसे कहा कि अतीत को भूल जाओ और भविष्य के बारे में सोचो. मैंने इस मिशन को रोड टू एलए 2028 नाम दिया है और मुझे लगता हे कि यह सफर खूबसूरत होगा. इससे पहले 2017-18 में भारतीय महिला टीम के कोच रहे हरेंद्र ने कहा कि उनका लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक है. उन्होंने कहा, भारत ने हॉकी में पहला ओलंपिक पदक 1928 में लॉस एंजिलिस में ही जीता था जब ध्यान चंद जी उस टीम का हिस्सा थे. इससे बेहतर क्या होगा कि हम सौ साल बाद उसी स्थान पर ओलंपिक पदक जीतें. यह पूछने पर कि वह टीम में क्या बदलाव लाना चाहते हैं, उन्होंने कहा, पिछले चार साल में जो अच्छा काम हुआ है, मैं उसे नहीं बदलूंगा. इसके बाद एक एक करके देखेंगे कि कहां गलतियां हुई है. मैंने खिलाड़ियों से कहा है कि प्रो लीग में अच्छे नतीजे नहीं मिल सकते हैं, क्योंकि हमें एलए 2028 की नींव तैयार करनी है. यह पूछने पर कि अमेरिका पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में अच्छी तनख्वाह छोड़कर उन्होंने लौटने का फैसला क्यो किया, उन्होंने कहा, मैं अपने देश लौटकर और यहां महिला सशक्तिकरण के लिए अपना योगदान देकर खुश हूं. मुझे लगता है कि भारतीय हॉकी की सेवा का यह सुनहरा मौका है.

उन्होंने कहा, मैंने अमेरिका में कोचिंग के दौरान बहुत कुछ सीखा. रियो ओलंपिक के बाद हमें समझ में आया कि अब नहीं जागे तो बहुत देर हो जायेगी. हमारे पास भारत में हॉकी में इतनी प्रतिभा और बेहतरीन बुनियादी ढांचा है, जिसने मुझे प्रेरित किया.

खेलों की शक्ति का उपयोग सामाजिक उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए: यूनुस

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने शनिवार को कहा कि खेलों की शक्ति का उपयोग सामाजिक उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए जैसा कि पेरिस ओलंपिक 2024 के दौरान किया गया था. पेरिस 2024 और उसके साझेदारों ने ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों को आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण की दृष्टि से एक जिम्मेदार प्रतियोगिता बनाने का निर्णय लिया है. नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस ने कहा, मैं खेलों की शक्ति का उपयोग सामाजिक उद्देश्यों के लिए करने के लिए प्रोत्साहित करता रहा हूं. मुझे खुशी है कि पेरिस ओलंपिक 2024 ने इस पर ध्यान दिया. पेरिस ओलंपिक 2024 के

साथ हमने ओलंपिक की एक नई अवधारणा बनाई- सामाजिक व्यवसाय ओलंपिक. यूनुस (84 साल) ने ये टिप्पणियां तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट को संबोधित करते हुए की जिसे भारत ने वर्चुअल रूप से आयोजित किया. जब ढाका में छात्रों के नेतृत्व में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के कारण शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई तब यूनुस पेरिस में थे.

ब्रीफ खबरें

25 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के राजगीर पर्यटक स्थल वनगंगा देवीस्थान के समीप घूमने आये 25 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी. घटना शुक्रवार की रात आठ बजे की बताई जा रही है. मृतक की पहचान भोजपुर के आरा थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा निवासी मंजित के रूप में की गयी है. राजगीर अनुमंडल के पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि युवक दोस्तों के साथ 15 अगस्त को राजगीर घूमने आया था और हर जगह की फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया था.

चोरी गई 10 कंप्यूटर बरामद, 2 गिरफ्तार

नवादा । जिले के धमनी हाई स्कूल में चोरी के मामले का पर्दाफाश कर दिया गया है. पुलिस ने चोरी गई 10 कंप्यूटर, यूपीएस तथा सीपीयू को शनिवार को बरामद कर ली है. साथ ही दो चोरों की गिरफ्तारी भी की गई है. चोरों के पास से एक कट्टा, अपाची बाइक तथा जमुई जिले से चोरी की गई एक पिकअप भी बरामद की गई है. तीन ब्लेड, एक छुरा भी मिला है. गिरफ्तार आरोपितों ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है. नवादा पुलिस द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि कौआकोल थाना कांड सं. 279/24 का उद्भेदन कर लिया गया है.

तीन लाख भारतीय करेंसी के साथ दो गिरफ्तार

अररिया : एसएसबी 56वीं बटालियन ने बथनाहा अंतर्गत पथरदेवा बीओपी के जवानों ने भारत-नेपाल सीमा के समीप दो युवक को तीन लाख भारतीय मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार दोनों युवक नेपाल की ओर से एक चार पहिया वाहन पर सवार होकर भारतीय क्षेत्र में आ रहे थे. इस दौरान सोनापुर पंचायत के कोचगामा गांव के पास एसएसबी ने जब वाहन रोककर जांच की तो सीट के पीछे टूल में रखे पॉलिथीन में तीन लाख भारतीय करेंसी बरामद हुआ. एसएसबी ने बरामद राशि को जब्ती-सूची बनाकर बथनाहा थाना के सौंप दिया.

मुख्यमंत्री ने राजगीर खेल परिसर का किया निरीक्षण, बोले

निर्माण कार्य तेजी से पूरा करें

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राजगीर खेल परिसर का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने इंडोर और आउटडोर स्टेडियम के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया. उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्पोर्ट्स एकेडमी सह निर्माणाधीन स्टेडियम का भी जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बचे हुए निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि इस खेल अकादमी में विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्यों को पूर्ण करें. यह अकादमी देश के लिए अनोखी और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी. यहां कई खेलों के ट्रेनिंग सेंटर के अलावा विश्वस्तरीय खेल पुस्तकालय भी होगा. इन प्रयासों से राज्य में खेल का वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी साथ ही प्रतिभावान युवकों को अवसर भी मिलेंगे. उन्होंने कहा कि राजगीर ऐतिहासिक स्थल है. यहां सभी प्रकार की सुविधाओं का इंतजाम किया गया है. बड़ी संख्या में यहां पर्यटक आते हैं. राजगीर अब पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है. निरीक्षण के दौरान ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधायक कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, पूर्व विधायक चंद्रसेन कुमार, पूर्व विधायक ई सुनील, पूर्व विधान पार्षद राजू यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार आदि मौजूद थे.

सीएम नीतीश कुमार ने दी रक्षाबंधन की सौगात

पटना के सिटी बस में फ्री में यात्रा करेंगी महिलाएं

संवाददाता । पटना

रक्षाबंधन को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को बड़ा गिफ्ट दिया है. 19 अगस्त को पटना में चलने वाली सिटी सर्विस बस में यात्रा करने के लिए महिलाओं को पैसे नहीं देने होंगे. यानी राखी के दिन महिलाएं बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की सिटी सर्विस की बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी. उन्हें किसी तरह का कोई पैसा नहीं देना होगा. बिहार सरकार में परिवहन विभाग की मंत्री शीला कुमारी की ओर से यह निर्देश जारी किया गया. पटना शहरी क्षेत्रों में रक्षाबंधन पर महिलाओं एवं छात्राओं को निः शुल्क यात्रा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है. इधर, परिवहन विभाग के सचिव और सीनियर आईएएस अधिकारी सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा राजधानी में कुल 135 सिटी सर्विस की बसों का परिचालन किया जा रहा है. इसमें 25 इलेक्ट्रिक बसें हैं. बाकी सारी बसें सीएनजी से परिचालित हैं. इन सभी सभी बसों में रक्षाबंधन के दिन महिलाओं एवं छात्राओं के लिए बस सेवा पूरी तरह मुफ्त रहेगी. अगर किसी तरह का पैसा मांगा जाता है कि फौरन विभाग को इसकी शिकायत करें. मंत्री के निर्देश के बाद बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों में यात्रा करने वाली महिलाएं और छात्राओं को फ्री बस की सुविधा सुबह 6:00 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक मिलेगी. पटना नगर बस सेवा के मार्ग संख्या 111, 111A, 222, 444, 555, 666, 888, 888A 100, 200, 999 और पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से परिचालित बसों में यह सुविधा रक्षाबंधन के दिन लागू रहेगी.

राजद नेता के घर कुर्की की हुई कार्रवाई

दरवाजा-खिड़की उखाड़ ले गई पुलिस

संवाददाता । मोतिहारी

मेयर पति व राजद नेता देवा गुप्ता के घर शनिवार को कुर्की की कार्रवाई हुई है. कुर्की करने के दौरान भारी संख्या मे मोतिहारी पुलिस को तैनात किया गया था. यहां आकर उनके हिस्से के घर की पुलिस ने पहचान की और इसका चौकठ जंगला इत्यादि सामान को निकाला गया. बता दें कि देवा गुप्ता मोतिहारी के मेयर प्रीति कुमारी के पति हैं और राजद नेता हैं. देवा गुप्ता को तेजस्वी यादव का काफी करीबी माना जाता है. इनके विरुद्ध चकिया में एक संवेदक की हत्या का मामला लंबित है. इस मामले में शनिवार को कार्रवाई हुई है.

चकिया में संवेदक राजीव रंजन यादव की 22 अगस्त की सुबह हत्या हुई थी. इसमें चकिया थाना से महज कुछ कदम की दूरी पर ठेकेदार राजीव रंजन यादव की हत्या हुई थी. इस मामले में देवा गुप्ता, राहुल सिंह मुखिया, कुणाल सिंह, पुष्कर सिंह और रूपेश सिंह को नामजद बनाया गया था, जबकि दो अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज हुई थी.

केसरिया में ठेकेदारी के लिए राजीव ने टेंडर डाला था, जिससे राहुल सिंह उर्फ मुखिया व देवा गुप्ता इससे नाराज थे और टेंडर नहीं डालने के लिए दबाव बनाए हुए थे.

देव गुप्ता पर मोतिहारी जिले के कई थानों में एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं. मोतिहारी पुलिस देवा गुप्ता को संगठित आपराधिक गिरोह का संचालक मानती है. यह कार्रवाई चकिया थाना कांड संख्या 301/23 में की गई है. देवा गुप्ता के ऊपर मोतिहारी नगर थाना, केसरिया थाना, कोटवा थाना, पिपरा थाना, छतौनी थाना में चार और रक्सौल थाना में दो कांड दर्ज है.

बिहार के तीन जिलों में भारी बारिश, अलर्ट जारी

पटना : बिहार के लोगों को उमस भरी गर्मी से निजात मिल सकती है मौसम विभाग ने शनिवार को तीन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट और नौ जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की आशंका के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है. बिहार के मौसम की चाल काफी धीमी हो गयी है. वहीं अन्य राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है. मौसम विभाग ने केवल तीन जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग ने किशनगंज, रोहतास और कैमूर में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में झमाझम बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई है.

24 अगस्त को आएगा फैसला

लैंड फॉर जॉब का मामला

पटना । बिहार लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू यादव और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव सहित अन्य आरोपियों को समन भेजने पर फैसला सुरक्षित रखा है. राउज एवेन्यू कोर्ट अब इस फैसले को 24 अगस्त को सुनाएगा. बता दें कि ईडी द्वारा 6 अगस्त को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की गई थी. इस चार्जशीट में लालू, तेजस्वी समेत 11 लोग आरोपित हैं. अब अदालत द्वारा 24 अगस्त को यह फैसला सुनाया जाएगा. इस फैसले में यह निर्णय लिया जाएगा कि घोटाले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनके बेटे तेजस्वी यादव और आठ अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लिया जाए या नहीं.

तीन गिरफ्तार, पैसे के लेन-देन को लेकर हुई थी हत्या

रौनक हत्याकांड का खुलासा

संवाददाता । भागलपुर

जिले के तातारपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत बहुचर्चित दवा व्यवसायी रौनक केडिया हत्याकांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन करते हुए घटना को अंजाम देने वाले शूटर एवं साजिशकर्ता सहित तीन अपराधकर्मी को गिरफ्तार कर लिया है. साथ ही घटना में प्रयुक्त पिस्टल एवं बुलेट बाइक भी बरामद किया गया है. उक्त आशय की जानकारी शनिवार को एसएसपी आनंद कुमार ने एक प्रेस वार्ता के दौरान दी. एसएसपी ने बताया कि बीते 07 अगस्त की रात्रि में तातारपुर थाना अन्तर्गत काजवलीचक के रहने वाले रौनक केडिया को अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. एफएसएल टीम एवं वरीय पदाधिकारियों के द्वारा तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण किया गया. जहां से 5 गोली एवं 1 पिलेट जब्त किया गया. घटना का उद्भेदन एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए राज पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं अजय कुमार चौधरी पुलिस उपाधीक्षक नगर के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित की गई थी.

दुष्कर्म मामले में आरोपी के घर चला बुलडोजर

मुजफ्फरपुर : मुजफ्फरपुर जिले के पारू थाना क्षेत्र में बीते दिनों नाबालिग लड़की के साथ निर्मम तरीके से हत्या मामले में पुलिसिया कार्रवाई तेज हुई है. अब तक बीते 24 घंटे पूर्व हुए इश्तहार को चस्पा करने के बाद मामले में पुलिस ने शनिवार दोपहर बाद कार्रवाई करते हुए कांड में फरार चल रहे मुख्य आरोपी के घर बुलडोजर चलवा दिया, इसके साथ ही कुर्की की कार्रवाई भी की गई है. इस पूरे मामले को लेकर एसडीपीओ सरैया कुमार चंदन ने बताया कि बीते दिनों पारू थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ जघन्य अपराध किया गया था. इस मामले में गांव के रहने वाले संजय अपने अन्य सहयोगी के साथ फरार चल रहा है.

नवादा में युवक की पीट कर हत्या, नदी किनारे मिला शव

संवाददाता । नवादा

नवादा में नदी के किनारे शनिवार को एक युवक का शव मिला है. मृतक के परिजन ने युवक के हत्या का आरोप लगाया है. नगर थाना क्षेत्र के इलाके में नदी किनारे युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है और कहा जा रहा है कि पीट-पीटकर युवक की हत्या की गईं है. मृतक शहर के बड़ी दरगाह मोहल्ला निवासी मो. नूरी आलम खलीफा के पुत्र मोहम्मद आजाद उर्फ छोटू है. हत्या की जानकारी मिलते ही नवादा सदर डीएसपीओ अनोज कुमार

घटनास्थल पर पहुंचे. शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है. युवक के शरीर पर जख्म के कई निशान भी पाए गए हैं. घटना के बाद मृतक के परिजन में कोहराम मच गया है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले के जांच में जुट गई है.

बालू खनन करने वाले 54 अवैध कारोबारी व माफिया गिरफ्तार

संवाददाता । पटना

पुलिस ने शुक्रवार देर रात बिहटा के अमनाबाद में बालू माफिया के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया. इस दौरान पुलिस ने सोन नदी में अवैध खनन करते हुए बालू खनन, भंडारण एवं परिवहन करने वाले 54 अवैध कारोबारी एवं माफियाओं को गिरफ्तार किया. इसके साथ ही बालू लदे पांच नाव को भी जब्त किया. जिस पर 45 सौ सीएफटी बालू लदा था. वेस्ट एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि लगातार बालू के अवैध खनन और रंगदारी की सूचना मिल रही थी. जिसे लेकर दो टीम गठित कर भोजपुर सोन नदी से बिहटा दियारा क्षेत्रों में करवाई की गई. जिसमें बालू के अवैध खनन के धंधे में शामिल कुल 54 लोगों को गिरफ्तार किया गया. इसके साथ ही पांच नाव को बरामद किये गए. जिसमें तीन नाव ऐसे हैं जिसमें सक्शन लगा मशीनों के जरिए बड़े-बड़े पाइप के द्वारा गंगा नदी से नायब तरीके से अवैध बालू निकाला जा रहा था. गिरफ्तार 54 लोग बालू के अवैध खनन में शामिल बालू खनन माफिया और कारोबारी सिपाही राय के गुर्गे हैं.

कारोबार

आईएमएफ के साथ सहयोग बढ़ेगा

नयी दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आईएमएफ की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ के साथ बैठक की. इस दौरान सीतारमण ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए और अधिक तरीके तलाशने को तैयार है. बैठक में गोपीनाथ ने राजकोषीय समेकन के लिए सरकार के उपायों के लिए वित्त मंत्री को बधाई दी. वित्त मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वित्त मंत्री ने कहा कि भारत आईएमएफ के साथ अपने संबंधों और निरंतर जुड़ाव को बहुत महत्व देता है.

कच्चे पेट्रोलियम पर अप्रत्याशित कर घटाया

नयी दिल्ली : सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित कर को 4,600 रुपये प्रति टन से घटाकर 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया है. यह कर शनिवार से प्रभावी हो गया है. यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के रूप में लगाया जाता है. डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है. आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि नई दरें 17 अगस्त दिन शनिवार से प्रभावी हो गई हैं. भारत ने पहली बार एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया, जिससे वह उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं.

भारत ने पोलैंड को अंजीर के रस की निर्यात की

नयी दिल्ली : भारत ने पोलैंड से अनूठे कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने की अपनी पहल के तहत अंजीर के रस की पहली खेप पोलैंड को निर्यात की है. वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने जीआई-टैग वाले पुरंदर अंजीर से बने भारत के पहले पीने के लिए तैयार अंजीर के रस के पोलैंड को निर्यात की सुविधा प्रदान की. जीआई टैग उस वस्तु को कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है, दूसरों द्वारा अनधिकृत उपयोग को रोकता है और उत्पाद के निर्यात को बढ़ावा मिलेगी.

रक्षाबंधन के पहले महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी कीमत

संवाददाता । नई दिल्ली

रक्षाबंधन के पहले शनिवार को घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. सोने की कीमत में शनिवार को 110 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है. इसी तरह चांदी भी शनिवार को 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया है.

शनिवार की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 71,780 रुपये से लेकर 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 65,8100 रुपये से लेकर 65,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 84,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है. देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना शनिवार को 71,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 65,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी शनिवार को सोने की कीमत में तेजी आई है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है.

क्रिटिकल मिनरल्स का एक्सपोर्ट किया बंद

भाषा । नयी दिल्ली

खनिज पदार्थ अगर राजस्व का स्रोत होता है तो किसी देश की ताकत का हिस्सा भी होता है. यही वजह है कि हर विकसित देशों की नजर दुनिया के उन देशों पर होती हैं, जहां खनिज पदार्थ पाए जाते हैं.

इस मामले में सबसे शातिर चीन माना जाता है. वैसे दुनिया में कई खनिज पदार्थों के उत्पादन में चीन का दबदबा है. इसी का फायदा उठाते हुए चीन ने अपनी चाल चलते हुए अब कई क्रिटिकल मिनरल्स का एक्सपोर्ट बंद कर दिया है. इसी कड़ी में चीन की सरकार ने अब एंटीमनी और उससे संबंधित एलिमेंट्स के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगाने का फैसला किया है. दुनिया में एंटीमनी के उत्पादन में चीन की हिस्सेदारी पिछले साल 48% थी. यह एक

स्ट्रैटजिक मेटल है जिसका इस्तेमाल कई तरह के सैन्य साजोसामान बनाने में होता है. इनमें गोला-बारूद, इन्फ्रारेट मिसाइल, परमाणु हथियार, नाइट विजन गोगल्स, बैटरी और फ ोट ोव ॉल्ट क इक्विपमेंट बनाने में होता है. चीन की सरकार ने एक बयान में कहा कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों तथा अप्रसार के अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने के लिए एंटीमनी के एक्सपोर्ट पर पाबंदियां

बढ़ेगी मुश्किल

- एंटीमनी का इस्तेमाल सैन्य साजोसामान बनाने में होता है
- एंटीमनी से गोला-बारूद व परमाणु हथियार बनता है

लगाई जा रही हैं. चीन का कहना है कि यह पाबंदी किसी खास देश या रीजन के लिए नहीं है. लेकिन जानकारों का कहना है कि यह चीन की नई चाल है.

एंटीमनी की सप्लाई बंद होने से अमेरिका और यूरोपीय देशों की सेनाओं पर सबसे ज्यादा असर होगा. चीन ने 15 सितंबर से छह तरह के एंटीमनी के प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगाई है. इनमें एंटीमनी ओर, एंटीमनी मेटल्स और एंटीमनी ऑक्साइड शामिल है. साथ ही गोल्ड-एंटीमनी स्मेल्टिंग और सेपरेशन टेक्नोलॉजी के एक्सपोर्ट के लिए भी सरकार से अनुमति लेनी होगी. वहीं चीन ने कुछ ग्रेफाइट प्रॉडक्ट्स का एक्सपोर्ट भी बंद कर दिया है. इसके अलावा गैलियम और जर्मेनियम का एक्सपोर्ट भी बंद कर दिया है. जिनका सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में व्यापक इस्तेमाल होता है. बढ़ती डिमांड और टाइट सप्लाई के कारण इस साल एंटीमनी की कीमत रेकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुकी है.

खासकर फोटोवॉल्टिक सेक्टर में इसकी मांग काफी बढ़ी है जहां इसका इस्तेमाल सोलर सेल की परफॉरमेंस सुधारने में होता है. चीन दुनिया में रिफाइंड एंटीमनी का सबसे बड़ा सप्लायर है लेकिन वह थाईलैंड, म्यांमार और रूस जैसे देशों से इसके अयस्क का आयात करता है. बता दें कि अमेरिका और दूसरे देश क्रिटिकल मेटल्स की सप्लाई के लिए काफी हद तक चीन पर निर्भर हैं. इन देशों ने अब चीन के विकल्प पर काम करना शुरू कर दिया है. मसलन अमेरिका में प्रिपेटुआ रिसोर्सेज एंटीमनी और गोल्ड प्रोजेक्ट पर काम कर रही है. उसकी 2028 तक उत्पादन शुरू करने की योजना थी लेकिन चीन की हरकत से उसे अब जल्दी से जल्दी यह काम करना होगा. पिछले साल से चीन कई क्रिटिकल मेटल्स की सप्लाई पर पाबंदी लगा चुका है. दिसंबर में चीन ने रेयर अर्थ मेग्नेट्स बनाने में काम आने वाली टेक्नोलॉजी के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगा दी थी. उससे पहले ही वह क्रिटिकल मटीरियल्स को एक्ट्रैक्ट और सेपरेट करने में काम आने वाली टेक्लोलॉजी के निर्यात पर बैन लगा चुका था.

हाल के वर्षों में भारत ने काफी उन्नति की है : एसोचैम महासचिव

एजेंसियां । मुंबई

उद्योग मंडल एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान और दर्शन विकसित राष्ट्र की दिशा में मार्गदर्शक बन सकता है. उन्होंने शुक्रवार देर शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक पुस्तक के विशेष विमोचन समारोह में कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने जो वृद्धि और उन्नति देखी है, वह देश के नेतृत्व का परिणाम है. सूद ने कहा कि इस पुस्तक ने हमें बताया है कि हमने अपने लक्ष्य की ओर कितनी प्रगति की है. उन्होंने कहा, हमें प्राचीन ज्ञान और दर्शन का आशीर्वाद प्राप्त है, जो विकसित राष्ट्र की दिशा में हमारा मार्गदर्शक प्रकाश बन सकता है. अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक और इस समय क्षमता निर्माण आयोग में सदस्य (मानव संसाधन) आर बालासुब्रमण्यम की किताब 'पावर विदिनः द लीडरशिप लिगेसी ऑफ प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी' भारत के सभ्यतागत ज्ञान को दर्शाती है.

भंडारण क्षेत्र की मांग 77 प्रतिशत गिरी : वेस्टियन

रियल एस्टेट भंडारण

एजेंसियां । नयी दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली में इस वर्ष जनवरी-जून के दौरान भंडारण (वेयरहाउसिंग) और लॉजिस्टिक्स स्थानों की पट्टा गतिविधियों में 77 प्रतिशत की गिरावट देखी गई. रियल एस्टेट परामर्श कंपनी वेस्टियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान चेन्नई में मांग में तीन गुना हो गई. जनवरी-जून, 2024 के लिए वेस्टियन की नवीनतम वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष की पहली छमाही के दौरान

जनवरी-जून में सात प्रमुख शहरों में वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स स्थानों का पट्टा आठ प्रतिशत बढ़कर 1.66 करोड़ वर्ग फुट हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.54 करोड़ वर्ग फुट था.

बैठक | जीएसटी काउंसिल से रियल एस्टेट डेवलपर्स को मिल सकती है राहत

ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक में हो सकता है फैसला

एजेंसियां । नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल की 9 सितंबर को होने वाली बैठक में रियल एस्टेट डेवलपर्स को राहत मिलने के संकेत मिल रहे हैं. इस बैठक में जमीन के सौदों में डेवलपमेंट राइट्स पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी का विवाद भी सुलझ सकता है.

अगले सप्ताह 22 अगस्त को रियल एस्टेट से संबंधित फैसला लेने के लिए गठित ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा करके ठोस प्रस्ताव तैयार किया जा सकता है. जानकारों के मुताबिक 22 अगस्त को ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक में इस

मुद्दे पर चर्चा होने के आसार हैं. रियल एस्टेट डेवलपर्स लंबे समय से इस मुद्दे को लेकर सरकार के सामने अपना पक्ष रख रहे हैं. डेवलपर्स का कहना है कि जमीन के सौदों में ज्वाइंट डेवलपमेंट राइट्स पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने से लैंड कॉस्ट में बढ़ोतरी हो जाती है, जिसका असर रियल एस्टेट के ग्राहकों पर पड़ता है. खास कर फ्लैट और होम बायर्स के लिए लागत काफी अधिक बढ़ जाती है, जिसकी वजह से रियल एस्टेट सेक्टर के डेवलपमेंट पर नेगेटिव असर भी पड़ता है.

खास बातें

- 18 प्रतिशत जीएसटी का विवाद भी सुलझ सकता है
- रियल एस्टेट डेवलपर्स अपना पक्ष रखेंगे

मौजूदा नियमों के मुताबिक विकसित होने योग्य भूमि (डेवलपेबल लैंड) की खरीद-बिक्री पर तो जीएसटी नहीं लगता है लेकिन जमीन के विकास के लिए डेवलपमेंट राइट्स लेने पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाई जाती है. ऐसा होने से जमीन की ओवरऑल कीमत में बढ़ोतरी हो जाती है और फ्लैट या घर खरीदने वाले लोगों के लिए सौदा महंगा हो जाता है. सौदा महंगा होने का असर ये होता है कि कुल सौदों की संख्या में कमी आ जाती है.

इसके परिणामस्वरूप रियल एस्टेट डेवलपर्स के मुनाफे पर प्रतिकूल असर पड़ता है. कई बार अपना फंसा हुआ पैसा निकालने के लिए रियल एस्टेट डेवलपर्स को कम मुनाफे पर या मामूली नुकसान पर ही सौदे को फाइलन करना पड़ता है.

पेज एक का शेष

वे डोलत रस आपने...

सीसीसी पर भी ऐसी ही कोई रणनीति बन सकती है. संभव यह भी है कि भाजपा सीसीसी को राज्यवार लागू कराने की सोच रही हो. जैसे उत्तराखंड में यह लागू हो गया है, वैसे ही उसके शासनवाले दूसरे राज्य भी लागू करें और दबाव इतना बढ़े कि संसद में भी अनुकूल माहौल बन जाये. लेकिन यदि भाजपा अपने एजेंडे पर ऐसे ही आगे चलती रहेगी तो साथियों से कब तक निभेगी. रहीम ने लिखा है- "कह रहीम कैसे निभें केर बेर को संग, वे डोलत इस आपने उनके फाटत अंग". देखना है कि लाल किले से सीसीसी पर प्रधानमंत्री के संकल्प का क्या होता है और राजनीति कोई करवट लेती है या नहीं. अपने वैचारिक, सैद्धांतिक आवरण को विदीर्ण होता देख एनडीए के घटक दल कब तक सहनशील बने रहेंगे. आखिर यह कब तक चलेगा कि भाजपा अपने एजेंडे लागू करती रहे और साथी दल अपना मूल चरित्र छोड़कर हां में हां मिलाते रहेंगे.

ब्रीफ खबरें

बंदूकधारियों ने 20 छात्रों का किया अपहरण

अबुजा । नाइजीरिया के उत्तर-मध्य क्षेत्र में बंदूकधारियों ने एक विश्वविद्यालय के छात्रों के वाहनों पर घात लगाकर हमला कर कम से कम 20 छात्रों का अपहरण कर लिया. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. बेन्यू राज्य पुलिस प्रवक्ता कैथरीन एनेन ने बताया कि छात्र जब मेडिकल छात्रों के एक सम्मेलन में शामिल होने के लिए दक्षिण की ओर जा रहे थे, तभी गुरुवार शाम को बेन्यू में उन पर घात लगाकर हमला किया गया. यह हमला बेनुए ओटुकपो मार्ग पर हुआ, जहां अपहरण की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं. उत्तरी नाइजीरिया के कुछ हिस्सों में अपहरण की इस तरह की घटनाएं आम हैं. दर्जनों सशस्त्र समूह सीमित सुरक्षा व्यवस्था का फायदा उठाकर गांवों और प्रमुख सड़कों पर हमले करते हैं.

एंबियंस मॉल को बम से उड़ाने की धमकी

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एंबियंस मॉल को शनिवार को तब खाली करा लिया गया जब एक ईमेल में दावा किया गया कि इसके परिसर में बम रखा है. पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि बम निष्क्रिय करने वाली टीम और श्वान दस्ते मौके पर हैं तथा तलाशी अभियान जारी है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एंबियंस मॉल प्रबंधन को सुबह 9.27 बजे बम की धमकी वाला ईमेल मिला. हिडेनबोन्स101एट द रेट ऑफ जीमेल डॉट कॉम से भेजे गए इस ईमेल में लिखा है, मैंने इमारत में बम लगाए हैं. इमारत के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा, आपमें से कोई भी बच नहीं पाएगा. आप मौत के हकदार हैं.

सांप्रदायिक हिंसा के बाद इंटरनेट सेवा बंद

जयपुर । राजस्थान के उदयपुर में एक सरकारी स्कूल के 10वीं कक्षा के छात्र द्वारा अपने सहपाठी को चाकू घोंपने के बाद पैदा हुए सांप्रदायिक तनाव के बीच जिले के कई इलाकों में शुक्रवार रात से 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं. उदयपुर के सभी सरकारी और निजी स्कूल में आगामी आदेश तक अवकाश घोषित कर दिया गया है. पुलिस ने बताया कि हमले में घायल छात्र का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया गया है. दोनों छात्र नाबालिग हैं. उदयपुर के जिलाधिकारी अरविंद पोसवाल ने बताया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए उदयपुर शहर और उदयपुर के सभी सरकारी और निजी स्कूल शनिवार से अगले आदेश तक बंद रहेंगे.

विद्रोहियों के हमले में 16 ग्रामीणों की मौत

किन्शासा । उत्तर-पूर्वी कांगो में इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध आतंकवादियों के हमलों में कम से कम 16 ग्रामीणों की मौत हो गई और 20 अन्य का अपहरण कर लिया गया. एक स्थानीय नागरिक समाज समूह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. न्यू सिविल सोसायटी ऑफ कांगो के समन्वयक जॉन वुल्वेरियो ने बताया कि 'एलीड डेमोक्रेटिक फोर्सेज' के हमलावरों ने इटुरी प्रांत के मम्बासा क्षेत्र में बुधवार और शुक्रवार के बीच स्थानीय लोगों पर उस समय हमले किए, जब वे अपने खेतों में काम कर रहे थे. उन्होंने बताया, मृतकों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि जो 20 अन्य लोग अपहृत किए गए हैं, उनकी कोई जानकारी नहीं है. अपहृत किए गए लोगों में एक अधिकारी गिल्बर्ट शिवमवेंदा की मां और बहन भी शामिल हैं.

हॉलीवुड के संगीतकार ग्रेग किहन का निधन

सैन फ्रांसिस्को । अस्सी के दशक के लोकप्रिय गीतों 'जेओपार्डी' और 'द ब्रेकअप सॉन्ग' के लिए मशहूर 'रॉक एंड रोल' संगीतकार ग्रेग किहन का निधन हो गया है. वह 75 वर्ष के थे. किहन की वेबसाइट पर जारी एक बयान में उनकी प्रबंधन टीम ने बताया कि संगीतकार का अल्जाइमर बीमारी से मंगलवार को निधन हो गया. बाल्टीमोर में 10 जुलाई 1949 को जन्मे किहन 1970 के दशक में सैन फ्रांसिस्को चले गए थे जिसके बाद उन्होंने 'बेसर्क्ली रिकॉर्ड्स' के साथ अनुबंध किया. ग्रेग किहन बैंड को पहली सफलता 1981 में द ब्रेकअप सॉन्ग से मिली. उन्होंने कई उपन्यास एवं लघु कथाएं भी लिखीं.

पीएम मोदी ने कहा, आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद गंभीर खतरा

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विकासशील देशों में, विशेषकर खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्रों में वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रभावों पर चिंता व्यक्त की. मोदी ने तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन में अपने शुरुआती भाषण में इसमें भाग ले रहे देशों को डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा क्षेत्र समेत विभिन्न अहम क्षेत्रों में पूर्ण समर्थन देने की भारत की अटूट प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया.

भारत ने डिजिटल रूप से इस सम्मेलन की मेजबानी की. प्रधानमंत्री ने कहा, आज हम ऐसे वक्त में बैठक कर रहे हैं, जब चारों ओर अनिश्चितता का माहौल है. दुनिया अब भी पूरी तरह से कोविड-19 के प्रभाव से बाहर नहीं आयी है.

दूसरी ओर, युद्ध की स्थिति ने हमारी विकास यात्रा के लिए चुनौतियां पैदा कर दी है. उन्होंने कहा, हम न केवल जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, बल्कि अब स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं हैं. प्रधानमंत्री ने आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद की चुनौतियों का भी जिक्र किया.

ग्लोबल साउथ सम्मेलन

यह विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने का एक मंच है

उन्होंने कहा, आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद हमारे समाज के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं. मोदी ने कहा, प्रौद्योगिकी विभाजन और प्रौद्योगिकी से जुड़ी नयी आर्थिक व सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं. पिछली शताब्दी में स्थापित वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थान वर्तमान शताब्दी की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हैं. मोदी ने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने का एक मंच बन गया है.

भारत ने विकासोन्मुखी दृष्टिकोण से जी20 को आगे बढ़ाया है

उन्होंने कहा कि जी20 के भारत के नेतृत्व में हमने ग्लोबल साउथ की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं व प्राथमिकताओं के आधार पर एजेंडा बनाया. मोदी ने कहा कि भारत ने विकासोन्मुखी दृष्टिकोण से जी20 को आगे बढ़ाया है. उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ की ताकत उसकी एकता में है. इसी एकता के बल पर हम नयी दिशा की ओर बढ़ेंगे. उन्होंने कहा, वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन एक ऐसा मंच है, जहां हम उन लोगों की जरूरतों, आकांक्षाओं को आवाज देते हैं, जिन्हें अभी तक अनसुना किया गया है.

मेघालय में कांग्रेस ने दो विधायकों को निलंबित किया

शिलांग । मेघालय में विपक्षी दल कांग्रेस ने अपने दो विधायकों- गैब्रियल वहलांग और चार्ल्स मार्नगर को सत्तारूढ़ एमडीए के साथ मेलजोल बढ़ाने के आरोप लगने के बाद निलंबित कर दिया. राज्य की 60 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के चार विधायक थे. कांग्रेस की प्रदेश इकाई के महासचिव वानसुक सिएम ने एक विज्ञप्ति में कहा कि विधायकों को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निलंबित कर दिया गया है. दोनों विधायकों को भेजे गए पत्र में सिएम ने कहा, पार्टी का यह निर्णय ब्लॉक समिति और प्रमुख संगठन की हालिया रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है, जिसमें आपके पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है.

अफ्रीका में 'एमपॉक्स' के प्रकोप को नजरअंदाज किया गया

अगली वैश्विक महामारी बन सकता है एमपॉक्स

एजेंसी। जोहानिसबर्ग

अफ्रीका में 'एमपॉक्स' का प्रकोप इस तथ्य का एक और उदाहरण है कि कैसे संक्रामक रोगों को किसी दूसरे की समस्या समझा जाता है. विशेष तौर पर गरीबों व विकासशील देशों को प्रभावित करने वाली यह बीमारी अचानक विश्व के लिए अप्रत्याशित रूप से नया खतरा बन सकती है. नजरअंदाज की गई अन्य बीमारियों के उदाहरण वेस्ट नाइल, जीका और चिकनगुनिया वायरस हैं. 'एमपॉक्स' का पता 1958 (बंधक बनाये गये बंदरों में, इसलिए मूल रूप से इसका नाम 'मंकीपॉक्स' रखा गया) में चला था और इंसानों में इसके सबसे पहले मामले की पहचान 1970 में हुई थी. इसके बाद दशकों तक वैज्ञानिकों और जन स्वास्थ्य समुदायों ने इस संक्रामक रोग को नजरअंदाज किया क्योंकि यह अफ्रीका के ज्यादातर दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में फैलने वाला एक असामान्य संक्रमण था, जिसका बाकी दुनिया में कोई नामोनिशान नहीं था. जब 'एमपॉक्स' ने 2022 में विकसित देशों को प्रभावित करना शुरू किया तब जाकर शोधकर्ताओं ने शोध शुरू किये और वैज्ञानिक अध्ययनों की संख्या में इजाफा हुआ. अप्रैल 2022 के बाद से केवल एक 'मेडिकल सर्च इंजन' पर ही पिछले 60 वर्षों की अपेक्षा अधिक शोध किए गए हैं. अफ्रीकी शोधकर्ताओं ने 'एमपॉक्स' के निदान, उसके उपचार और संक्रमण को रोकने वाले उपकरणों में वैश्विक निवेश को बढ़ाने की जरूरत को लेकर बार-बार आह्वान किया, जिसके बावजूद 2022-23 में 'एमपॉक्स' एक वैश्विक प्रकोप के रूप में सामने आया.

आपात कालीन स्थिति घोषित कर दिया : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मध्य अफ्रीका में 'एमपॉक्स' के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक जन स्वास्थ्य आपात स्थिति के रूप में घोषित कर दिया है. यह उन बीमारियों के लिए उच्चतम चेतावनी स्तर है, जो अन्य देशों के लिए जन स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न करती हैं और इनके लिए समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है. हैरानी की वजह बना 2022 का प्रकोप इस बीमारी को 'एमपॉक्स' के रूप में नया नाम अब भी 'मंकीपॉक्स' ही है. इसका 'स्मॉलपॉक्स वायरस' से करीबी संबंध है. एमपीएक्सवी को मध्य और पश्चिमी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में फैली बीमारी के रूप में जाना जाता था.

ज्यादातर व्यस्कों को करता है प्रभावित

वायरस के नये प्रकार के मामलों में मृत्यु दर 2022 के वैश्विक प्रकोप की तुलना में अधिक है. इस प्रकोप के कारण कई पड़ोसी देशों में 'एमपॉक्स' के मामले सामने आए हैं, जिनमें कुछ (जैसे केन्या) ऐसे देश भी शामिल हैं, जहां इस वायरस का पिछला कोई रिकॉर्ड नहीं है. चुनौती बहुत बड़ी है. पूर्वी डीआरसी क्षेत्र कई समस्याओं से घिरा हुआ क्षेत्र है, जहां प्राकृतिक आपदा और हिंसा के अलावा खसरा, हैजा और पोलियो जैसे रोग फैले हुए हैं.

नया और खतरनाक वायरस

मौजूदा वायरस 'आई एमपीएक्सवी' (जिसे पहले वायरस का कांगो बेसिन प्रकार कहा जाता था) 'क्लेड टू' (पश्चिम अफ्रीकी प्रकार) वायरस की तुलना में अधिक संक्रामक है और इसमें लोगों को जान जाने का खतरा अधिक होता है. मौजूदा संक्रमण का केंद्र पूर्वी डीआरसी का दक्षिण किवु प्रांत है और इसमें एक बड़ी महामारी को आकार देने की क्षमता है. ये वायरस एक अलग किस्म का वायरस है, जो अक्सर यौन संबंध बनाने के कारण मानव-से-मानव में आसानी से फैल सकता है. इसकी संक्रामकता बढ़ सकती है (लेकिन हमें अभी तक पता नहीं है).

क्या करने की जरूरत

'द लांसेट ग्लोबल हेल्थ' में हमारे एक हालिया लेख में बताया गया कि इस प्रकोप को रोकने और इसे संभवत: महामारी में बदलने से रोकने के लिए क्या किया जाना चाहिए. नैदानिक जांच, टीकों और एंटीवायरल उपचारों तक पहुंच के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता और वित्तीय निवेश की आवश्यकता है. इसके संपर्क में आने वाले लोगों, संचरण मार्गों और नैदानिक जांच के बारे में अधिक जानकारी जुटाने के लिए वैज्ञानिक जांच की आवश्यकता है.

मंकीपॉक्स सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित, केंद्र सरकार हुई सतर्क

नई दिल्ली । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मंकीपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित करने के मद्देनजर, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय सतर्क हो गया है. शनिवार को मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंकीपॉक्स की स्थिति और तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की. फिलहाल भारत में मंकीपॉक्स का कोई मामला सामने नहीं आया है. मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी हवाई अड्डों, बंदरगाहों और ग्राउंड क्रॉसिंग पर स्वास्थ्य इकाइयों पर अत्यधिक सावधानी बरती जानी चाहिए. इन स्थानों को अधिक संवेदनशील बनाने के साथ परीक्षण प्रयोगशालाओं (लैब) को तैयार करना, किसी भी मामले का पता लगाने, अलग करने और उसका प्रबंधन करने आदि के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को तैयार करने पर जोर देना चाहिए.

उप्र में शिक्षक भर्ती का मामला, नेता प्रतिपक्ष ने कहा-

आरक्षण व्यवस्था से खिलवाड़ पर करारा जवाब : राहुल गांधी

लगातार न्यूज नेटवर्क। लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश में 69 हजार शिक्षकों की भर्ती की मेरिट लिस्ट को रद्द करने का आदेश देने के बाद देशभर में राजनीति गरमा चुकी है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राज्य की योगी सरकार पर सवाल उठाया है. राहुल ने कहा कि 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला आरक्षण व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वाली भाजपा सरकार की साजिशों को करारा जवाब है. उन्होंने कहा कि यह पांच वर्षों से सड़कों पर निरंतर संघर्ष कर रहे अमित मौर्या जैसे हजारों युवाओं की ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले हर योद्धा की जीत है.

भाजपा पर आरक्षण छीनने का आरोप : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि आरक्षण छीनने की भाजपा की जिद ने सैकड़ों निर्दोष अभ्यर्थियों का भविष्य अंधकार में धकेल दिया है. पांच साल ठोकरें खा कर बर्बाद होने के बाद जिनको नई सूची के जरिए नौकरी मिलेगी और जिनका नाम अब चयनित सूची से कट सकता है, दोनों की गुनहगार सिर्फ भाजपा है. पढ़ाई करने वालों को लड़ाई करने पर मजबूर करने वाली भाजपा सरकार सही मायने में युवाओं की दुश्मन है.

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्या आदेश दिये हैं

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश में सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा के तहत 69 हजार सहायक शिक्षकों की नियुक्ति के लिए जून 2020 में जारी चयन सूची और 6800 अभ्यर्थियों की पांच जनवरी 2022 की चयन सूची को दरकिनार कर नए सिरे से सूची बनाने के आदेश दिए हैं. दो जजों की पीठ ने एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए नए सिरे से मेरिट लिस्ट जारी करने का आदेश दिया है. इसके साथ ही सरकार को आरक्षण नियमावली 1994 की धारा 3(6) और बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 का पालन करने का आदेश दिया है.

हरियाणा में 24 घंटे में चार विधायकों ने छोड़ी पार्टी

हरियाणा । हरियाणा में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है. चुनाव के ऐलान के साथ ही जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) में भगदड़ मची हुई है. जेजेपी से पिछले 24 घंटे में 4 विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. इसमें ईश्वर सिंह, देवेंद्र बबली, अनूप धानक और राम करण कला का नाम शामिल है. बता दें कि हरियाणा के टोहाना से जेजेपी विधायक और पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली ने शनिवार को पार्टी के तमाम पदों से इस्तीफा दिया है, उन्होंने पार्टी अध्यक्ष अजय चौटाला को एक पत्र के जरिए अपना इस्तीफा सौंप दिया है. इससे पहले पार्टी के एक और विधायक और पूर्व मंत्री अनूप धानक और रामकरण काला ने भी पार्टी छोड़ दी है. इसके अलावा विधायक ईश्वर सिंह ने भी पार्टी की सभी दायित्वों से इस्तीफा दे दिया है.

दिल्ली कोचिंग सेंटर मौत का मामला

अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने यहां के एक कोचिंग सेंटर में मौतों के मामले में बेसमेंट के चार सह-मालिकों की जमानत याचिकाओं पर 23 अगस्त को अपना फैसला सुना सकती है. पिछले महीने कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में जलभराव के कारण सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की मौत हो गई थी. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने शनिवार को सीबीआई तथा आरोपियों परविंदर सिंह, तजिंदर सिंह, हरविंदर सिंह और सरबजीत सिंह की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया. दलीलों के दौरान, आरोपियों के वकील ने अदालत को बताया कि यह घटना ईश्वरीय कृत्य थी और अगर नागरिक एजेंसियों ने अपना कर्तव्य निभाया होता, तो इसे टाला जा सकता था. वकील ने दलील दी कि बेसमेंट कोई पुस्तकालय नहीं था, बल्कि कक्षाएं शुरू होने से पहले छात्रों के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र है.

उन्होंने दावा किया कि घटना से कुछ दिन पहले परिसर में अग्निशमन विभाग द्वारा निरीक्षण किया गया था, जिसमें बताया गया था कि बेसमेंट का उपयोग भंडारण कक्ष के तौर किया जा रहा था और भवन सुरक्षित था तथा शैक्षणिक केंद्र चलाने के लिए उपयुक्त था. वकील ने यह भी कहा कि गैर इरादतन हत्या की धारा लगाने के लिए, अपराध करने का इरादा भी होना चाहिए.

25 साल बाद गाजा में पोलियो का पहला मामला आया सामने

यूनिसेफ ने युद्ध रोक टीकाकरण की मांग की

एजेंसी। रामल्ला

पोलियो मुक्त गाजा में 25 साल बाद पोलियो का पहला मामला सामने आया है. युद्ध प्रभावित देश के दीर अल-बलाह शहर में एक 10 माह के बच्चे में पोलियो संक्रमण की पुष्टि हुई है. फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी. स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 10 माह के बच्चे में पोलियो के लक्षण पाये गये थे. इसके बाद उसकी जांच करायी गयी, जिसमें संक्रमण की पुष्टि हुई. इस बच्चे को पोलियो रोधी टीके की एक भी खुराक नहीं लगी थी. अधिकारियों ने बताया कि पिछले महीने गाजा के दो प्रमुख शहरों के अपशिष्ट जल से नमूने एकत्र किये गये थे इन नमूनों की जांच करने पर इसमें पोलियो का वायरस पाया गया था. जॉर्डन की राजधानी अम्मान में एक 10 माह के बच्चे में पोलियो के लक्षण पाये गये. जांच करने पर टाइप 2 पोलियो वायरस की पुष्टि हुई.

25 साल से गाजा था पोलियो मुक्त

10 माह के बच्चे में पोलियो का पहला मामला सामने आया

फलस्तीनी बच्चों का टीकाकरण करने का किया आह्वान : संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने इजरायल-हमास युद्ध रोककर लाखों बच्चों को टीका लगाने का आह्वान किया है. संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी (यूनिसेफ) ने भी इजराइल और हमास से सात दिन के लिए युद्ध रोकने की मांग की है. ताकि 6,40,000 फलस्तीनी बच्चों को पोलियो से बचाव का टीका दिया जा सके. हालांकि इस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है.

मेरठ में रानी अवंती बाई की शोभा यात्रा पर पथराव

मेरठ । उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर के संवेदनशील क्षेत्र खैरनगर में शुक्रवार रात निकाली जा रही अवंतीबाई लोधी शोभायात्रा पर कथित पथराव के बाद सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई. हालांकि, पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया. शोभायात्रा पर हमले की सूचना पर भाजपा नेता कमल दत्त शर्मा समेत कई लोग बुढ़ाना गेट चौकी पर जमा हो गए. पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह ने शनिवार सुबह घटना के बारे में बताया कि दो पक्षों में डीजे को लेकर विवाद हुआ था, जिसे शांत करा दिया गया है.

साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे डिरेल

- हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, आईबी करेगी जांच

एजेंसी। लखनऊ

कानपुर और भीमसेन रेलवे स्टेशन के बीच शनिवार सुबह करीब ढाई बजे वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे पटरी से उतर गये. गनीमत रही कि इस हादसे में जान-माल का नुकसान नहीं हुआ. घटना की सूचना पर मौके पर रेलवे, पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी पहुंचे. साथ ही राहत-बचाव टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन किया.

सभी यात्रियों को घटनास्थल से निकाल लिया गया है. इसके बाद उनको बस से वापस कानपुर सेंट्रल स्टेशन भेजा जा रहा है. एक मेमो ट्रेन भी यहां आ रही है. इस हादसे की वजह से कानपुर-झांसी मार्ग पर ट्रेन परिचालन बाधित हुआ है. इस बात की जानकारी उत्तर-मध्य रेलवे (एनसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने दी.

कानपुर-झांसी मार्ग पर ट्रेन परिचालन बाधित : वहीं, रेलवे बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि ट्रेन के इंजन से कोई बड़ा पत्थर आ टकराया, जिससे इसके अगले हिस्से में लगा 'कैटल गार्ड' (जानवरों से बचाव के लिए) बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने बताया कि साबरमती एक्सप्रेस हादसे की वजह से कानपुर-झांसी मार्ग पर ट्रेन परिचालन बाधित हुआ है. सात ट्रेन रद्द कर दी गयी है. जबकि तीन के मार्ग में बदलाव किया गया है.

लगा झटका तहव्वुर राणा का भारत आने का रास्ता साफ, अदालत ने सुनाया फैसला

तहव्वुर राणा को भारत को सौंपा जा सकता : अमेरिकी अदालत

एजेंसी। वाशिंगटन

मुंबई आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के आरोपी और पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को 'यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर नाइंथ सर्किट से बड़ा झटका लगा है. अदालत ने तहव्वुर राणा को भारत अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत को प्रत्यर्पित (सौंपा) किया जा सकता है. कोर्ट ने कहा कि भारत अमेरिका प्रत्यर्पण संधि राणा के प्रत्यर्पण की अनुमति देती है. बता दें कि तहव्वुर राणा अमेरिका की जेल में बंद है. उस पर मुंबई हमलों में संलिप्तता का आरोप है. साथ ही उसे पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली का साथी माना जाता है, जो 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है. इन आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकी नागरिकों समेत कुल 166 लोगों की मौत हो गयी थी.

आदेश के खिलाफ राणा ने दायर की थी याचिका

दरअसल तहव्वुर राणा ने कैलिफोर्निया में अमेरिकी 'डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' के आदेश के खिलाफ 'यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर नाइंथ सर्किट' में याचिका दायर की थी. कैलिफोर्निया की अदालत ने उसकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को अस्वीकार कर दिया था. राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में मुंबई में आतंकवादी हमलों में राणा की कथित संलिप्तता के लिए उसे भारत प्रत्यर्पित किये जाने के मजिस्ट्रेट न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी गयी थी. 'यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर नाइंथ सर्किट' के न्यायाधीशों के पैनल ने 'डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' के फैसले की पुष्टि की. प्रत्यर्पण आदेश की बंदी प्रत्यक्षीकरण समीक्षा के सीमित दायरे के तहत, पैनल ने माना कि राणा पर लगाये गये आरोप अमेरिका और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि की शर्तों के अंतर्गत आते हैं. इस संधि में प्रत्यर्पण के लिए 'नॉन बिस इन आइडेम' (किसी व्यक्ति को एक अपराध के लिए दो बार दंडित नहीं किये जाने का सिद्धांत) अपवाद शामिल है. जिस देश से प्रत्यर्पण का अनुरोध किया गया हो, यदि 'वांछित व्यक्ति को उस देश में उन अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया हो या दोषमुक्त कर दिया गया हो, जिनके लिए प्रत्यर्पण का अनुरोध किया गया है', तो ऐसी स्थिति में यह अपवाद लागू होता है.

बिल गेट्स ने सिएटल में भारत दिवस समारोह की शुरुआत की

एजेंसी। सिएटल/न्यूयॉर्क

प्रौद्योगिकी कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' के सह-संस्थापक और अरबपति परोपकारी बिल गेट्स ने सिएटल क्षेत्र में पहले भारत दिवस समारोह को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि सुरक्षित टीकों के निर्माण से लेकर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे तक हर क्षेत्र में भारत की कुशलता न केवल भारतीयों, बल्कि पूरे विश्व की मदद कर रही है. गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष गेट्स ने भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के मुख्य अतिथि के रूप में ग्रेटर सिएटल क्षेत्र में प्रथम भारत दिवस समारोह का उद्घाटन किया. सिएटल वाणिज्य दूतावास द्वारा शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि गेट्स ने समारोह में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 2,000 से अधिक सदस्यों को संबोधित करते हुए भारत को प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व नवोन्मेष करने वाला एक वैश्विक नेता बताया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)